नई दिल्ली । रविवार, 26 जुलाई, 2026
आषाढ़ शुक्ल पक्ष द्वादशी, सिद्धार्थि संवत्सर विक्रम संवत 2083
वर्ष :12, अंक : 201/ मूल्य 3.00 रुपए । पृष्ठ 12

दैनिक
विश्व केसरी
सिर्फ पत्रकारिता...
नई दिल्ली संस्करण
vishwakesari.com
@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwa_kesari_official
आर. एन. आई. संख्या डीईएलएच आईएन/2015/61415

@ खेल एफआईएच हॉकी वर्ल्ड कप... | @ साहित्य केसरी भैया... | @ व्यापार डोडला डेयरी का पहली तिमाही में मुनाफा...

छात्र आंदोलन के आगे झुकी मोदी सरकार, शिक्षा मंत्री का इस्तीफा

एजेंसी ■ नई दिल्ली

जंतर-मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के विरोध प्रदर्शन के बीच आखिरकार केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने अपना इस्तीफा पीएम मोदी को भेज दिया है। प्रधान ने कहा कि राष्ट्रसेवा मेरे जीवन की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए धर्मेंद्र प्रधान ने लिखा कि मेरे युवा साथियों, मैं पिछले 4 दशकों से अधिक समय से छात्र, शिक्षक और शिक्षा सुधार के लिए समर्पित रहा हूं। मेरा सदैव यह विश्वास रहा है कि एक सशक्त, समावेशी और दूरदर्शी शिक्षा व्यवस्था ही सशक्त राष्ट्र की आधारशिला होती है। मैं देश के युवाओं की आकांक्षाओं, भावनाओं और उनकी न्यायोचित अपेक्षाओं का गहरा सम्मान करता हूं।

उन्होंने लिखा कि भारत की युवा पीढ़ी के सपनों को साकार करना हम सभी के राजनीतिक एवं सामाजिक जीवन का नैतिक संकल्प रहा है। प्रधानमंत्री मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में राष्ट्र की सेवा करने का जो अवसर मुझे प्राप्त हुआ, उसके लिए मैं प्रधानमंत्री का आभार प्रकट करता हूं। 3 मई को हुई नीट यूजी की परीक्षा में अनियमितता पाई गई। भारत सरकार ने इसको तुरंत संज्ञान में लेते हुए जांच सीबीआई को सौंपी और परीक्षा को रद्द किया और पुन: परीक्षा की तिथि घोषित की गई। इसके साथ ही अगले वर्ष से इस परीक्षा को सीबीटी मोड में करने का निर्णय लिया गया। इस दौरान हमारी प्रमुख प्राथमिकता यह रही कि 20 लाख से अधिक छात्रों की परीक्षा सुचारू रूप से आयोजित की जाए। इसके लिए सरकार का समग्र दृष्टिकोण के तहत काम किया गया। इसमें भारत सरकार के साथ राज्य सरकार, विशेषकर जिला प्रशासन की महत्वपूर्ण भूमिका रही। साथ ही छात्रों, अभिभावक और माता-पिता के सहयोग से 21 जून को यह परीक्षा पूर्ण हुई।

धर्मेंद्र प्रधान ने लिखा कि पहले ही दिन से, इस पर मैंने जिम्मेदारी ली और इस परिस्थिति से कभी मुंह नहीं मोड़ा। मेरा यह संकल्प था कि हम किसी भी मेधावी छात्र की संभावना परीक्षा माफिया के कारण खराब नहीं होने देंगे। किसी भी छात्र के साथ अन्याय नहीं होने देंगे। 16 जुलाई को घोषित नीट-यूजी के परिणाम संतोषजनक रहे जिसमें गरीब पृष्ठभूमि से आए कई मेधावी छात्रों को भी सफलता मिली, परंतु इस दौरान भी कई छात्रों को गुमराह करने के लिए जिम्मेदार पदों पर बैठे व्यक्तियों ने बाधा डालने की कोशिश की, जिससे मन अत्यंत व्यथित हुआ। मैं सदैव हमारे प्रजातंत्र की शक्ति में अटूट विश्वास रखने वाला रहा हूं तथा युवाओं की आकांक्षाओं, सपनों और अपेक्षाओं का गहरा सम्मान करता आया हूं। वे केवल भारत का भविष्य ही नहीं हैं, बल्कि एक नए और विकसित भारत के वाहक, निर्माता और भविष्य के शिल्पकार भी हैं।

जंतर-मंतर पर सीजेपी के विरोध प्रदर्शन का जिक्र करते हुए प्रधान ने कहा कि पिछले 10 दिनों का घटनाक्रम देखकर मेरा मन दुखी है। यह मेरे लिए व्यक्तिगत प्रतिष्ठा का विषय नहीं है। भारत की युवा शक्ति ही इस देश की असली ताकत है।

देश की युवा शक्ति को भ्रम के कुचक्र में फंसने नहीं देंगे, यही मेरा संकल्प है। जंतर-मंतर पर और देश में जो स्थिति बनी है, इस स्थिति का राष्ट्र विरोधी ताकतें लाभ न उठाएं। देश की एकता बनी रहे, भारत के एक भी विद्यार्थी का भविष्य कानूनी पेचीदगियों में न उलझे, हमारे बच्चे अपना समय पढ़ाई में लगाएं, करियर बनाने पर फोकस करें, इसी बात पर विचार करते हुए मैंने अपना त्यागपत्र प्रधानमंत्री मोदी को भेज दिया है।

धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफ़े पर अभिजीत दीपके बोले- 'झुकती है दुनिया झुकाने वाले चाहिए'

एजेंसी ■ नई दिल्ली

कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के जंतर-मंतर पर एक महीने से अधिक समय तक प्रदर्शन के बाद केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने इस्तीफ़ा दे दिया है।

हालांकि अभी उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को इस्तीफ़ा सौंपा है और इसे राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के स्वीकार करने के बाद स्वीकृत माना जाएगा।

सीजेपी के मंच से पर्यावरण कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने इस्तीफ़े की मांग को लेकर 26 दिनों तक भूख हड़ताल की।

वहीं इस प्रदर्शन में शुरुआत से छात्र संगठन जुड़े हुए हैं। वो भले मंच पर अनशन पर नहीं बैठे लेकिन मंच के किनारे अनशन पर बैठे रहे। ऑल इंडिया स्टूडेंट असोसिएशन यानी आइसा जो सीपीआई (एमएल) की छात्र शाखा है, इसके तीन छात्रों ने 23 दिनों तक अनशन किया। इस्तीफ़े के फ़ैसले के बाद जंतर-मंतर पर मंच से सीजेपी संस्थापक अभिजीत दीपके ने कहा कि हमने कर दिखाया। धर्मेंद्र प्रधान ने इस्तीफ़ा दे दिया है। उन्होंने कहा, 'क्या कहते थे ये कि इस सरकार में इस्तीफ़े नहीं होते और हम क्या कहते हैं- झुकती है दुनिया झुकाने वाले चाहिए। धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफ़ा तो हो गया और ये इस्तीफ़ा इस बात का गवाह है कि अगर आप लोग डरेंगे नहीं और सरकार के सामने झुकेंगे नहीं तो अच्छे अच्छों के हम इस्तीफ़े ले सकते हैं। केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा और जितेंद्र सिंह के साथ तीसरे दौर की बातचीत के बाद कॉकरोच जनता पार्टी ने प्रदर्शनकारियों से वापस जाने की अपील की है।

सीजेपी के प्रवक्ता अभिषेक रांका ने कहा कि उनकी मांगें मान ली गई हैं और प्रदर्शनकारी अपने घर वापस लौटें। उन्होंने कहा कि चार सप्ताह बाद फिर से वो मुलाक़ात करेंगे और अपनी मांगों और आगे शिक्षा में सुधार पर चर्चा करेंगे।

धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे पर सोनम वांगचुक बोले, 'यह लोकतंत्र की जीत, अब जवाबदेही के बाद सुधारों की बारी'

प्रह्लाद जोशी को मिला शिक्षा मंत्रालय का अतिरिक्त प्रभार

कॉकरोच जनता पार्टी के आंदोलन के बाद शनिवार को केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद केंद्रीय मंत्री प्रल्हाद जोशी को शनिवार को शिक्षा मंत्रालय का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया। यह घटनाक्रम परीक्षा प्रश्नपत्र लीक के विरोध प्रदर्शनों के बीच हुआ है। राष्ट्रपति कार्यालय ने शनिवार को जारी एक आधिकारिक विज्ञप्ति के माध्यम से इस नियुक्ति की पुष्टि की।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सलाह पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने धर्मेंद्र प्रधान का केंद्रीय मंत्रिपरिषद से इस्तीफा तत्काल प्रभाव से स्वीकार कर लिया है। यह स्वीकृति संविधान के अनुच्छेद 75(2) के तहत की गई है। इसी बीच, राष्ट्रपति ने केंद्रीय मंत्रिमंडल मंत्री प्रल्हाद जोशी को शिक्षा मंत्रालय की अतिरिक्त जिम्मेदारी सौंपी है, जबकि वे खाद्य एवं उपभोक्ता मामलों के केंद्रीय मंत्री के रूप में अपना मौजूदा कार्यभार भी संभालते रहेंगे।

कॉकरोच जनता पार्टी का आंदोलन खत्म करने का ऐलान, कहा- सरकार ने मान ली मांग

एजेंसी ■ नई दिल्ली

कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने शनिवार को सरकार के साथ एक अहम बैठक की। बैठक के बाद कॉकरोच जनता पार्टी ने एक बड़ा ऐलान किया। सीजेपी ने आंदोलन खत्म करने की घोषणा कर दी। वहीं, सीजेपी ने जंतर-मंतर से आंदोलन को वापस लेने का ऐलान करते हुए कहा कि केंद्र सरकार ने हमारी मांग मान ली है और हम आंदोलन को खत्म करने का ऐलान करते हैं।

सरकार से बातचीत के बाद कॉकरोच जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता आशुतोष रांका ने कहा कि हमने सरकारी प्रतिनिधिमंडल के साथ तीन राउंड की बातचीत की। जंतर-मंतर पर हमारा प्रोटेस्ट, जो कई दिनों से चल रहा था, हमारी तीन मुख्य मांगें थीं: केंद्रीय शिक्षा मंत्री के पद से धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा, प्रदर्शनकारियों और आयोजकों के खिलाफ फाइल किए गए सभी लीगल केस, एफआईआर वापस ली जाएं और प्रदर्शनकारियों या आयोजकों के खिलाफ भविष्य में कोई केस फाइल नहीं किया जाए।

धर्मेंद्र प्रधान की विदाई: जनदबाव की ताकत का शंखनाद

सुजीत कुमार ■ नई दिल्ली

भारतीय राजनीति में यह माना जाता रहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सार्वजनिक दबाव में अपने मंत्रियों को हटाने से बचते हैं। ऐसे में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफ़ा एक ऐसे राजनीतिक घटनाक्रम के रूप में देखा जा रहा है जिसने सरकार को अपनी रणनीति बदलने पर मजबूर कर दिया।

राजनीतिक विश्लेषकों का आकलन है कि यदि सरकार और देर करती, तो छात्र असंतोष कहीं अधिक व्यापक राजनीतिक चुनौती में बदल सकता था।

बीते कुछ सप्ताह में छात्र आंदोलन ने जिस गति से राष्ट्रीय स्वरूप ग्रहण किया, उसने सरकार के लिए संकट की गंभीरता बढ़ा दी। आंदोलन केवल जंतर-मंतर तक सीमित नहीं रहा बल्कि देश के अनेक शहरों तक पहुंच गया। सोशल मीडिया पर लाखों छात्रों ने अभियान चलाए और शिक्षा व्यवस्था में जवाबदेही की मांग राष्ट्रीय बहस का विषय बन गई।

विश्लेषकों का मानना है कि सरकार ने शुरुआत में इसे सामान्य विरोध मानकर प्रशासनिक घोषणाओं के जरिए नियंत्रित करने का प्रयास किया। परीक्षा सुधार, जांच, संस्थागत बदलाव और नई व्यवस्था की घोषणाएं की गईं। लेकिन आंदोलन की दिशा बदल चुकी थी। छात्रों का कहना था कि केवल सुधार नहीं, बल्कि राजनीतिक जवाबदेही भी तय होनी चाहिए। इसी बिंदु पर शिक्षा मंत्री का इस्तीफ़ा आंदोलन का सबसे बड़ा प्रतीकात्मक मुद्दा बन गया।

राजनीतिक पर्यवेक्षकों का कहना है कि सरकार के सामने सबसे बड़ी चिंता यह थी कि युवा मतदाता तेजी से इस मुद्दे पर एकजुट दिखाई देने लगे थे। पिछले एक दशक में भाजपा ने युवाओं के बीच मजबूत राजनीतिक आधार बनाया है। यदि शिक्षा और रोजगार का असंतोष लगातार बढ़ता, तो इसका असर केवल शिक्षा मंत्रालय तक सीमित नहीं रहता बल्कि व्यापक राजनीतिक विमर्श में बदल सकता था।

कई राजनीतिक विश्लेषक मानते हैं कि धर्मेंद्र प्रधान की विदाई का उद्देश्य केवल तत्काल राजनीतिक तापमान कम करना नहीं था, बल्कि यह संदेश देना भी था कि सरकार जनभावनाओं को पूरी तरह नज़रअंदाज़ नहीं कर सकती। उनका आकलन है कि यदि निर्णय में और विलंब होता, तो आंदोलन अधिक व्यापक स्वरूप ग्रहण कर सकता था और उसकी राजनीतिक कीमत कहीं अधिक भारी पड़ती।

धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफ़ा केवल एक मंत्री की विदाई नहीं, बल्कि एक बड़ा राजनीतिक संकेत भी माना जा रहा है। मोदी सरकार के सामने दो ही विकल्प थे—या तो छात्र आंदोलन की प्रमुख मांगों को स्वीकार कर राजनीतिक तापमान कम किया जाए, अथवा आंदोलन को और व्यापक होने दिया जाए, जिससे उसका असर देशव्यापी राजनीतिक चुनौती में बदल सकता था। विश्लेषकों का कहना है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की राजनीतिक शैली आमतौर पर दबाव के आगे झुकने वाली नहीं मानी जाती। ऐसे में शिक्षा मंत्री का इस्तीफ़ा इस बात का संकेत माना जा रहा है कि सरकार ने बदलते जनमत और युवाओं के बढ़ते असंतोष की गंभीरता को स्वीकार किया। उनके अनुसार इस निर्णय ने यह धारणा भी मजबूत की कि जब छात्र आंदोलन राष्ट्रीय स्वरूप ग्रहण कर ले और व्यापक जनसमर्थन हासिल करने लगे, तब किसी भी सरकार के लिए उसकी प्रमुख मांगों की अनदेखी करना राजनीतिक रूप से कठिन हो जाता है। राजनीतिक पर्यवेक्षकों का मानना है कि यह निर्णय केवल तत्काल संकट प्रबंधन नहीं था, बल्कि भविष्य में छात्र आंदोलनों की राजनीतिक प्रभावशीलता का भी एक महत्वपूर्ण संकेत है। उनके अनुसार इस घटनाक्रम ने यह संदेश दिया कि संगठित और व्यापक छात्र आंदोलन लोकतांत्रिक व्यवस्था में सरकारों को अपनी रणनीति बदलने के लिए विवश कर सकते हैं।

महानदी ऑफशोर बेसिन में पहले अप्रेजल वेल की ड्रिलिंग शुरू, ऊर्जा सुरक्षा की दिशा में नया अध्याय: हरदीप पुरी

विश्व केसरी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने शनिवार को महानदी अपतटीय (ऑफशोर) बेसिन में पहले अप्रेजल वेल की ड्रिलिंग शुरू होने की घोषणा करते हुए इसे भारत की ऊर्जा सुरक्षा की दिशा में 'एक नए अध्याय की शुरुआत' बताया।

केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि इस पहले अप्रेजल वेल की ड्रिलिंग की शुरुआत पिछले एक दशक में किए गए दूरदर्शी सुधारों का परिणाम है, जिन्होंने भारत के एक्सप्लोरेशन एंड प्रोडक्शन क्षेत्र में बड़ा बदलाव लाया है। महानदी ऑफशोर बेसिन में शुरू किया गया 'एमएन-डीडब्ल्यूएन18-1-एचडी' अप्रेजल वेल चार प्रस्तावित डीपवॉटर वेल में पहला है। इन कुओं के जरिए देश के सबसे संभावनाशील ऑफशोर बेसिन में से एक का चरणबद्ध तरीके से आकलन किया जाएगा। पेट्रोलियम मंत्रालय के अनुसार, इस ड्रिलिंग कार्यक्रम में विश्वस्तरीय डीपवॉटर ड्रिलिंग टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल किया जाएगा, जिससे नए हाइड्रोकार्बन संसाधनों की खोज करने और देश की घरेलू उत्पादन क्षमता बढ़ाने में मदद मिलेगी। मंत्री ने कहा कि पिछले दस वर्षों में सरकार ने ऐतिहासिक नीतिगत और नियामकीय सुधारों के जरिए एक्सप्लोरेशन एंड प्रोडक्शन क्षेत्र के पूरे ढांचे को बदल दिया है। हरदीप पुरी ने ओएनजीसी, ऑयल इंडिया लिमिटेड, डायरेक्टरेट जनरल ऑफ हाइड्रोकार्बन्स, तकनीकी साझेदारों और पूरे एक्सप्लोरेशन क्षेत्र से जुड़े सभी लोगों को बधाई देते हुए विश्वास जताया कि इस ड्रिलिंग की शुरुआत भारत के ऑफशोर एक्सप्लोरेशन को और मजबूत करेगी तथा देश की दीर्घकालिक ऊर्जा सुरक्षा और ऊर्जा आत्मनिर्भरता के लक्ष्य को हासिल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। उन्होंने कहा, 'आज जब हम इस पहले वेल की ड्रिलिंग शुरू कर रहे हैं, तो हम केवल समुद्र की तलहटी में ड्रिलिंग नहीं कर रहे, बल्कि भारत की भविष्य की ऊर्जा सुरक्षा की नींव मजबूत कर रहे हैं। ड्रिलिंग का हर मीटर हमें आयात पर निर्भरता कम करने, आत्मनिर्भरता बढ़ाने और विकसित भारत के विजन को साकार करने के और करीब ले जाएगा।'

मंत्री ने हाइड्रोकार्बन एक्सप्लोरेशन एंड लाइसेंसिंग पॉलिसी (एचईएलपी) की शुरुआत, नामांकन आधारित व्यवस्था की जगह ओपन एकरेज लाइसेंसिंग प्रोग्राम (ओएएलपी) लागू करने, पारदर्शी रेवेन्यू शेयरिंग व्यवस्था अपनाने और पहले प्रतिबंधित रहे लगभग 99 प्रतिशत ऑफशोर 'नो-गो' क्षेत्रों को एक्सप्लोरेशन के लिए खोलने जैसे प्रमुख सुधारों का भी उल्लेख किया। हरदीप पुरी ने कहा कि वर्ष 2014 के बाद भारत के कुल सक्रिय एक्सप्लोरेशन एकरेज का लगभग 81 प्रतिशत आवंटित किया गया है, जो इन सुधारों के कारण निवेशकों और एक्सप्लोरेशन कंपनियों के बढ़े भरोसे को दर्शाता है।

18 अगस्त से विजिनजम बंदरगाह पर शुरू होगा आयात-निर्यात कार्गो संचालन, सीएम सतीशन करेंगे शुभारंभ

विश्व केसरी

तिरुवनंतपुरम। केरल का विजिनजम अंतरराष्ट्रीय बंदरगाह 18 अगस्त से पूर्ण रूप से एक्सपोर्ट-इंपोर्ट (एक्सिम) कार्गो संचालन शुरू करने जा रहा है। इसके साथ ही देश का यह नया गहरे समुद्र वाला बंदरगाह केवल अंतरराष्ट्रीय ट्रांसशिपमेंट हब तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि भारत के विदेशी व्यापार के लिए एक प्रमुख गेटवे पोर्ट के रूप में भी काम करेगा।

मुख्यमंत्री वी.डी. सतीशन 18 अगस्त को औपचारिक रूप से एक्सिम कार्गो संचालन का शुभारंभ करेंगे। इसे केरल की सबसे बड़ी आधारभूत संरचना परियोजनाओं में से एक विजिनजम बंदरगाह के विकास का एक अहम पड़ाव माना जा रहा है।

अब तक विजिनजम बंदरगाह केवल अंतरराष्ट्रीय ट्रांसशिपमेंट हब के रूप में कार्य कर रहा था, जहां बड़े मालवाहक जहाजों (मदर वेसल) से कंटेनरों को छोटे फीडर जहाजों में स्थानांतरित किया जाता था। 18 अगस्त से यह बंदरगाह भारतीय आयात और निर्यात से जुड़े कार्गो की भी आवाजाही संभालेगा। इससे केरल और आसपास के राज्यों के कारोबारियों को अंतरराष्ट्रीय शिपिंग सेवाओं तक सीधी पहुंच मिलेगी। कोच्चि के कस्टम (प्रिवेंटिव) आयुक्त ने एक्सिम कार्गो संचालन के लिए विस्तृत संचालन ढांचा जारी किया है। इसमें शिपिंग कंपनियों, निर्यातकों, आयातकों, कस्टम ब्रोकरों, टर्मिनल ऑपरेटरों और लॉजिस्टिक्स सेवा प्रदाताओं के लिए कस्टम नियमों और परिचालन प्रक्रियाओं का उल्लेख किया गया है।

चूंकि अभी कंटेनर फ्रेट स्टेशन (सीएफएस) पूरी तरह चालू नहीं हुआ है, इसलिए शुरुआत में चरणबद्ध तरीके से सेवाएं शुरू की जाएंगी। आयात के तहत फिलहाल केवल फुल कंटेनर लोड (एफसीएल) वाले कंटेनरों की डायरेक्ट पोर्ट डिलीवरी (डीपीडी) की अनुमति होगी। आयातकों को कंटेनर 48 घंटे के भीतर सीधे अपने परिसर तक ले जाना होगा। लेस दैन कंटेनर लोड (एलसीएल) कार्गो या ऐसे कंटेनर जिन्हें सीएफएस में खोलकर जांच की आवश्यकता होगी, उन्हें शुरुआती चरण में अनुमति नहीं मिलेगी। निर्यात के लिए केवल फैक्टरी में भरे गए और स्वयं या कस्टम द्वारा सील किए गए एफसीएल कंटेनर ही डायरेक्ट पोर्ट एंट्री (डीपीई) के तहत स्वीकार किए जाएंगे। पोर्ट परिसर में पैकिंग या जांच की आवश्यकता वाले ढीले माल को फिलहाल स्वीकार नहीं किया जाएगा। कस्टम विभाग ने विजिनजम और इनलैंड कंटेनर डिपो, विशेष आर्थिक क्षेत्र, लैंड कस्टम स्टेशन तथा अन्य अधिसूचित कस्टम केंद्रों के बीच सड़क मार्ग से कंटेनर परिवहन की भी अनुमति दी है।

प्रत्यक्ष आयात-निर्यात सेवाओं की शुरुआत विजिनजम बंदरगाह के लिए अब तक की सबसे महत्वपूर्ण व्यावसायिक उपलब्धियों में से एक मानी जा रही है। इससे बंदरगाह केवल ट्रांसशिपमेंट केंद्र ही नहीं, बल्कि एक व्यापक समुद्री लॉजिस्टिक्स हब के रूप में भी उभरेगा और वैश्विक शिपिंग नेटवर्क में केरल की भूमिका और मजबूत होगी।

संक्षिप्त खबरें

टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी की मुश्किलें और बढ़ी, इस मामले में नई एफआईआर दर्ज

विश्व केसरी

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस के सांसद अभिषेक बनर्जी की मुश्किलें और बढ़ गई हैं। शनिवार को पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले के बिष्णुपुर पुलिस स्टेशन में उनके और उनके फरार पर्सनल असिस्टेंट सुमित रॉय के खिलाफ एक नई एफआईआर दर्ज की गई। यह मामला अभिषेक बनर्जी के डायमंड हार्बर निर्वाचन क्षेत्र में ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली पिछली तृणमूल कांग्रेस सरकार के दौरान आयोजित 'सेबाश्रय' स्वास्थ्य शिविर से जुड़ा है। यह एफआईआर एक निजी टूरिस्ट रिसॉर्ट के मालिक की शिकायत पर दर्ज की गई थी। मालिक का आरोप है कि अभिषेक, रॉय और उनके कई सहयोगियों ने स्वास्थ्य शिविर आयोजित करने के लिए उनकी प्रॉपर्टी पर गैर-कानूनी तरीके से कब्जा कर लिया था। शिकायत के अनुसार, रिसॉर्ट पर लगभग 40 दिनों तक जबरदस्ती कब्जा बनाए रखा गया, जिससे वह टूरिस्ट डेस्टिनेशन के तौर पर काम नहीं कर पाया और भारी आर्थिक नुकसान हुआ। शिकायतकर्ता का आरोप है कि रिसॉर्ट मैनेजमेंट को स्वास्थ्य शिविर में शामिल डॉक्टरों और अन्य कर्मचारियों के रहने और खाने-पीने की व्यवस्था करने के लिए

दादरी पुलिस की कार्रवाई: फायरिंग और मारपीट के मामले में चार वांछित आरोपी गिरफ्तार

विश्व केसरी

ग्रेटर नोएडा। गौतमबुद्ध नगर की थाना दादरी पुलिस ने मारपीट, गाली-गलौज और जान से मारने की नीयत से फायरिंग करने के मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए चार वांछित आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे से घटना में प्रयुक्त एक अवैध .32 बोर पिस्टल और एक जिंदा कारतूस भी बरामद किया है। अवैध हथियार की बरामदगी के बाद पुलिस ने मामले में शस्त्र अधिनियम की धाराओं की भी बढ़ोतरी कर दी है। पुलिस के अनुसार, 24 जुलाई को एक पीड़ित द्वारा थाना दादरी में शिकायत दर्ज कराई गई थी। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि कुछ लोगों ने उसके साथ गाली-गलौज करते हुए मारपीट की और बाद में जान से मारने की नीयत से उस पर फायरिंग की। पीड़ित की तहरीर के आधार पर थाना दादरी में मुकदमा संख्या 351/2026 दर्ज किया गया। इस मामले में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं के तहत अभियोग पंजीकृत कर जांच शुरू की गई। घटना के बाद से पुलिस आरोपियों की तलाश में लगातार दबिश दे रही थी। इसी क्रम में 25 जुलाई को थाना दादरी पुलिस ने गोपनीय सूचना और सघन जांच के आधार पर कार्रवाई करते हुए आनंदपुर गांव जाने वाले रास्ते से चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

राजीव चौक, मंडी हाउस और सेंट्रल सेक्रेटेरिएट मेट्रो स्टेशनों के एंट्री गेट फिर खुले, डीएमआरसी ने बहाल की सेवाएं

विश्व केसरी

नई दिल्ली। दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (डीएमआरसी) ने शनिवार को घोषणा की कि राजीव चौक, मंडी हाउस और सेंट्रल सेक्रेटेरिएट मेट्रो स्टेशनों पर प्रवेश सेवाएं फिर से शुरू कर दी गई हैं। इन स्टेशनों के एंट्री गेट सुरक्षा कारणों से अस्थायी रूप से बंद किए गए थे।

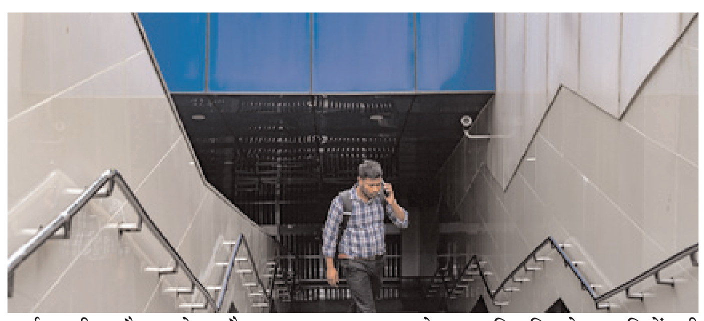

डीएमआरसी ने अपने ताजा अपडेट में कहा, 'राजीव चौक, मंडी हाउस और सेंट्रल सेक्रेटेरिएट मेट्रो स्टेशनों के एंट्री गेट अब खोल दिए गए हैं। इससे पहले शनिवार को डीएमआरसी ने केंद्रीय दिल्ली के 18 मेट्रो स्टेशनों पर अगले आदेश तक प्रवेश और निकास सेवाएं अस्थायी रूप से बंद करने की घोषणा की थी। यह फैसला जंतर-मंतर पर नीट पेपर लीक मामले को लेकर चल रहे छात्र प्रदर्शन और बढ़ाई गई सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर लिया गया था। डीएमआरसी की एडवाइजरी के अनुसार लोक कल्याण मार्ग, राजीव चौक, पटेल चौक, रामकृष्ण आश्रम मार्ग, बाराखंभा रोड, सुप्रीम कोर्ट, सेवा तीर्थ, जनपथ, मंडी हाउस, सेंट्रल सेक्रेटेरिएट, आईटीओ, दिल्ली गेट, इंद्रप्रस्थ, खान मार्केट, जोर बाग, शिवाजी स्टेडियम, झंडेवालान और नई दिल्ली मेट्रो स्टेशनों पर प्रवेश और निकास सेवाएं निलंबित कर दी गई थीं। हालांकि अब राजीव चौक, मंडी हाउस और सेंट्रल सेक्रेटेरिएट स्टेशनों के एंट्री गेट फिर से खोल दिए गए हैं। इस बीच, केंद्रीय शिक्षा मंत्री पद से इस्तीफा देने के बाद धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि पिछले 10 दिनों की घटनाओं से उन्हें गहरा दुख पहुंचा है और वह नहीं चाहते कि परीक्षा अनियमितताओं से पैदा हुई स्थिति का कोई राष्ट्रविरोधी तत्व फायदा उठाए। प्रधान ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपना इस्तीफा सौंपते हुए कहा कि युवाओं और शिक्षा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता हमेशा कायम रहेगी। उन्होंने कहा कि परीक्षा प्रणाली की विश्वसनीयता बनाए रखने और छात्रों के भविष्य की रक्षा के लिए उन्होंने जवाबदेही स्वीकार करते हुए यह फैसला लिया है।

तमिलनाडु में 264 हेरिटेज इमारतों के संरक्षण और व्यावसायिक उपयोग की तैयारी

विश्व केसरी

चेन्नई। तमिलनाडु का लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) राज्य भर की सैकड़ों हेरिटेज इमारतों को बहाल करने, उन्हें संरक्षित करने और उनका कमर्शियल इस्तेमाल करने की एक बड़ी योजना बना रहा है। इसका मकसद इन इमारतों की आर्किटेक्चरल विरासत को बचाना और साथ ही टिकाऊ तरीके से कमाई करके इनके लंबे समय तक रखरखाव को सुनिश्चित करना है।

अधिकारियों के अनुसार, तमिलनाडु में पब्लिक वर्क्स डिपार्टमेंट के कंट्रोल में 264 हेरिटेज इमारतें हैं। ये इमारतें चोल, नायक और दक्षिण भारत के दूसरे राज्यों के साथ-साथ मुगल और ब्रिटिश औपनिवेशिक काल के समय की हैं। इनमें से कई इमारतें आर्किटेक्चर के नजरिए से अहम हैं और राज्य के सांस्कृतिक और प्रशासनिक इतिहास के जरूरी हिस्सों को दिखाती हैं। चेन्नई में सबसे ज्यादा 58 हेरिटेज इमारतें हैं। इसके बाद कोयंबटूर में 20, तंजावुर में 17 और कन्याकुमारी, मदुरै और सलेम में 12-12 इमारतें हैं। पुदुक्कोट्टई में ऐसी 10 इमारतें हैं, जबकि तिरुप्पुर और तिरुवन्नामलाई में 9-9 इमारतें हैं।बाकी जिलों में डिपार्टमेंट की देखरेख में एक या दो हेरिटेज इमारतें हैं। इनमें से ज्यादातर इमारतों का इस्तेमाल अभी सरकारी डिपार्टमेंट जैसे कि स्वास्थ्य और परिवार कल्याण, न्यायपालिका, उच्च शिक्षा और राजस्व विभाग कर रहे हैं, हालांकि ठीक से रखरखाव न होने और संरक्षण पर ध्यान देने वाले मैनेजमेंट की कमी के कारण कई इमारतें खराब हालत में हैं। पब्लिक वर्क्स डिपार्टमेंट के एक सीनियर अधिकारी ने कहा कि इन ऐतिहासिक इमारतों का इस्तेमाल करने वाले कई सरकारी डिपार्टमेंट को इनके हेरिटेज महत्व के बारे में पता नहीं है।।

पीएमके फाउंडर रामदास ने सक्रिय राजनीति से संन्यास लिया, जिम्मेदारी अंबुमणि को सौंपी

विश्व केसरी

चेन्नई। पट्टाली मक्कल काची (पीएमके) के संस्थापक डॉ. एस. रामदास ने शनिवार को अपने 88वें जन्मदिन के अवसर पर सक्रिय राजनीति से संन्यास की घोषणा की। उन्होंने कहा कि वे अब राजनीतिक मामलों में शामिल नहीं होंगे और पार्टी का नेतृत्व अब उनके बेटे पीएमके अध्यक्ष डॉ. अंबुमणि रामदास करेंगे।

यह घोषणा रामदास के टिंडीवनम स्थित थाईयूर एस्टेट में आयोजित जन्मदिन समारोह के दौरान की गई, जहां अंबुमणि रामदास दिन में पहले अपने पिता से आशीर्वाद लेने के लिए उनसे मिलने आए थे। यह अवसर पिता और पुत्र की महीनों से चली आ रही तनावपूर्ण संबंधों के बाद एक दुर्लभ सार्वजनिक उपस्थिति थी, जिसने पार्टी के भीतर अनिश्चितता पैदा कर दी थी। पार्टी कार्यकर्ताओं और समर्थकों को संबोधित करते हुए रामदास ने 88 वर्ष की आयु में 'राजनीतिक त्याग' की घोषणा की। उन्होंने कहा कि आज से मैं राजनीति पर बात नहीं करूंगा। मैं राजनीतिक मामलों में हस्तक्षेप नहीं करूंगा। अब से राजनीति की जिम्मेदारी अंबुमणि संभालेंगे। मुझसे मिलने आने वाले हर व्यक्ति से मैं मिलता रहूंगा। हम एक-दूसरे का हालचाल पूछ सकते हैं, लेकिन मुझसे राजनीति की बात न करें। कृपया अब मुझे राजनीतिक मामलों से परेशान न करें।

उनके इस ऐलान का पार्टी कार्यकर्ताओं ने तालियों से स्वागत किया। यह घोषणा रामदास और अंबुमणि के बीच लंबे समय से चल रहे और चर्चित मतभेद के संदर्भ में महत्वपूर्ण है, जिसने हाल के महीनों में पीएमके को विभाजित कर दिया था।

कारगिल विजय दिवस : बेगमपुल नमो भारत स्टेशन पर वीर जवानों को श्रद्धांजलि, छात्रों ने चित्रों में उकेरी शौर्य गाथा

विश्व केसरी

मेरठ। 27वें कारगिल विजय दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र परिवहन निगम (एनसीआरटीसी) ने भारतीय सशस्त्र बलों के वीर जवानों के अदम्य साहस, शौर्य और सर्वोच्च बलिदान को नमन करते हुए बेगमपुल नमो भारत स्टेशन पर एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया। शनिवार को आयोजित इस कार्यक्रम में स्कूली छात्र-छात्राओं, एनसीआरटीसी के अधिकारियों और बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लेकर कारगिल के अमर वीरों को श्रद्धांजलि अर्पित की।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कारगिल युद्ध के योद्धा और 4 जाट रेजिमेंट के पूर्व अधिकारी कर्नल राजेश त्यागी (सेवानिवृत्त) रहे। सेना मेडल सहित कई प्रतिष्ठित सम्मानों से सम्मानित कर्नल त्यागी ने कारगिल युद्ध के अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि किस प्रकार भारतीय सैनिकों ने विषम परिस्थितियों, दुर्गम पहाड़ियों और कठिन मौसम के बीच अद्भुत साहस का परिचय देकर देश की सीमाओं की रक्षा की। उन्होंने युवाओं और विद्यार्थियों से राष्ट्रप्रेम, अनुशासन और सेवा की भावना अपनाने का आह्वान किया। साथ ही उन्होंने कहा कि शारीरिक और मानसिक रूप से मजबूत बनकर ही युवा अपने सपनों को साकार कर सकते हैं और देश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। कार्यक्रम के दौरान स्कूली बच्चों के लिए 'गार्डिंग द बॉर्डर्स' विषय पर चित्रकला प्रतियोगिता भी आयोजित की गई।

निर्बलों का एक मसीहा चला गया!

पार्थसारथि थपलियाल

नई दिल्ली। शिक्षाविद और सामाजिक कार्यकर्ता सत्य प्रकाश थपलियाल की लंबी बीमारी के बाद अपनी बैकुंठ धाम की यात्रा पर चले गए। 24 जुलाई 2026 को रात साढ़े दस बजे सफदरजंग हॉस्पिटल में उपचार के दौरान हृदयगति अवरोध के कारण उनका निधन हो गया। शनिवार, 25 जुलाई को सोशल मीडिया में उनके निधन का दुर्भाग्यपूर्ण समाचार पढ़ने में आया। उनके साथ बिताए पल एक फिल्मी रील की तरह चलती दिखाई दिए। वे काफी समय से अपनी संस्कारी बेटी चन्द्रिका जोशी और दामाद (भारत सरकार में वरिष्ठ वैज्ञानिक) आर.के.जोशी जी के पास दिल्ली में स्वास्थ्य लाभ के लिए ठहरे हुए थे। मैं दो बार उनके हाल जानने के लिए जोशी जी के आवास पर गया था। पिछले तीन माह से उनसे बात नहीं हो पा रही थी।

सत्य प्रकाश थपलियाल जी के बिना आज कोटद्वार मौन है। कोटद्वार के वर्तमान समाज में वे सर्वाधिक प्रतिष्ठित व्यक्तियों में प्रतिनिधि थे। वे उन लोगों के सहारा और उम्मीद थे, जिनका कोई नहीं था। उत्तराखंड साहित्यिक एवं सांस्कृतिक मंच के वे संस्थापक थे। इस मंच के माध्यम से साहित्यिक और सांस्कृतिक गतिविधियां तो आयोजित होती ही थी, इनके अलावा वे गरीब और अनाथ बच्चों के लिए आर्थिक सहायता भी देते थे। इस सहायता में वे अनेक आर्थिक सम्पन्न लोगों का सहयोग लेते थे। एक साल में सौ से अधिक बच्चों के आर्थिक संबल के लिए वे सहायता जुटाते थे। सत्य प्रकाश थपलियाल जी सन 2005 से 2019 तक श्री ज्वालपा देवी मंदिर समिति द्वारा संचालित ज्वालपा धाम संस्कृत विद्यालय के प्रबंधक रहे। एक बार जब मैने उनसे जानने की कोशिश की कि ज्वालपा धाम संस्कृत विद्यालय में बच्चों के लिए उन्होंने निशुल्क भोजन व्यवस्था कैसे शुरू की? बड़े आग्रह के बाद बताने को तैयार हुए। उन्होंने बताया कि एक बार वे सपत्नीक ज्वालपा धाम गए हुए थे। संभवतः ये बात सितंबर 2011 की थी। अध्यापक एक छोटे से बच्चे (विद्यार्थी) को डांट रहा था। तुमने भोजनालय का शुल्क जमा नहीं किया मैं तुम्हें विद्यालय से

निकाल दूंगा.... वापसी में थपलियाल जी की धर्मपत्नी कृष्णा जी (जो स्वयं अध्यापिका थी) ने उन्हे खरी खोटी सुना दी। कैसे प्रबंधक हो आप? एक गरीब बच्चे को डांटते हुए सुनते रहे!... कोटद्वार पहुंचते ही उन्होंने जौनपुर के एम.पी. थपलियाल को बुलाया और पूरा घटनाक्रम सुनाया। एम.पी. थपलियाल जी ने रुपए 20,000 का चेक सत्यप्रकाश जी को सौंपा। चेक बैंक खाते में जमा हुआ और उन्होंने कहा अब कोई विद्यार्थी भोजनालय शुल्क नहीं देगा। यह राशि 2 माह चल पायी। अब समस्या अगले महीने की थी। उन्होंने पचास हजार रूपए अपने बैंक से निकाले और समिति को दे दिए। इस बीच माता मंगला जी से कोटद्वार में उनका संपर्क हुआ अगले माह (संभवतः फरवरी 2012) ज्वालपा धाम में माता मंगला जी के हंस फाउंडेशन की ओर से बड़ा आयोजन किया गया जिसमें 3000 से अधिक कम्बल, स्वेटर आदि जरूरत मंदों को बांटे गए। सत्यप्रकाश जी ने श्री ज्वालपा देवी मंदिर समिति के भोजनालय की दास्तां कह दी। उसी दिन से ज्वालपा धाम संस्कृत विद्यालय के छात्रों की सुव्यवस्थित भोजन व्यवस्था शुरू हुई जो आज तक चल रही है। हंस फाउंडेशन के सहयोग से मंदिर तक छायापथ का निर्माण में भीसत्यप्रकाश जी की भूमिका रही। अपने उत्तराखंड साहित्यिक एवं सांस्कृतिक मंच के अंतर्गत उन्होंने अनेक सामाजिक कार्यकर्ताओं और प्रतिभावान अग्रणीय लोगों का सम्मान भी किया।

पौड़ी गढ़वाल में कल्जीखाल ब्लॉक के अंतर्गत चिलौली गांव में 1936 में सत्यप्रकाश थपलियाल जी का जन्म हुआ था। (सरकारी रिकॉर्ड में 3 मई 1940) उनके पिता 'विश्वदर्शन' पुस्तक के लेखक महात्मा रामरत्न थपलियाल थे। उनकी पत्नी का निधन पहले ही हो चुका है। उनके पुत्र विवेक थपलियाल और उनका सहायक रवि डबराल सदैव सेवा में रहे। सत्यप्रकाश जी ने उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड में अध्यापक के रूप में बहुत ख्याति अर्जित की थी। वे 1972 में राजकीय सेवा में शिक्षक के रूप में आए और 1998 में सेवा निवृत्त हुए। प्रिंसिपल पद से सेवानिवृत्ति के बाद वे पूर्ण रूप से जनसेवा में लग गए। सत्यप्रकाश जी स्वामी विवेकानंद, डॉ. राधाकृष्णन, विनोबा भावे, जयप्रकाश नारायण के जीवन से प्रभावित थे। इसलिए सेवा ही मानव धर्म है को उन्होंने अपना ध्येय बनाया।

सत्यप्रकाश थपलियाल जी पार्थिव शरीर परिजनों और उनके चाहनेवालों के अंतिम दर्शनों के लिए कोटद्वार ले जाया गया है। पार्थिव देह कोटद्वार में पहुंचते ही शोकमग्न कोटद्वार में सिसकते स्वर और आंखों से अश्रु धारा ही पूरे शहर के भाव व्यक्त कर रही थी। सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार 26 जुलाई को हरिद्वार में उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा। सच में उनके निधन से निर्बल लोगों की उम्मीदों का एक दरवाजा आज बंद हो गया।

ईश्वर दिवंगत आत्मा को वैकुण्ठ लोक में स्थान दें। ॐ शांति। शांति। शांति। नमन।।

बड़े गौर से सुन रहा था जमाना
तुम्ही सो गए दास्ताँ कहते कहते।।

पीडब्ल्यूडी ने बनाया नया प्लान, महाकालेश्वर मंदिर से गुढ़ियारी रोड की दोनों तरफ की दुकानें टूटेंगी

27 नहीं अब 54 प्रभावितों के बीच बंटेगा मुआवजा

विश्व केसरी

रायपुर। पहाड़ीचौक-गुढ़ियारी रोड को चौड़ी करके एक्सप्रेस-वे सड़क और स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर 7 की तरफ जोड़ने का काम लोक निर्माण विभाग कर रहा है। इस रोड के लिए पहले महाकालेश्वर मंदिर से गुढ़ियारी रोड के एक तरफ के सभी 27 मकानों और दुकानों को पूरी तरह से तोड़ने की सर्वे सूची तैयार की गई थी। जबकि रोड के दूसरी तरफ नहीं तोड़ा जा रहा था। इसे लेकर लोगों में नाराजगी थी। इसे देखते हुए अब प्लान बदल दिया गया है। पीडब्ल्यूडी के इंजीनियरों के अनुसार अब दोनों तरफ तोड़ने का निर्णय लिया गया है। अभी यह रोड 10-15 फीट चौड़ी है। इसके सेंटर पाइंट के दोनों तरफ 33-33 फीट का दायरा टूटेगा। यही रोड गुढ़ियारी बाजार के बाजू से होकर स्टेशन के प्लेटफार्म तरफ जुड़ेगी।

पश्चिम विधायक राजेश मूणत की पहल पर लोक निर्माण विभाग ने निर्माण समेत 84 करोड़ की स्वीकृति दी है। इसी राशि से महाकालेश्वर मंदिर से गुढ़ियारी बाजार तरफ जाने वाली सड़क के दोनों तरफ के 54 प्रभावितों के बीच मुआवजा बंटेगा। अभी रेलवे स्टेशन में री-डेवलपमेंट का काम चल रहा है। आने वाले समय में ट्रांसपोर्ट सिस्टम कई गुना स्टेशन तक बढ़ जाएगा। इसे देखते हुए पहाड़ी चौक की रोड को चौड़ी करने का प्लान बनाया गया है। इससे 12 से 14 वार्ड के लोगों को काफी सुविधा होगी। डिवीजन, एसडीओ, पीडब्ल्यूडी टीआर साहू ने कहा कि चौड़ीकरण के लिए महाकालेश्वर मंदिर से अब दोनों तरफ 33-33 फीट तोड़ने का निर्णय लिया गया है। इसकी सर्वे सूची बन गई है। दस्तावेजों की जांच के बाद मुआवजा दिया जाएगा।

शहीद किसी एक परिवार या समाज के नहीं, पूरे राष्ट्र की अमूल्य धरोहर होते हैं : सांसद बृजमोहन अग्रवाल

कारगिल के वीर शहीद कौशल यादव की प्रतिमा का लोकार्पण, रायपुर में 'शहीद गैलरी' बनाने का दिया प्रस्ताव

विश्व केसरी

रायपुर। कारगिल युद्ध में अदम्य साहस और सर्वोच्च बलिदान का परिचय देने वाले छत्तीसगढ़ के वीर शहीद कौशल यादव के शहीद दिवस पर शनिवार को राजधानी रायपुर के आकाशवाणी तिराहे पर उनकी प्रतिमा का लोकार्पण किया गया। इस अवसर पर रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने शहीद कौशल यादव को श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए कहा कि उन्होंने केवल यादव समाज या छत्तीसगढ़ का ही नहीं, बल्कि पूरे भारत का गौरव बढ़ाया है। उनका बलिदान सदैव देशवासियों को राष्ट्रसेवा के लिए प्रेरित करता रहेगा।

सांसद अग्रवाल ने कहा कि वर्ष 1999 के कारगिल युद्ध में शहीद कौशल यादव ने मातृभूमि की रक्षा के लिए अपने प्राणों का सर्वोच्च बलिदान दिया। ऐसे वीर सपूतों को देश कभी भूल नहीं सकता। उन्होंने शहीद के माता-पिता और परिवारजनों को नमन करते हुए कहा कि ऐसे वीर पुत्र को जन्म देने वाला परिवार पूरे राष्ट्र के सम्मान का अधिकारी है।

उन्होंने कहा कि शहीद किसी एक परिवार, समाज या जाति के नहीं होते, बल्कि पूरे देश के होते हैं। उनका सम्मान करना और उनके बलिदान को आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाना हम सभी का दायित्व है।

सांसद अग्रवाल ने रायपुर में सभी वीर सैनिकों और शहीदों की स्मृतियों को एक स्थान पर संरक्षित करने की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि शहर में एक 'शहीद गैलरी' का निर्माण किया जाना चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया कि काली मंदिर के समीप पीडब्ल्यूडी और सिंचाई विभाग की दीवार के पास उपलब्ध स्थान पर सभी वीर शहीदों की प्रतिमाएं स्थापित कर एक प्रेरणादायी शहीद गैलरी विकसित की जाए।

उन्होंने कहा कि वर्तमान में अनेक शहीदों की प्रतिमाएं अलग-अलग स्थानों पर स्थापित हैं, लेकिन यदि उन्हें एक स्थान पर सम्मानपूर्वक संजोया जाए तो यह रायपुर और छत्तीसगढ़ के बच्चों एवं युवाओं के लिए राष्ट्रभक्ति की एक जीवंत पाठशाला बन सकती है। यहां आने वाला हर व्यक्ति देश के वीरों के त्याग और पराक्रम से प्रेरणा प्राप्त करेगा।

सांसद अग्रवाल ने कार्यक्रम में उपस्थित पूर्व सैनिकों का विशेष सम्मान करते हुए कहा कि आज यदि देश का प्रत्येक नागरिक सुरक्षित और शांतिपूर्ण जीवन जी पा रहा है तो उसके पीछे भारतीय सेना के जवानों का त्याग, समर्पण और अदम्य साहस है। उन्होंने युवाओं से अधिक से अधिक संख्या में भारतीय सेना में शामिल होकर राष्ट्रसेवा का संकल्प लेने का आह्वान किया।

संक्षिप्त खबरें

500 विद्यालयों में पोषण, पर्यावरण और सहभागिता का संगम, बैगलेस डे पर सूरजपुर की अनूठी पहल

विश्व केसरी

रायपुर। छत्तीसगढ़ में विद्यालयों को शिक्षा के साथ पोषण, पर्यावरण संरक्षण और सामुदायिक सहभागिता का केंद्र बनाने की दिशा में सूरजपुर जिले ने बैगलेस डे पर उल्लेखनीय पहल की। जिले के लगभग 500 प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालयों में एक साथ पोषण वाटिका निर्माण, न्योता भोजन, अतिरिक्त पूरक पोषण आहार वितरण तथा एक पेड़ माँ के नाम अभियान का आयोजन किया गया। इस अभिनव पहल में विद्यार्थियों, शिक्षकों, अभिभावकों, पंचायत प्रतिनिधियों और ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक भागीदारी निभाई। सूरजपुर कलेक्टर श्रीमती रेना जमील के मार्गदर्शन में संचालित इस अभियान के तहत विद्यालय परिसरों में सेमी, लौकी, बरबट्टी, खीरा, तरोई सहित विभिन्न मौसमी सब्जियों का रोपण किया गया। इन पोषण वाटिकाओं में तैयार होने वाली ताजी सब्जियों का उपयोग प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण योजना के अंतर्गत मध्याह्न भोजन में किया जाएगा। 500 विद्यालयों में पोषण, पर्यावरण और सहभागिता का संगम, बैगलेस डे पर सूरजपुर की अनूठी पहल इससे बच्चों को पौष्टिक भोजन मिलने के साथ प्राकृतिक खेती, जैविक कृषि और पोषण के प्रति व्यवहारिक समझ भी विकसित होगी। बैगलेस डे के अवसर पर अनेक विद्यालयों में न्योता भोजन का आयोजन भी किया गया, जिसमें स्थानीय नागरिकों ने बच्चों के लिए फल, मिठाई एवं पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराया।

5 अगस्त तक न्यायिक हिरासत में रहेंगे कांग्रेस के पूर्व कोषाध्यक्ष रामगोपाल

विश्व केसरी

रायपुर। छत्तीसगढ़ के चर्चित शराब घोटाला मामले में आरोपी और कांग्रेस के कोषाध्यक्ष नेता रामगोपाल अग्रवाल की न्यायिक रिमांड बढ़ा दी गई है। शनिवार को कोर्ट ने उन्हें 5 अगस्त तक न्यायिक हिरासत (जेल) में भेजने का आदेश दिया है। कोर्ट से जेल जाने से पहले पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल समेत कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेता कोर्ट पहुंचे और उनसे मुलाकात की, इस पर सबकी नजर रही। बता दें कि रामगोपाल अग्रवाल प्रदेश कांग्रेस के पूर्व कोषाध्यक्ष रहे हैं। करीब तीन साल तक फरार रहे। 8 जुलाई को उन्होंने ईओडब्ल्यू कार्यालय पहुंचकर सरेंडर किया था, जिसके बाद ईओडब्ल्यू ने उन्हें औपचारिक रूप से गिरफ्तार किया और मेडिकल परीक्षण कर उन्हें अदालत में पेश किया गया, जहां से 9 जुलाई को 17 जुलाई तक की पुलिस रिमांड मंजूर की गई थी। रिमांड अवधि पूरी होने पर उन्हें दोबारा अदालत में पेश किया गया और अब 5 अगस्त तक ईओडब्ल्यू की कस्टडी में भेज दिया गया है।

52 केंद्रों में होगा कल प्रयोगशाला परिचारक भर्ती परीक्षा

विश्व केसरी

रायपुर। छत्तीसगढ़ कर्मचारी चयन मंडल (सीजी व्यापम) द्वारा आयोजित प्रयोगशाला परिचारक भर्ती परीक्षा (PSLA-26) रविवार, 26 जुलाई को रायपुर जिले के 52 परीक्षा केंद्रों पर आयोजित की जाएगी। परीक्षा सुबह 10 बजे से दोपहर 12:15 बजे तक होगी। परीक्षा को शांतिपूर्ण और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन ने सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं।

कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह के निर्देश पर कलेक्ट्रेट स्थित रेडक्रॉस सोसायटी सभाकक्ष में अपर कलेक्टर नवीन ठाकुर ने अधिकारियों और केंद्र प्रभारियों की ब्रीफिंग ली। परीक्षा संचालन के लिए, डिप्टी कलेक्टर उत्तम प्रसाद रजक को नोडल अधिकारी तथा विशेष रोजगार कार्यालय के रोजगार अधिकारी केदारनाथ पटेल को सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है।

इस भर्ती परीक्षा में जिलेभर से 16,987 अभ्यर्थी शामिल होंगे। परीक्षा की गोपनीय सामग्री का वितरण रविवार सुबह 6 बजे जिला कोषालय, कलेक्टर परिसर से किया जाएगा। इसके बाद सामग्री निर्धारित सुरक्षा व्यवस्था के साथ सभी परीक्षा केंद्रों तक पहुंचाई जाएगी। अपर कलेक्टर ने सभी केंद्रों पर पेयजल, बिजली, बैठने की व्यवस्था समेत आवश्यक मूलभूत सुविधाएं पहले से सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही आयोग द्वारा जारी सभी दिशा-निर्देशों का कड़ाई से पालन करने पर जोर दिया गया है।

इंदिरा गांधी कृषि विवि में गाय आधारित जैविक खेती और 'प्रेम की खेती' पर कार्यशाला

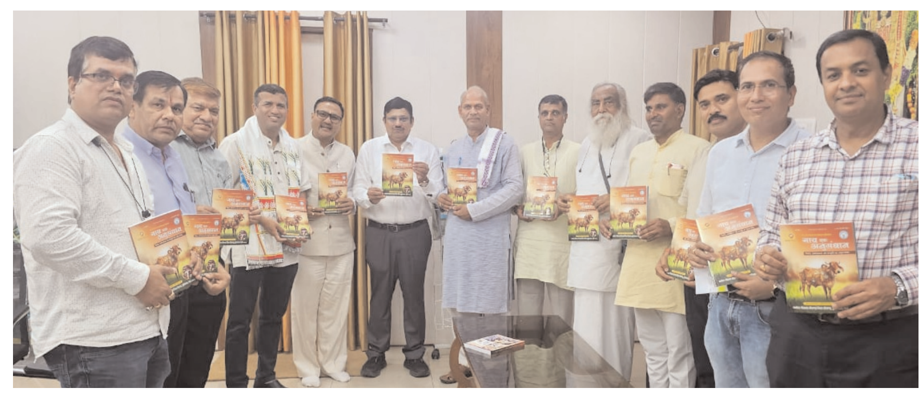

विश्व केसरी

रायपुर। राज्य कृषक कल्याण परिषद एवं इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में कृषि महाविद्यालय के विवेकानंद सभागारमें एक दिवसीय प्रशिक्षण एवं परिचर्चा का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य विषय 'गौ-आधारित जैविक कृषि प्रशिक्षण एवं प्रेम की खेती' था। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ राज्य कृषक कल्याण परिषद के अध्यक्ष (राज्य मंत्री दर्जा) सुरेश कुमार चंद्रवंशी और मुख्य वक्ता कृषि वैज्ञानिक एवं जीव-जंतु कल्याण बोर्ड (भारत सरकार) के सदस्य अजीत केलकर थे।

'गाय एक अनुसंधान' पुस्तक की प्रति की भेंट

कार्यक्रम के दौरान मनोहर गौशाला के ट्रस्टी डॉ. अखिल जैन ने अतिथियों, इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों और प्रशासनिक अधिकारियों को 'गाय एक अनुसंधान' पुस्तक भेंट की। इस अवसर पर अनुसंधान निदेशक डॉ. विवेक त्रिपाठी, सह-अनुसंधान निदेशक डॉ. धनंजय शर्मा, जैविक कृषि विशेषज्ञ डॉ. सुनील अग्रवाल, कृषि वैज्ञानिक मनमथ शर्मा सहित विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक और कृषक प्रतिनिधि मौजूद रहे।

जैविक और सतत कृषि पर बल

मुख्य वक्ता अजीत केलकर ने गौ-आधारित प्राकृतिक खेती, जीवामृत, घनजीवामृत, बीजामृत, वर्मी कंपोस्ट, पंचगव्य, गौमूत्र अर्क, गोपालन और जैव विविधता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि 'स्वयं का बीज, स्वयं की खाद, स्वयं की दवाई, स्वयं का अनाज और स्वयं का बाजार' का संकल्प ही भारतीय कृषि और किसानों को आत्मनिर्भर बना सकता है। कृषक कल्याण परिषद के अध्यक्ष सुरेश कुमार चंद्रवंशी ने कहा कि जैविक और सतत कृषि पद्धतियों से भूमि की उर्वरता बढ़ती है और लागत में कमी आती है। कार्यक्रम के अंत में खैरागढ़ क्षेत्र में गौ-आधारित कृषि एवं अनुसंधान के कार्यों की सराहना करते हुए इसे प्रदेशभर में प्रोत्साहित करने की बात कही गई।

रेल सुरक्षा में बड़ी सफलता : एसईसीआर में 'कवच' का एसआईएल-4 ट्रायल सफल

विश्व केसरी

रायपुर। भारतीय रेलवे की स्वदेशी अत्याधुनिक ट्रेन सुरक्षा प्रणाली 'कवच' ने दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे (एसईसीआर) में एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की है। नागपुर रेल मंडल के कलमना-सालवा (25 किलोमीटर) रेलखंड पर एसआईएल-4 स्तर का ट्रायल सफलतापूर्वक पूरा किया गया। इस दौरान ऑटोमैटिक ब्रेकिंग, गति नियंत्रण, सिग्नल पहचान और आपातकालीन एसओएस जैसी सभी सुरक्षा सुविधाओं का सफल परीक्षण किया गया।

रेलवे अधिकारियों के अनुसार, यह ट्रायल 23 जुलाई को दोपहर 3 बजे से शाम 5:30 बजे तक ब्रेकिंग मोड ऑन में किया गया। परीक्षण के दौरान कवच प्रणाली ने सभी सुरक्षा मानकों पर संतोषजनक प्रदर्शन किया।

लाल सिग्नल पर खुद लगेंगे ब्रेक-

कवच प्रणाली की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि यदि लोको पायलट किसी कारणवश लाल सिग्नल पर समय रहते ब्रेक नहीं लगा पाता, तो सिस्टम स्वतः सिग्नल की पहचान कर ट्रेन में ऑटोमैटिक ब्रेकिंग सक्रिय कर देता है। इससे एसपीएडी जैसी गंभीर दुर्घटनाओं की संभावना लगभग समाप्त हो जाती है। ट्रायल के दौरान ऑटोमैटिक स्पीड कंट्रोल फीचर का भी सफल परीक्षण किया गया। यदि ट्रेन निर्धारित गति सीमा से अधिक चलती है और लोको पायलट समय पर गति नियंत्रित नहीं कर पाता, तो कवच प्रणाली स्वतः हस्तक्षेप कर ट्रेन की रफ्तार को सुरक्षित सीमा में ले आती है।

सीजीपीएससी भर्ती घोटाले में अब ईडी की एंट्री, पूर्व चेयरमैन टामन सिंह गिरफ्तार

विश्व केसरी

रायपुर। छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित सीजीपीएससी भर्ती घोटाले में अब प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की एंट्री हो गई है। सीबीआई जांच के बाद अब ईडी ने मामले में कथित मनी लॉन्ड्रिंग के पहलू की जांच शुरू करते हुए सीजीपीएससी के पूर्व चेयरमैन और सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी टामन सिंह सोनवानी को गिरफ्तार कर लिया है।

गिरफ्तारी से पहले ईडीने रायपुर की विशेष अदालत से अनुमति प्राप्त की। अब एजेंसी सोनवानी को कस्टोडियल रिमांड में लेकर पूछताछ करेगी। माना जा रहा है कि इस दौरान भर्ती प्रक्रिया में कथित पैसों के लेन-देन, अवैध कमाई और उससे जुड़े वित्तीय नेटवर्क से जुड़े अहम खुलासे हो सकते हैं।

गौरतलब है कि करीब दो वर्ष पहले सीबीआई ने भी टामन सिंह सोनवानी को इसी मामले में गिरफ्तार किया था। उनके साथ बजरंग पावर एंड इस्पात लिमिटेड के निदेशक श्रवण कुमार गोयल को भी गिरफ्तार किया गया था। सीबीआई का आरोप है कि सीजीपीएससी की भर्ती प्रक्रिया में बड़े पैमाने पर अनियमितताएं हुईं और प्रभावशाली लोगों के रिश्तेदारों को डिप्टी कलेक्टर, डीएसपी सहित अन्य महत्वपूर्ण पदों पर चयनित कराने के लिए अवैध लेन-देन किया गया। सीबीआई जांच के अनुसार, सोनवानी के कार्यकाल में हुई भर्तियों में व्यापक गड़बड़ियां सामने आईं। जांच एजेंसी का दावा है कि उनके कई करीबी रिश्तेदारों के अलावा कांग्रेस नेताओं और अधिकारियों के 18 रिश्तेदारों को कथित तौर पर लाभ पहुंचाया गया। जांच के दौरान कथित वित्तीय लेन-देन से जुड़े महत्वपूर्ण साक्ष्य भी मिलने का दावा किया गया है। अब ईडी की जांच के बाद इस हाई-प्रोफाइल भर्ती घोटाले में मनी ट्रेल और आर्थिक अपराध से जुड़े नए पहलुओं के सामने आने की संभावना बढ़ गई है।

जल संरक्षण से बदली किसानों की तस्वीर, राजपुर का सामुदायिक चेक डेम बना ग्रामीण समृद्धि का मॉडल

विश्व केसरी

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा जल संरक्षण को जनभागीदारी से जोड़ते हुए किए जा रहे प्रयास ग्रामीण क्षेत्रों में सकारात्मक बदलाव ला रहे हैं। विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण) के अंतर्गत दुर्ग जिले के धमधा विकासखंड की ग्राम पंचायत राजपुर में निर्मित सामुदायिक चेक डेम आज जल संरक्षण, रोजगार सृजन और कृषि समृद्धि का उत्कृष्ट उदाहरण बन गया है। इस परियोजना ने न केवल वर्षा जल को संरक्षित किया है, बल्कि किसानों को वर्षभर सिंचाई की सुविधा उपलब्ध कराकर उनकी आय बढ़ाने का मार्ग भी प्रशस्त किया है।

ग्राम पंचायत राजपुर में भागवत के खेत के समीप निर्मित इस सामुदायिक चेक डेम के निर्माण के लिए 16.02 लाख रुपए की प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की गई थी। परियोजना के पूर्ण होने तक कुल 15.69 लाख रुपए व्यय किए गए, जिसमें 2.79 लाख रुपए मजदूरी एवं 12.55 लाख रुपए सामग्री पर खर्च किए गए। इस कार्य से कुल 1671 मानवदिवस का रोजगार सृजित हुआ, जिससे स्थानीय श्रमिकों को गांव में ही रोजगार मिला, पलायन में कमी आई और अनेक परिवारों की आर्थिक स्थिति मजबूत हुई।

10 हजार घनमीटर से अधिक जल संरक्षण क्षमता

12 मीटर स्पैन वाले इस चेक डेम की 10,080 घनमीटर जल संरक्षण क्षमता पूरे क्षेत्र की जल व्यवस्था को नई मजबूती प्रदान कर रहा है। पहले जहां वर्षा का अधिकांश पानी बहकर नालों में चला जाता था, वहीं अब वही पानी संरक्षित होकर धीरे-धीरे भू-जल भंडार को समृद्ध कर रहा है। इसका परिणाम यह हुआ कि आसपास के कुएं, हैंडपंप और बोरवेल का जलस्तर उल्लेखनीय रूप से बढ़ा है तथा गर्मियों में भी पानी की उपलब्धता पहले की तुलना में बेहतर बनी रहती है।

खेती हुई आत्मनिर्भर, किसानों की बढ़ी आय

इस परियोजना का लाभ भगवाता सुखराम, बुसाहु राम सिंह, चितरेखा पुनित, ईश्वरी मधुर सिंह तथा केवल पचरू सहित अनेक किसानों को मिल रहा है। पहले जहां खेती पूरी तरह वर्षा पर निर्भर थी, वहीं अब किसान खरीफ के साथ-साथ रबी और सब्जी फसलों की भी सफलतापूर्वक खेती कर रहे हैं।

पर्याप्त सिंचाई सुविधा मिलने से उत्पादन में वृद्धि हुई है, खेती की लागत कम हुई है और किसानों की आय में निरंतर बढ़ोतरी हो रही है।

15 करोड़ हस्ताक्षरों के साथ गो सम्मान यात्रा 27 को राष्ट्रपति तक पहुंचेगी गोहत्या पर कानून की मांग

विश्व केसरी

रायपुर। गो सम्मान आह्वान अभियान के दूसरे चरण के तहत 27 जुलाई को देशभर के सभी जिलों में एक साथ प्रार्थना यात्राएं निकाली जाएंगी। इस दौरान 15 करोड़ से अधिक नागरिकों के हस्ताक्षरों वाले ज्ञापन जिलाधीशों के माध्यम से राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, संबंधित राज्यों के राज्यपाल एवं मुख्यमंत्रियों को सौंपे जाएंगे।

शनिवार को रायपुर प्रेस क्लब में आयोजित प्रेसवार्ता में राज्य प्रभारी भारत दास महाराज, नरेंद्र गुप्ता, आदेश सोनी और प्रेस प्रभारी प्रवीण शर्मा ने इस संबंध में जानकारी दी। अभियान के पदाधिकारियों ने बताया कि पिछले छह माह से संत-महात्माओं, गोसेवकों और विभिन्न सामाजिक संगठनों के सहयोग से राष्ट्रव्यापी जनजागरण एवं हस्ताक्षर अभियान चलाया गया। ज्ञापन में गोहत्या निषेध के लिए केंद्रीय कानून, गोमाता को राष्ट्रमाता का सम्मान, केंद्रीय गो मंत्रालय की स्थापना, गोचर भूमि को अतिक्रमणमुक्त कराने, राष्ट्रीय गो-चारा नीति लागू करने तथा कृषि, पर्यावरण, चिकित्सा और शिक्षा से जुड़े 30 से अधिक विषयों को राष्ट्रीय नीति में शामिल करने की मांग की गई है। अभियान के राज्य प्रभारी भारत दास महाराज ने बताया कि रायपुर में कार्यक्रम का शुभारंभ 27 जुलाई को सुबह 7:30 बजे पुरानी बस्ती स्थित महामाया मंदिर में गोमाता पूजन, शंखनाद और सामूहिक 'श्री राम जय राम जय जय राम' विजय मंत्र जाप के साथ होगा।

कहानी

भैया..

महेन्द्र तिवारी

अस्पताल के एक कोने में वह खड़ी थी सबसे अलग, सबसे चुप। उसकी आँखों से आँसू बह रहे थे, पर वह रो नहीं रही थी। शायद इतना बड़ा सदमा बच्चों के रोने की हद से परे होता है। वह बस देख रही थी अपने भैया को, जो आखिरी बार उसके सामने उस पतली सी बैड पर पड़े थे, मानो कोई थका हुआ यात्री विश्राम कर रहा हो।

उसके भीतर बार-बार अतीत की झलकियाँ याद आ रही थीं। वही भैया, जो हर रोज़ सुबह उसे उसकी पुरानी साइकिल पर बैठाकर स्कूल ले जाता था। उसकी पीठ से चिपककर वह बचपन की सुरक्षा को महसूस करती थी। वही भैया, जिसने उसे साइकिल चलाना सिखाया था। याद आया वो दिन जब वह गिर गई थी और घुटने से खून बह रहा था। तब भैया ने उसे गोद में उठाया और कहा था, 'रो मत, छोटी। गिरना कोई बड़ी बात नहीं, बस उठना आना चाहिए। फिर कोशिश कर।' उसके वो शब्द आज उसके कानों में गूंज रहे थे, पर आज वह खुद उठ नहीं पा रहा था।

वही भैया, जो हर महीने अपनी जेबखर्च से उसके लिए चॉकलेट लाता था और उसे बिस्तर के नीचे छुपा देता था, ताकि माँ को पता न चले। वही भैया, जो बचपन में उसके दोस्तों से लड़ पड़ता था अगर कोई उसे चिढ़ाता था। वह उसका हीरो था, उसका दोस्त, उसका रक्षक। पर आज वही हीरो बेजान पड़ा था उसके सामने और वह कुछ नहीं कर सकती थी। कोई चॉकलेट नहीं, कोई दवाई नहीं, कोई जादू नहीं जो उसे वापस ला सके। यह असहायता उसे अंदर से जला रही थी।

धीरे-धीरे, काँपते हुए कदमों से वह आगे बढ़ी। उसने अपना हाथ बढ़ाया और भैया के पैर छुए। वही पैर जो कभी उसके पीछे-पीछे दौड़ा करते थे, जो उसे दौड़ना सिखाते थे। पर आज वे पैर बिल्कुल ठंडे थे। बिल्कुल बेजान। उस ठंडक ने उसके हाथों से रिस कर दिल तक पहुँच कर उसे थर्रा दिया था।

उसने अपना मुँह अपनी छोटी सी हथेलियों से ढक लिया। वह चाहकर भी जोर-जोर से नहीं रो पा रही थी। गला रुँध गया था। आवाज़ नहीं निकल रही थी, मानो कोई उसके गले को पकड़े हुए था। बस एक शब्द उसके दिल में तालियों की तरह बज रहा था, 'भैया... भैया... भैया...' हर धड़कन इसी नाम को पुकार रही थी।

तभी एंबुलेंस की सायरन बजी और वार्ड बॉय बैड को धकेलने लगे। अचानक, उस लड़की में जैसे तूफान आ गया। वह दौड़ी। वह माँ की तरह सहज नहीं रो रही थी, न ही पिता की तरह खामोश खड़ी थी। वह बहन थी, और उसका दर्द बिल्कुल अलग था अधूरापन, टूटा हुआ साया। वह चीखी नहीं, दीवारें नहीं पीटी, बस एक सवाल पूछा, जिसमें उसकी पूरी दुनिया समा गई थी, 'भैया, तू जा रहा है तो बता, कल से मैं किसको कहूँगी भैया?'

एंबुलेंस के दरवाजे बंद हो गए और वह गाड़ी धुएँ के साथ निकल गई। वह वहीं सड़क के किनारे खड़ी रह गई। उसे लगा जैसे उसका बचपन भी उस एंबुलेंस के पीछे भाग रहा है। जैसे वह सारी यादें, वह सारी खुशियाँ, वह सारे पल सब धुंधले हो रहे हैं। धूप थी, पर उसे ठंड लग रही थी। लोग आ रहे थे, सांत्वना दे रहे थे, पर कोई शब्द उसके कानों तक नहीं पहुँच रहा था।

वह अभी हैं नहीं, पर उनकी आवाज़ उसके कंधे पर है। उनकी असीमित प्यार की छाया अभी भी है। और यह जीवन, जो उन्होंने छोड़ा है, उसे जीना उनकी बहन के लिए एक सबक है एक ऐसा सबक जिसे वह अकेले सीखेगी, पर भैया की याद उसके साथ सदा रहेगी।

उस रात जब वह घर लौटी, तो घर उसे एक अजनबी जैसा लगा। दीवारों पर लगी तस्वीरें उसे घूर रही थीं। उसने अपने कमरे में जाकर देखा। वहाँ एक साइकिल खड़ी थी। भैया वाली। वह साइकिल जिस पर वह कभी पीछे बैठती थी और भैया तेज़ी से पैडल मारता था, और वह खुशी से चीखती थी। आज वह साइकिल भी रो रही थी। उसने उसे छुआ। हैंडल पर अभी भी भैया के हाथों की पकड़ महसूस हो रही थी। वह ज़मीन पर बैठ गई, साइकिल के पहिए को थामे हुए।

फिर वह रोई। चुपके-चुपके नहीं, बल्कि ज़ोर-ज़ोर से। इतना रोई कि उसकी आँखों ने उस रात सारे तेरह साल का दर्द बाहर निकाल दिया। वह उस साइकिल से लिपटी थी, मानो वह भैया को ही पकड़े हुए हो। उसे याद आया कि कैसे भैया उसके लिए हर मुश्किल आसान कर देता था। अब ज़िन्दगी की सबसे बड़ी मुश्किल उसके जाने का दर्द को कौन आसान करेगा?

आज घर सूना है। पिता जी बरामदे में बैठे हैं, उनकी आँखों में बेबसी है। वे शब्द नहीं बोल रहे, बस ज़मीन को ताक रहे हैं। माँ कमरे में हैं, उनके आँसू थम नहीं रहे। और बहन? वह खामोश है। उसका सन्नाटा इतना गहरा है कि उसमें दर्द की चीखें सुनाई दे रही हैं। तीन दिल और एक ही दर्द। तीन रिश्ते पिता का साथ, माँ का स्नेह, बहन का सहारा एक ही चीख के साथ टूट गए।

चाँदनी रात भी अँधेरी लगती है, जब घर का दीया बुझ जाए। भैया, हरीश, उस घर का वो दीया था जो बिना तेल के भी रोशन करता था। वो शख़्स जो दूसरों के लिए जीता था, जो अपनी खुशियाँ भी दूसरों में ढूँढता था,आज उनकी कहानी अधूरी रह गई।

भैया जहाँ भी होगा, वहाँ से वह भी देख रहा होगा। देख रहा होगा अपने पापा को जो अभी भी उसे दरवाज़े पर आते देखना चाहते हैं, अपनी माँ को जो उसकी प्यारी रसोई का इंतज़ार करती हैं, और अपनी बहन को जो उसकी साइकिल को थामे रो रही है। वह आसमान से शायद यही कह रहा हो, 'रो मत... मैं आज़ाद हूँ। मैं अब उस पार हूँ, जहाँ न दर्द है, न रोना है। मैं तुम्हारे दिल में हमेशा रहूँगा, हर याद में, हर मुस्कान में।'

जो लोग दूसरों के लिए जीते हैं, उनकी मौत कभी नहीं होती। वे बस नज़रों से ओझल हो जाते हैं, दिलों से नहीं। वह साइकिल, वो चॉकलेट की रैपर, वो पुरानी तस्वीरें सब उसे याद दिलाते रहेंगे कि एक भैया हुआ करता था, जो दुनिया का सबसे अच्छा भैया था। और वह लड़की, जिसने साइकिल संभाली है, वह एक दिन उसे चलाना सीखेगी। गिरेगी, सहारे ढूँढेगी, पर उठेगी ज़रूर। क्योंकि भैया ने कहा था, 'गिरना कोई बड़ी बात नहीं, बस उठना आना चाहिए।'

वह अभी हैं नहीं, पर उनकी आवाज़ उसके कंधे पर है। उनकी असीमित प्यार की छाया अभी भी है। और यह जीवन, जो उन्होंने छोड़ा है, उसे जीना उनकी बहन के लिए एक सबक है एक ऐसा सबक जिसे वह अकेले सीखेगी, पर भैया की याद उसके साथ सदा रहेगी।

पता: स्थापना अनुभाग, राष्ट्रीय अभिलेखागार, जनपथ, नई दिल्ली- 110001मो. 9989703240
ईमेल: mahendratone@gmail.com

ग़ज़ल

अशोक शर्मा

फिर न आने की बात करते हो,
क्यूँ रुलाने की बात करते हो।

तुम परखते रहे वफ़ा मेरी,
आज़माने की बात करते हो।

हम मुसाफ़िर कहाँ ठिकाना है,
आशियाने की बात करते हो।

देख के भी हमें नहीं देखा,
दिल दुखाने की बात करते हो।

आप ख़ुद भी नहीं हुए ख़ुद के,
क्यूँ निभाने की बात करते हो।

प्यार, वादे, वफ़ा, कसम, नाते,
किस ज़माने की बात करते हो।

दिल मचलता है जाँ निकलती है,
आप जाने की बात करते हो।

कॉलेज रोड, महासमुंद, छत्तीसगढ़

लघुकथा

दिखावा

बबिता कुमावत

सुबह पार्क में हमेशा की तरह चहल-पहल थी। कुछ लोग टहल रहे थे, कुछ योग कर रहे थे और बच्चे खेल में मग्न थे। तभी अचानक एक बुजुर्ग व्यक्ति लड़खड़ाए और गिर पड़े। उनके हाथ से दवाइयों का थैला दूर जा गिरा। लोग उनके आसपास इकट्ठा होने लगे. कुछ लोगों ने मोबाइल निकाल लिए।

'जल्दी वीडियो बनाओ, शायद हार्ट अटैक है!' एक युवक बोला।

एक लड़की ने तुरंत कैमरा ऑन किया और गंभीर चेहरा बनाकर बोली, 'दोस्तो! देखिए, आजकल इंसानियत कितनी कम होती जा रही है। हमें दूसरों की मदद करनी चाहिए।'

कुछ लोग सहानुभूति दिखाते हुए सिर हिला रहे थे, कुछ तस्वीरें ले रहे थे। तभी पार्क में सफ़ाई करने वाला रामू दौड़ता हुआ आया। उसने बिना कुछ सोचे बुज़ुर्ग को उठाया, पानी पिलाया और एक ऑटो रोककर अस्पताल ले गया।

भीड़ धीरे-धीरे छँट गई।

शाम को वही लड़की सोशल मीडिया पर लिख रही थी— 'आज एक दुखद घटना देखी। मानवता ज़िंदा रहनी चाहिए।'

उधर रामू अस्पताल के बाहर बैठा था। उसकी जेब में अब घर लौटने तक के पैसे नहीं बचे थे.

सहायक प्रोफेसर, राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, नीमकाथाना, सीकर(राजस्थान)
मो. 9928291605

कविता

लड़की प्रेम करती रही

डॉ.महिमा श्रीवास्तव

सुरसरि-सी बहती रही
चाँदनी-सी पिघलती रही
उम्र को ठोकर लगा
लड़की प्रेम करती रही।
मौलश्री-सी महकती रही

महुआ-सी बहकती रही
दुखों का कर श्रृंगार
लड़की रस्ता तकती रही।

साज-सी बजती रही
स्वप्न वो बुनती रही
ढलता सूरज निहार
उदास-सी हँसती रही।

डोली-सी सजती रही
मेहन्दी-सी रचती रही
अकेले दिन गुजार
स्मृतियां सहेजती रही।

सावन-सी बरसती रही
हेमंत-सी ठिठुरती रही
नेह का दुशाला ओढ़
मौसम-सी बदलती रही।

मेघो-सी संवलाती रही
सरसों-सी हर्षाती रही
जीवन की सांझ देख
बाती-सी इठलाती रही।

उम्र को ठोकर लगा
लड़की प्रेम करती रही।

पता: 34/1, सर्कुलर रोड, मिशन कंपाउंड के पास, झम्मू होटल के सामने, अजमेर(राज.)पिन:305001

कविता

नीम

देवेन्द्र पाण्डेय

मैं तो नीम हूँ
सात गाँव का
हकीम हूँ।
कोई न काटे तो
सदियों जवान रहता हूँ
पतझड़ में
कपड़े बदलता रहता हूँ।
भारत और उसके पड़ोसी
देशों में
खिलता/हँसता रहता हूँ
अधिक ठंडे देशों में
मुरझा जाता हूँ
अब दूर देश के विदेशी
भी
मुझे चाहने लगे हैं
मुझे लगा कर
स्वास्थ्य सुख लेने लगे
हैं।
चर्म रोग हो
मेरे छाल का लेप लगा
लो,
दाँत चमकाने हों या
मसूड़े स्वस्थ रखने हों
टहनियाँ तोड़ कर दातून
कर लो,
मेरी पत्तियों को
उबालकर नहा लो
अपने घाव ठीक कर लो,
मेरी नींबोली के तेल से
मालिश कर लो,
मधुमेह की दवा हूँ,
हवा को शुद्ध रखता हूँ
कड़वा हूँ पर
नख से शिख तक लाभकारी
हूँ।
जिसने मुझे पहचाना
मेरी छाँव तले बैठकर
खूब मजा काटा,
जिसने नहीं जाना
दो गज जमीन के लिए
उखाड़ कर
खेत में मिला दिया।
मैं तो नीम हूँ
सात गाँव का
हकीम हूँ।
....

सा-d6, शान्ति नगर कॉलोनी, सारनाथ, वाराणसी।

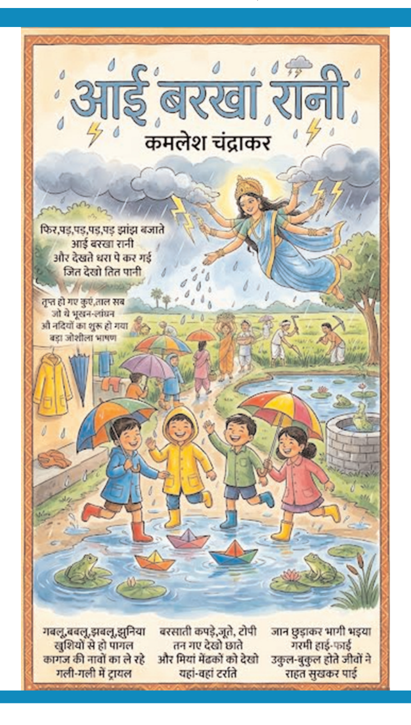

पुस्तक समीक्षा

प्रेरक आत्मकथा

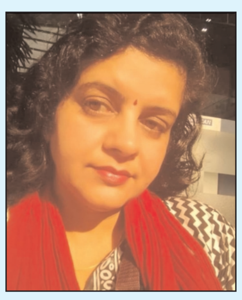
डॉ. कविता भट्ट

विश्व-पटल पर हिन्दी की प्राण-प्रतिष्ठा करने वाले 'हिन्दी-चेतना' के यशस्वी सम्पादक श्री श्याम त्रिपाठी जी की आत्मकथा 'सूखे आँसू' पढ़ने का सुअवसर प्राप्त हुआ। यह लेखक के जीवन का कथ्य मात्र अथवा सपाट बयानबाजी नहीं है; अपितु एक चलचित्र है। यह एक कालखंड का शिलालेख है। सामान्य परिवार से वैश्विक परिदृश्य में स्वयं को सिद्ध करने वाले एक संघर्षशील तथा कभी न थकने वाले ,प्रणम्य व्यक्तित्व के खट्टे-मीठे अनुभवों की भाव-शृंखला है-सूखे आँसू।

यद्यपि 'सूखे आँसू' को एक समीक्षा में पूर्णरूप से बाँधना थोड़ा कठिन कार्य है; तथापि मेरा यह विनम्र प्रयास है। पहले हम विषयवस्तु की बात करेंगे तत्पश्चात् शिल्प आदि पर चर्चा करेंगे। आत्मकथा की विषयवस्तु श्री त्रिपाठी ने अपने बाल्यकाल के कठिन काल से प्रारम्भ की है। वे प्रारम्भ में ही बिना किसी लाग-लपेट के स्पष्टवादी ढंग से लिखा है कि वे अत्यंत साधारण परिवार से सम्बन्ध रखते थे और उनके बाल्यकाल में ही उनके पिता की मृत्यु हो जाने के कारण उनको बहुत विकट परिस्थितियों से गुज़रना पड़ा। उनका लालन-पालन उनकी माँ विषम परिस्थितियों में कर रही थीं। यहाँ तक कि उन्हें अनेक बार भरपेट भोजन भी प्राप्त नहीं हो पाता था।

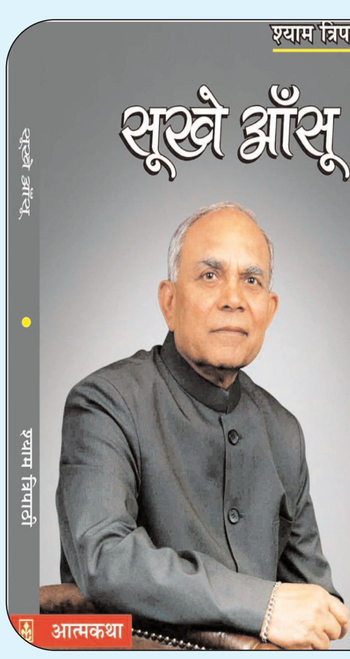

> **सूखे आँसू: (आत्मकथा)**
> **: श्याम त्रिपाठी,**
> **प्रकाशक: अयन प्रकाशन, 1 / 20, महरौली, नई दिल्ली-110031, वर्ष: 2019, मूल्य: 300 रुपये; पृष्ठ: 146**

बचपन की एक-एक घटना को उन्होंने बहुत ही सरल एवं रोचक ढंग से लेखनी के द्वारा कागज़ पर उतारा है।

बचपन की घटनाओं से प्रारम्भ करते हुए वे अपनी वर्तमान उम्र तक का चित्रण इस ढंग से करते हैं कि पाठक प्रत्येक कथ्य से स्वयं को जुड़ा हुआ अनुभव करता है। घटनाक्रम एक चलचित्र की भाँति जीवन्त चित्रण प्रस्तुत करता है। यह एक सिद्धहस्त लेखक एवं संवेदनशील व्यक्ति ही कर सकता है। श्री त्रिपाठी इसमें सफल हुए हैं। उन्होंने तीस शीर्षकों के अंतर्गत जीवन की कथा, बरेली जाने की तैयारी, बरेली कॉलिज, दिल्ली में नया जीवन, अमरीकन से मुलाकात, भाषा सीखने की विधि, इंग्लैण्ड में दस वर्ष, सप्लाई टीचिंग, पेंटिंग, शैक्षणिक अनुभव, पैट्रिक, नए जीवन का आगाज़, जीवन की एक नई दिशा, कैनेडा में प्रवेश, बीमार मानसिकता, सामाजिक सरोकार, हिन्दी चेतना की योजना, पुस्तकों से प्रेम, प्रवासी जीवन की हिन्दी सम्बन्धी स्मृतियाँ, आत्म-निरीक्षण तथा शैक्षिक परिदृश्य आदि शीर्षकों के माध्यम से उन्होंने अपने जीवन के अनुभवों और घटनाओं को व्यवस्थित रूपरेखा के अन्तर्गत प्रस्तुत किया है। इन सभी सोपानों के अंतर्गत उन्होंने न केवल अपना जीवन प्रस्तुत किया; अपितु एक कालखंड को चित्रित किया है।

बहुत से सोपानों में ऐसी विषयवस्तु है कि पाठक बहुत कुछ सीखते हुए साहित्य-धारा के रसास्वादन का सुअवसर भी प्राप्त करता है। शिल्प से सम्बन्धित कुछ विशेषताओं को इस प्रकार समझा जा सकता है-

सपाट बयानबाजी के स्थान पर रोचकता और सरलता का वे ध्यान रखते हैं। किसी घटना अथवा अनुभव काकारण लम्बा खींचने और उबाऊ बनाने के स्थान पर वे पाठक की एकाग्रता और सम्मोहन का ध्यान रखते हैं। या यह भी कहा जा सकता है कि वे पाठकों की नब्ज़ टटोलने में एक सफल लेखक हैं।

एक शिक्षक होने के नाते उन्होंने सीखने की मनोवैज्ञानिक प्रविधि तथा मनोभावों को समझते हुए शिक्षा-ग्रहण और किसी भी विषय को सीखने पर बल दिया; वहाँ वे ढंग बदलकर सीखने की प्रविधि को लेखक ने विशेष रूप से समझा रखा है।

भाषा सरल एवं मनभावन है। विषयवस्तु कसी हुई एवं उत्प्रेरक है। शीर्षक 'सूखे आँसू' लेखक के जीवन के संघर्षों को बड़ी ही सरलता से प्रस्तुत करता है। कुल मिलाकर यह आत्मकथा सभी पाठकों को अवश्य पढ़नी चाहिए ।

व्यंग्य

लोकतंत्र के द्विमुख!

आचार्य ललित मुनि

चौमासा आ रहा है, याने मौसम बदल रहा है। मौसम प्रकृति के अनुसार समय पर बदलता है, पर कुछ लाभोपासक ऐसे हैं जो मौसम से भी जल्दी बदलते हैं, या पाला बदलते हैं। जिस तरह दीमक को पेड़ की जड़ों के स्पंदन से ज्ञात हो जाता है कि पेड़ का अंतिम समय प्रारंभ हो रहा है, वैसे इन द्विमुखों को ज्ञात हो जाता है कि अब नया राजनीतिक सुहाग चुनने का समय आ गया है और तुरंत चुन भी लेते हैं। नये रंग की सदरी और नये रंग का गमछा धारण कर सदासुहागन बन जाते हैं और विचारधारा के इतने पक्के हो जाते हैं कि जो लोग दशकों तक दल की विचारधारा के लिए खप गए, उन्हें भी ये निष्ठा का पाठ पढ़ाने लगते हैं।

भर्तृहरि नीतिशतकम् श्लोक स्मरण हो आया। उन्हें भी बोध हो गया था कि भविष्य में द्विमुख नामक प्रजाति की बहुतायत होगी। उन्होंने कहा है - दुरात्मा के मन में कुछ और, वाणी में कुछ और और कर्म में कुछ और होता है; जबकि महात्मा के मन, वचन और कर्म में एकरूपता होती है।

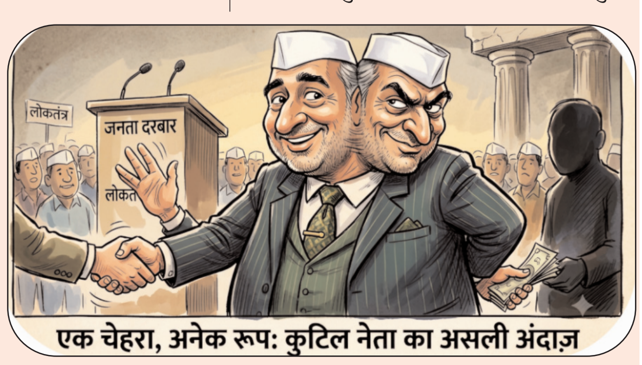

एक चेहरा, अनेक रूप: कुटिल नेता का असली अंदाज़

भर्तृहरि को क्या पता था कि उनके इस श्लोक का सबसे बड़ा प्रयोग इक्कीसवीं सदी की भारतीय !राजनीति में होगा । यदि वे आज जीवित होते तो संभवत: 'दुरात्मनाम्' शब्द के आगे कोष्ठक में लिख देते, 'वर्तमान राजनीतिक परिस्थितियों में उदाहरण स्वयं देख लें।'

आज राजनीति में विचारधारा उतनी स्थायी नहीं रही, जितनी किसी होटल के बाहर लगी 'आज का स्पेशल' वाली तख्ती। सुबह समाजवाद, दोपहर में राष्ट्रवाद, शाम तक धर्मनिरपेक्षता और रात होते-होते अवसरवाद । अगले दिन फिर वही नेता किसी नए मंच पर खड़े होकर बता रहे होते हैं कि वे तो जन्म से इसी विचारधारा के थे। जनता भी सोचती है कि शायद जन्म प्रमाण पत्र भी हर दल के साथ बदल जाता होगा।

त्यजेदेकं दलस्यार्थे सिद्धान्तं सम्परित्यजेत।
लाभार्थे दलमपि त्यजेत् पुन: पुन: ॥

अर्थात पहले दल के लिए सिद्धांत छोड़ो और जब अधिक लाभ दिखाई दे तो दल भी बार-बार बदल दो।

दलबदल अब कोई दुर्घटना नहीं, बल्कि राजनीतिक योग की नई साधना है। पहले तपस्या करके सिद्धियाँ प्राप्त होती थीं, अब चाटुकारिता करके। इनको बोर्ड लगा लेना चाहिए 'यहाँ विचारधारा तुरंत पलटाई जाती है, पुरानी त्याग कर नई प्राप्त करने की सुविधा है।'

इन लाभोपासक प्राणियों का हृदय इतना विशाल होता है कि उसमें एक साथ कई दलों के प्रति प्रेम समा सकता है। वे जिस दल में रहते हैं, उसी को राष्ट्र की अंतिम आशा बताते हैं। जिस दिन दल बदलते हैं, उसी शाम वही दल लोकतंत्र का सबसे बड़ा शत्रु घोषित हो जाता है। आश्चर्य यह कि दोनों भाषणों की रिकॉर्डिंग केवल चौबीस घंटे के अंतर से मिल जाती है, लेकिन चेहरे पर लज्जा का एक भी भाव नहीं आता। शायद राजनीति अब लज्जा का विषय नहीं रही। इनके पास हर दलबदल का एक पवित्र कारण होता है। कोई कहता है कि 'कार्यकर्ताओं की भावना का सम्मान करना पड़ा।' दूसरा कहता है, 'देशहित सर्वोपरि है।' तीसरा बताता है, 'मेरी अंतरात्मा ने आदेश दिया।' यह अलग बात है कि इनकी अंतरात्मा प्राय: उसी दिन जागती है, जिस दिन से लाभ के पद की संभावना दिखाई देने लगती है। अंतरात्मा भी अब राजनीतिक मौसम विभाग से सूचना लेकर ही सक्रिय होती है।

लोकतंत्र में जनता हर पाँच वर्ष में मतदान करती है, लेकिन कुछ चाटूकार हर पाँच महीने में राजनीतिक पुनर्जन्म ले लेते हैं। उनका पुराना इतिहास, पुराने भाषण, पुराने आरोप, पुराने वादे सब नए दल के मुख्यालय के द्वार पर जूते की तरह उतार दिए जाते हैं। भीतर प्रवेश करते ही वे 'नवकलेवर और नवजीवन' प्राप्त कर लेते हैं।

सबसे मनोरंजक दृश्य तब होता है जब कल तक एक-दूसरे को भ्रष्टाचार का चलता-फिरता स्मारक बताने वाले नेता आज एक ही मंच पर गले मिलते हुए कहते हैं, 'हमारे बीच कभी कोई मतभेद था ही नहीं।' यदि चाणक्य आज होते तो शायद ऐसा नीति-सूत्र लिखते...

सिद्धान्ता: घोषणापत्रेषु केवलं शोभनार्थिन: ।
लाभे प्राप्ते समायोगैर्नूतनार्था: प्रकल्पिता: ॥
व्यवहारो यमित्युक्त्वा राष्ट्रहितमिति ब्रुवन्।
पूर्वोक्तदोषदुर्गन्धं वाक्चातुर्येण गूहति ॥

अर्थात सिद्धांत अब केवल घोषणा-पत्र की शोभा हैं। लाभ मिलते ही नए-नए अर्थ गढ़ लिए जाते हैं। 'व्यावहारिक राजनीति' और 'राष्ट्रहित' का नाम लेकर वाक्चातुर्य से पुराने भाषणों की दुर्गंध छिपा दी जाती है।

विडंबना यह है कि जनता सब जानती है। भाषण भी सुनती है, वीडियो भी देखती है और इतिहास भी याद रखती है। फिर भी चुनाव आते ही वही नेता नए रंग, नई टोपी और नई प्रतिज्ञा के साथ सामने उपस्थित हो जाता है।केवल द्विमुख बेलें ही हर नए सहारे पर लिपटने का अभ्यास रखती हैं। राजनीति का दुर्भाग्य यही है कि आज वृक्ष कम और बेलें अधिक दिखाई देती हैं। बाकी, जो है सो तो हैइए है।

अभनपुर (छत्तीसगढ़)
मो. 9754433714

जंगल की इमारती लकड़ी भट्टियों में राख, वन विभाग और वन विकास निगम की निष्क्रियता ने खोली संरक्षण व्यवस्था की पोल

विश्व केसरी

कवर्धा (जगदंबिका साहू)। कबीरधाम जिले के बोड़ला नगर पंचायत, चिल्फी, तरेगांव सहित आसपास के गांवों और राष्ट्रीय राजमार्ग किनारे संचालित होटलों एवं ढाबों में खुलेआम इमारती लकड़ियों को भट्टियों में झोंका जा रहा है। हालात ऐसे हैं कि सागौन, साल (सरई) तथा अन्य मिश्रित प्रजातियों की मोटी-मोटी लकड़ियां चूल्हों और भट्टियों की आग में जलती दिखाई दे रही हैं। जिले में वन मंडल और वन विकास निगम जैसी दो-दो महत्वपूर्ण संस्थाएं होने के बावजूद इतनी बड़ी मात्रा में इमारती लकड़ी का इस तरह उपयोग वन संरक्षण व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर रहा है।

बोड़ला नगर पंचायत , तरेगांव, चिल्फी, झालमला, रेंगाखार और आसपास के क्षेत्रों में सड़क किनारे स्थित कई होटल और ढाबों के बाहर भट्टियों के पास इमारती लकड़ियों का ढेर आसानी से देखा जा सकता है। यह दृश्य किसी दूरस्थ जंगल का नहीं, बल्कि भीड़भाड़ वाले सार्वजनिक स्थानों और राष्ट्रीय राजमार्ग किनारे का है, जहां से प्रतिदिन हजारों लोगों के साथ प्रशासनिक अधिकारियों की भी आवाजाही होती है। इसके बावजूद अब तक प्रभावी कार्रवाई का अभाव साफ दिखाई देता है। मुख्य मार्गों पर यदि खुलेआम इमारती लकड़ियां भट्टियों में जल रही हैं, तो दूरस्थ वन क्षेत्रों में अवैध कटाई की स्थिति का सहज अनुमान लगाया जा सकता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि पहले जंगलों में सागौन, साल और अन्य बहुमूल्य वृक्षों की कटाई होती है, फिर वही लकड़ियां विभिन्न माध्यमों से होटल-ढाबों तक पहुंचाकर ईंधन के रूप में खपाई जाती हैं।

सबसे अधिक चिंता इस बात की है कि जिन वृक्षों को तैयार होने में दशकों का समय लगता है, उन्हें कुछ घंटों में भट्टियों की आग में स्वाहा किया जा रहा है। छत्तीसगढ़ का राजकीय वृक्ष साल (सरई) और बहुमूल्य सागौन जैसी प्रजातियां यदि ईंधन बन रही हैं तो यह केवल वन संपदा का नुकसान नहीं, बल्कि पर्यावरण संरक्षण के सरकारी दावों पर भी सीधी चोट है।

वन विभाग समय-समय पर अवैध कटाई और लकड़ी तस्करी रोकने के अभियान चलाने का दावा करता है, लेकिन जमीनी तस्वीर इन दावों से बिल्कुल अलग नजर आती है। सार्वजनिक स्थानों पर खुलेआम जल रही इमारती लकड़ियां यह संकेत देती हैं कि निगरानी व्यवस्था बेहद कमजोर हो चुकी है। यदि नियमित निरीक्षण और प्रभावी कार्रवाई होती, तो यह स्थिति सामने नहीं आती। पर्यावरण विशेषज्ञों के अनुसार इस तरह लगातार बहुमूल्य वृक्षों की कटाई से वन क्षेत्र, जैव विविधता, वन्यजीवों का प्राकृतिक आवास और जलवायु संतुलन पर दूरगामी दुष्प्रभाव पड़ेंगे। सरकार एक ओर करोड़ों रुपये पौधरोपण और हरित अभियान पर खर्च कर रही है, वहीं दूसरी ओर बहुमूल्य इमारती लकड़ियों का ईंधन के रूप में उपयोग उन प्रयासों को कमजोर कर रहा है।

स्थानीय नागरिकों ने वन विभाग, वन विकास निगम और जिला प्रशासन से होटल-ढाबों में उपयोग हो रही लकड़ियों के स्रोत की जांच, अवैध कटाई में शामिल लोगों की पहचान तथा दोषियों पर कठोर कार्रवाई की मांग की है। लोगों का कहना है कि केवल छोटे स्तर पर कार्रवाई करने से समस्या समाप्त नहीं होगी, बल्कि जंगल से भट्टी तक लकड़ी पहुंचाने वाले पूरे नेटवर्क पर कार्रवाई आवश्यक है।

कबीरधाम के जंगलों की बहुमूल्य संपदा लगातार धुएं में उड़ रही है। जिम्मेदार विभागों की निष्क्रियता और मौन ने अवैध कटाई करने वालों के हौसले बुलंद कर दिए हैं। समय रहते कठोर कार्रवाई नहीं हुई तो आने वाले वर्षों में हरियाली का यह खजाना केवल सरकारी रिकॉर्ड और पौधरोपण अभियानों तक सीमित होकर रह जाएगा।

इंडस्ट्रियल एरिया में भीषण आग धुएं से काला पड़ा आसमान

विश्व केसरी

कोरबा (बबलू श्रीवास)। कोरबा शहर के इंडस्ट्रियल एरिया में शनिवार को अचानक भीषण आग लगने से पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। आग इतनी भयावह थी कि उसकी ऊंची लपटें और आसमान में उठता काले धुएं का विशाल गुबार दूर-दूर तक दिखाई देने लगा। देखते ही देखते पूरा इलाका धुएं से घिर गया, जिससे आसपास के रहवासी क्षेत्रों में दहशत का माहौल बन गया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, आग लगने के कुछ ही मिनटों में धुएं का घना गुबार कई सौ फीट ऊपर तक फैल गया। घटनास्थल के आसपास मौजूद लोगों ने तत्काल इसकी सूचना फायर ब्रिगेड और पुलिस को दी। कुछ ही देर में दमकल की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग पर काबू पाने के लिए युद्धस्तर पर अभियान शुरू किया गया।

घटनास्थल से सामने आए वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि आग की लपटों के बीच काला धुआं पूरे आसमान को ढंकता नजर आ रहा है। वहीं फायर ब्रिगेड और पुलिस के सायरन लगातार गूंजते रहे, जिससे इलाके में हड़कंप मच गया। फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया है। शुरुआती तौर पर शॉर्ट सर्किट या ज्वलनशील सामग्री में आग लगने की आशंका जताई जा रही है, हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। प्रशासन ने आग पर पूरी तरह काबू पाने के बाद जांच शुरू करने की बात कही है।

संक्षिप्त खबरें

नीट-2026 में साक्षी चंद्राकर ने हासिल किए 566 अंक क्षेत्र का नाम किया रोशन

विश्व केसरी

महासमुंद (अनिल चौधरी)। ग्राम बावनकेरा झलप की होनहार बेटी साक्षी चंद्राकर ने मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट-2026 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए 720 में से 566 अंक हासिल किए हैं। उनकी इस उपलब्धि से न केवल उनके परिवार, बल्कि पूरे गांव और क्षेत्र का गौरव बढ़ा है। साक्षी चंद्राकर, नागेश चंद्राकर एवं गीता चंद्राकर की पुत्री हैं। उन्होंने कठिन परिश्रम, निरंतर लगन और अपने माता-पिता के सहयोग से यह उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की है। उनकी उपलब्धि की खबर मिलते ही परिवार सहित गांव और क्षेत्र में खुशी का माहौल है। साक्षी की सफलता पर परिजनों, शिक्षकों और ग्रामीणों ने उन्हें बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। उनकी इस उपलब्धि ने क्षेत्र की अन्य छात्राओं के लिए भी प्रेरणा का संदेश दिया है और यह साबित किया है कि मेहनत, समर्पण और दृढ़ इच्छाशक्ति के बल पर किसी भी लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है।

सिल्हाटी में छात्राओं को आत्मरक्षा प्रशिक्षण का सफल समापन

विश्व केसरी

कवर्धा (जगदंबिका साहू)। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सिल्हाटी में आयोजित पाँच दिवसीय आत्मरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम का उत्साहपूर्ण वातावरण में सफल समापन हुआ। इस प्रशिक्षण शिविर में छात्राओं ने आत्मरक्षा की व्यावहारिक तकनीकों का प्रशिक्षण प्राप्त कर न केवल स्वयं की सुरक्षा के महत्वपूर्ण उपाय सीखे, बल्कि आत्मविश्वास, साहस और आत्मनिर्भरता की दिशा में भी एक मजबूत कदम बढ़ाया। कार्यक्रम ने बालिकाओं में यह विश्वास जगाया कि वे किसी भी चुनौतीपूर्ण परिस्थिति का धैर्य और सूझबूझ के साथ सामना करने में सक्षम हैं।

20 जुलाई से 24 जुलाई तक आयोजित इस प्रशिक्षण शिविर में विद्यालय की किशोरी बालिकाओं को मास्टर ट्रेनर दीपेश्वरी विश्वकर्मा द्वारा आत्मरक्षा की विभिन्न तकनीकों का व्यावहारिक अभ्यास कराया गया। प्रशिक्षण के दौरान छात्राओं को आपातकालीन परिस्थितियों में स्वयं की सुरक्षा, त्वरित निर्णय लेने की क्षमता, मानसिक मजबूती तथा विपरीत परिस्थितियों में संयम बनाए रखने के प्रभावी तरीके सिखाए गए। प्रशिक्षण के प्रत्येक सत्र में छात्राओं ने पूरे उत्साह के साथ भाग लेकर अपनी सीखने की क्षमता और आत्मविश्वास का परिचय दिया।

अमर बोले- शेर की नाक व गधे के बाल में फर्क

जनता मुझे भाषणों से नहीं, काम से पहचानती है

विश्व केसरी

बिलासपुर (अमित मिश्रा)। बिलासपुर की राजनीति में शुक्रवार को उस समय नया सियासी तापमान देखने को मिला, जब भाजपा के वरिष्ठ विधायक और पूर्व मंत्री अमर अग्रवाल ने बिना नाम लिए पूर्व विधायक शैलेष पांडे पर अब तक का सबसे तीखा हमला बोला। खेल प्रतियोगिता मे सफल गणमान्य लोगों बीच आयोजित संवाद कार्यक्रम में अमर ने विधानसभा की भूमिका, जनप्रतिनिधि की जिम्मेदारी और विकास की राजनीति पर विस्तार से बात करते हुए कहा कि 'शेर की नाक का बाल और गधे की पूंछ के बाल में फर्क होता है। जनता अब यह फर्क अच्छी तरह समझ चुकी है।'

उन्होंने कहा कि विधानसभा को केवल सवाल पूछने का मंच मान लेना लोकतांत्रिक व्यवस्था की अधूरी समझ है। 'विधानसभा का सबसे बड़ा काम लेजिसलेशन यानी कानून बनाना, बजट पारित करना, नीतियां तय करना और प्रदेश के विकास की दिशा निर्धारित करना है। प्रश्न पूछना भी जरूरी है, लेकिन उसका उद्देश्य केवल सुर्खियां बटोरना नहीं, बल्कि जनता की वास्तविक समस्याओं का समाधान होना चाहिए।'अमर अग्रवाल ने कहा कि 'मैं 15 वर्ष मंत्री और 25 वर्ष विधायक रहा हूं। सदन में मेरा उद्देश्य कभी केवल बोलना नहीं रहा। मेरी कोशिश हमेशा यह रही कि बिलासपुर के लिए अधिक से अधिक योजनाएं, बजट और विकास कार्य लेकर आऊं। जनता मुझे भाषणों से नहीं, काम से पहचानती है।' उन्होंने कहा कि कई लोग प्रश्नों की संख्या को ही जनप्रतिनिधि की उपलब्धि मान लेते हैं, जबकि 'सवाल तभी सार्थक है, जब उससे जनता को राहत मिले। केवल संख्या बढ़ाने के लिए पूछे गए प्रश्न लोकतंत्र की आत्मा नहीं हैं।'

392 सवाल पूछने से विकास नहीं होता

बिना नाम लिए पूर्व विधायक पर निशाना साधते हुए अमर अग्रवाल ने कहा कि 'कुछ लोग प्रश्न पूछने को ही राजनीति का पैमाना मानते हैं। यदि केवल प्रश्न पूछने से विकास होता, तो जनता उन्हें रिकॉर्ड मतों से पराजित नहीं करती। जनता ने बता दिया कि उसे भाषण नहीं, परिणाम चाहिए।' उन्होंने कहा कि 'मुझे प्रश्न पूछने की फुर्सत कम मिली, क्योंकि मैं बिलासपुर के विकास में व्यस्त रहा। मेरा काम सदन में शोर मचाना नहीं, बल्कि योजनाओं को मंजूरी दिलाना और उन्हें धरातल तक पहुंचाना रहा है।'

विधानसभा में बोलने से ज्यादा जरूरी सुना जाना

अमर अग्रवाल ने कहा कि सदन में केवल बोल देना उपलब्धि नहीं है। 'महत्वपूर्ण यह है कि आपकी बात कितनी गंभीरता से सुनी जाती है और उसके आधार पर सरकार कितने फैसले लेती है। जनप्रतिनिधि की असली ताकत उसकी विश्वसनीयता और परिणाम देने की क्षमता होती है।'

उन्होंने बताया कि विधानसभा में बजट, विधेयक, कानून, क्षेत्रीय विकास, सड़क सुरक्षा, भू-राजस्व, शिक्षा, स्वास्थ्य और प्रशासनिक सुधार जैसे विषयों पर गहन काम होता है। 'मैं विधानसभा की लगभग हर महत्वपूर्ण समिति और लेजिसलेशन से जुड़ी समितियों का हिस्सा रहा हूं।'

छाता लेकर भाषण देने वाला नहीं, कर्मयोगी चाहिए

अपने संबोधन के दौरान अमर अग्रवाल ने एक और तीखा राजनीतिक तंज कसते हुए कहा, 'बिलासपुर को घुटनों तक पानी में खड़े होकर छाता लगाकर भाषण देने वाला नेता नहीं चाहिए। बिलासपुर कर्मयोगियों का शहर है। यहां जनता दिखावा नहीं, काम देखती है।' इसे भी राजनीतिक हलकों में उनके विरोधियों पर सीधा हमला माना जा रहा है।

ढाई हजार करोड़ का काम पहले, प्रचार बाद में

अमर अग्रवाल ने दावा किया कि इस कार्यकाल में बजट पेश होने से पहले ही बिलासपुर को करीब ढाई हजार करोड़ रुपये की विकास परियोजनाएं मिलीं। उन्होंने कहा कि शहर की यातायात व्यवस्था सुधारने के लिए लगभग 300 करोड़ रुपये की सड़क परियोजनाएं स्वीकृत हुई हैं। 'मुझे ढिंढोरा पीटने की आदत नहीं है। मेरा मानना है कि काम खुद बोलता है।'

रास्ता खाली करने की बात पर खूनी बवाल

विश्व केसरी

कोरबा (बबलू श्रीवास)। कोरबा शहर में अपराधियों के बढ़ते हौसलों ने एक बार फिर कानून व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। सीएसईबी चौकी क्षेत्र के बुधवारी बाजार में शुक्रवार देर रात रास्ता खाली करने को लेकर हुए मामूली विवाद ने देखते ही देखते खूनी रूप ले लिया। कुछ युवकों ने एक ऑटो चालक पर चाकू से ताबड़तोड़ हमला कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया। पूरी वारदात आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई है, जिसके आधार पर पुलिस आरोपियों की पहचान कर उनकी तलाश में जुट गई है।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, देर रात कुछ युवक सड़क किनारे बैठे हुए थे। इसी दौरान वहां से गुजर रहे ऑटो चालक ने उन्हें रास्ते से हटने और साइड देने के लिए कहा। इसी बात पर दोनों पक्षों के बीच कहासुनी शुरू हुई और कुछ ही देर में विवाद हाथापाई में बदल गया। आरोप है कि युवकों ने गुस्से में आकर ऑटो चालक पर चाकू से लगातार वार कर दिए, जिससे वह लहूलुहान होकर सड़क पर गिर पड़ा। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों और दुकानदारों ने तत्काल घायल को अस्पताल पहुंचाया, जहां उसका उपचार जारी है। सूचना मिलते ही सीएसईबी चौकी पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच शुरू कर दी। पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज जब्त कर लिए हैं।

ग्राम पंचायत बार में 15वें वित्त की राशि में भ्रष्टाचार की जांच शुरू

विश्व केसरी

कसडोल (प्रवीण कुमार)। कसडोल द्ग्राम पंचायत बार में 15वें वित्त की राशि में वित्तीय अनियमितता और भ्रष्टाचार की शिकायत पर प्रशासन ने जांच तेज कर दी है।पंचों और ग्रामीणों द्वारा बीते 10 जुलाई को कलेक्टर को सौंपे गए ज्ञापन के बाद, मुख्य कार्यपालन अधिकारी कसडोल के निर्देश पर शनिवार 25 जुलाई को दो सदस्यीय एडीओ टीम जांच के लिए मौके पर पहुँची।जांच टीम ने नियत तिथि स्थान एवं समय पर ग्राम पंचायत भवन बार पहुंचकर शिकायत के आधार पर तीन अलग-अलग विषयों को लेकर आवेदक एवं अनावेदक की उपस्थिति में बयान दर्ज किए।हालांकि, समय के अभाव के कारण सरपंच, सचिव और रोजगार सहायक के बयान दर्ज नहीं किए जा सके।जांच अधिकारियों के अनुसार,दोनों पक्षों को सूचना देकर इन तीनों के बयान अलग से तय तिथि और स्थान पर लिए जाएंगे। इस दौरान ग्रामीणों और पक्ष-विपक्ष की मौजूदगी में विभिन्न निर्माण कार्यों की निष्पक्ष जांच व कार्य स्थलों का निरीक्षण किया गया।टीम ने कन्या आश्रम मैदान समतलीकरण,हाई स्कूल मैदान समतलीकरण,बाजार चबूतरा मरम्मत,दुर्गा चौक से बड़े तालाब तक सीसी रोड निर्माण,दुर्गा चौक मैदान समतलीकरण व ज्योति कक्ष निर्माण, पचरी मरम्मत कार्य, प्रधानमंत्री आवास और बोरिंग चबूतरा मरम्मत सहित 15वें वित्त व अन्य मदों से स्वीकृत कार्यों का बारीकी से निरीक्षण किया।वही ग्रामीणों एवं पंचो ने इस मामले में दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है।इस संबंध में जांच एवं निरीक्षण के लिए पहुंचे एडीओ विश्वनाथ जांगड़े एवं वरिष्ठ कार्य रोपण अधिकारी प्रकाश सिंह साहू की दो सदस्यीय टीम ने कहा कि आज जांच के दौरान शिकायत पक्ष एवं सरपंच ,सचिव उपस्थित थे।आज समय अभाव के कारण सरपंच,सचिव व रोजगार सहायक का बयान दर्ज नहीं किया जा सका जिसके लिए अलग से समय तिथि एवं स्थान तय कर दोनों पक्षों को बुलाकर बयान लिया जाएगा।इस दौरान हमने शिकायत सम्बंधित विभिन्न मदो से स्वीकृत निर्माण कार्यों की स्थल जांच निरीक्षण भी किया।वही इस शिकायत जांच कार्रवाई के दौरान भारी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

जर्जर भवन का दंश झेल रही आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, पंचायत भवन में अस्थाई रूप से करती है आंगनबाड़ी केंद्र का संचालन

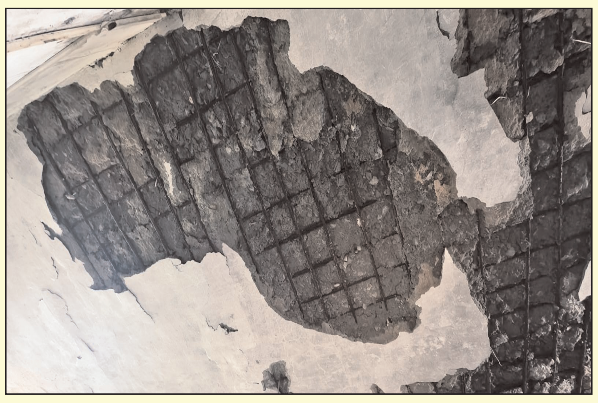

विश्व केसरी

सरसींवा (राकेश सोनी)। भटगांव महिला एवं बाल विकास विभाग परियोजना अंतर्गत आने वाले गाताडीह सेक्टर के ग्राम पंचायत घरजरा के आंगनबाड़ी केंद्र क्रमांक 1 भवन वर्षों से जर्जर होकर खंडहर में तब्दील हो चुका है। जहां भवन की बदहाल स्थिति के कारण बच्चों की पढ़ाई और आंगनबाड़ी की सभी गतिविधियां अस्थाई रूप से पंचायत भवन में संचालित की जा रही हैं। बताया जा रहा है कि कई बार शिकायत करने के बावजूद न तो भवन की मरम्मत हो पाई और न ही नया आंगनबाड़ी भवन स्वीकृत हो पाया। ग्राम पंचायत घरजरा-के आंगनबाड़ी केन्द्र 1 भवन पिछले करीब कई वर्षों से उपयोग के लायक नहीं है। भवन की छत से लेंटर गिरने लगा है, जिससे कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। सुरक्षा को देखते हुए बच्चों, गर्भवती महिलाओं और हितग्राहियों की सभी गतिविधियां फिलहाल पंचायत भवन में संचालित की जा रही हैं।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सोनिया साहू ने बताया कि भवन की जर्जर स्थिति की शिकायत कई बार संबंधित विभाग को दी जा चुकी है, लेकिन आज तक न तो मरम्मत कराई गई और न ही नए भवन का स्वीकृत हुआ। ऐसे में मजबूरीवश पंचायत भवन में ही आंगनबाड़ी का संचालित किया जा रहा है। कार्यकर्ता ने शासन प्रशासन से जल्द नए भवन के निर्माण या पुराने भवन की मरम्मत कराने की मांग की है।

निर्माणाधीन ग्रेन एटीएम का संचालक खाद्य ने किया निरीक्षण

गुणवत्ता एवं समय-सीमा में कार्य पूर्ण करने के दिए निर्देश

विश्व केसरी

बिलासपुर (अमित मिश्रा)। पीडीएस सिस्टम को अधिक पारदर्शी, आधुनिक एवं हितग्राही-केंद्रित बनाने की दिशा में बिलासपुर के सरकंडा में निर्माणाधीन 'अन्नपूर्णा' ग्रेन एटीएम का संचालक खाद्य, छत्तीसगढ़ शासन फरिहा आलम सिद्दीकी ने आकस्मिक निरीक्षण किया। उन्होंने निर्माण कार्य की प्रगति, गुणवत्ता तथा तकनीकी मानकों का जायजा लेते हुए अधिकारियों को निर्धारित समय-सीमा में उच्च गुणवत्ता के साथ कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान सिद्दीकी ने कहा कि ग्रेन एटीएम शासन की एक महत्वपूर्ण पहल है, जिसके माध्यम से पात्र हितग्राहियों को अधिक पारदर्शी, सुविधाजनक एवं गरिमापूर्ण तरीके से खाद्यान्न उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने निर्माण कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरतने तथा सभी आवश्यक तकनीकी मानकों का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ग्रेन एटीएम के संचालन से हितग्राहियों को निर्धारित मात्रा में खाद्यान्न मशीन के माध्यम से आसानी से प्राप्त होगा। जिस तरह से एटीएम बूथ से कभी भी पैसे निकालते हैं, उसी तरह इस बूथ से कभी भी पहुंचकर राशन निकाला जा सकता है। इससे वितरण प्रक्रिया अधिक पारदर्शी बनेगी, समय की बचत होगी, मानव हस्तक्षेप कम होगा तथा खाद्यान्न वितरण में सटीकता और जवाबदेही सुनिश्चित होगी।निरीक्षण के दौरान सहायक खाद्य अधिकारी राजीव लोचन तिवारी, जिला प्रबंधक नान श्री नितिन दीवान, नगर निगम के अभियंता रमनदीप छाबड़ा सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे। संचालक खाद्य ने सभी अधिकारियों को समन्वय के साथ कार्य करते हुए ग्रेन एटीएम का निर्माण निर्धारित समय में पूर्ण कर आम नागरिकों को इसका लाभ शीघ्र उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

डोडला डेयरी का पहली तिमाही में मुनाफा 42 प्रतिशत घटा, रिकॉर्ड राजस्व के बावजूद बढ़ी लागत का असर

विश्व केसरी

नई दिल्ली। डोडला डेयरी लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) के नतीजे जारी करते हुए बताया कि कंपनी का कंसोलिडेटेड नेट प्रॉफिट घटकर 40.64 करोड़ रुपए रह गया, जो पिछले तिमाही के 69.80 करोड़ रुपए की तुलना में करीब 42 प्रतिशत कम है।

हालांकि, कंपनी की रेवेन्यू में मजबूत बढ़ोतरी दर्ज की गई। जून 2026 को समाप्त तिमाही में कंपनी का रेवेन्यू 19 प्रतिशत बढ़कर रिकॉर्ड 1,197.94 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। कंपनी ने एक्सचेंज फाइलिंग में बताया कि दूध की खरीद कीमतों में बढ़ोतरी और आने वाली तिमाहियों की जरूरतों को देखते हुए रणनीतिक रूप से अधिक इन्वेंट्री तैयार करने के कारण मुनाफे पर दबाव पड़ा।

डोडला डेयरी के मैनेजिंग डायरेक्टर डोडला सुनील रेड्डी ने कहा कि इन्वेंट्री बढ़ाने की रणनीति पूरे डेयरी उद्योग के रुझान के अनुरूप है। उन्होंने उम्मीद जताई कि दूसरी तिमाही से दूध की कीमतों में सामान्य स्थिति लौटना शुरू हो जाएगी।

उन्होंने कहा कि लंबे समय तक गर्मी रहने के कारण कंपनी के वैल्यू एडेड प्रोडक्ट (वीएपी) पोर्टफोलियो, जिसमें दही, छाछ, लस्सी और आइसक्रीम शामिल हैं, की रिकॉर्ड बिक्री हुई। अब इन उत्पादों का योगदान कंपनी की कुल बिक्री का लगभग एक-तिहाई हो गया है।

कंपनी का ईबीआईटीडीए बढ़कर 64.9 करोड़ रुपए हो गया, जो पिछली तिमाही में 53.8 करोड़ रुपए था।

हालांकि, बढ़ते खर्चों का असर कंपनी की लाभप्रदता पर पड़ा। नए श्रम कानूनों के तहत ऑफ-रोल कर्मचारियों के लिए न्यूनतम वेतन लागू होने से कर्मचारियों पर होने वाला खर्च बढ़ गया।

तिमाही आधार पर कर्मचारियों पर खर्च 51.7 करोड़ रुपए से बढ़कर 55.7 करोड़ रुपए हो गया, जो 7.7 प्रतिशत की वृद्धि है। वहीं, सालाना आधार पर इसमें 18 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई।

कंपनी ने बताया कि इस तिमाही में उसने अब तक की सबसे अधिक दूध खरीद की, जो 21.1 लाख लीटर प्रतिदिन (एलएलपीडी) रही। यह पिछले साल की समान अवधि की तुलना में 13 प्रतिशत अधिक है।

कंपनी ने अपनी फाइलिंग में कहा कि इस कारोबार में परिचालन दक्षता में लगातार सुधार के कारण वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में ऑपरेटिंग मार्जिन पूरे वित्त वर्ष 2025-26 की तुलना में बेहतर रहा।

डोडला डेयरी के अफ्रीका बिजनेस ने भी शानदार प्रदर्शन किया। इस कारोबार का रेवेन्यू सालाना आधार पर 45.6 प्रतिशत बढ़ा, जिसमें दूध की बिक्री में 52.3 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि का बड़ा योगदान रहा।

इसके अलावा, कंपनी के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स ने डी2सी डेयरी ब्रांड 'सिड्स फार्म' में करीब 11.6 करोड़ रुपए का प्राथमिक निवेश कर 2 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदने को भी मंजूरी दे दी है।

सोना इस हफ्ते 2 हजार रुपए से अधिक महंगा हुआ , चांदी 2.2 लाख के पार

विश्व केसरी

नई दिल्ली। वैश्विक अस्थिरता बढ़ने से सोने और चांदी में इस हफ्ते तेजी देखने को मिली, जिससे सोना और चांदी क्रमश: 2 हजार रुपए और 6 हजार रुपए से अधिक महंगे हो गए हैं।

इंडिया बुलियन ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के मुताबिक, 24 कैरेट सोने का दाम इस हफ्ते 2,622 रुपए बढ़कर 1,43,781 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया है, जबकि पहले यह 1,41,159 रुपए प्रति 10 ग्राम पर था।

22 कैरेट सोने की कीमत बढ़कर 1,31,703 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गई है, जो कि पहले 1,29,302 रुपए प्रति 10 ग्राम थी। 18 कैरेट सोने का दाम बढ़कर 1,07,836 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया है, जो कि पहले 1,05,869 रुपए प्रति 10 ग्राम था।

इस हफ्ते सोने में सबसे न्यूनतम दाम 20 जुलाई को सुबह के सत्र में 1,41,915 रुपए प्रति 10 ग्राम देखा गया। वहीं, उच्चतम दाम 23 जुलाई को सुबह के सत्र में 1,45,557 रुपए प्रति 10 ग्राम देखा गया।

सोने के साथ चांदी की कीमत में भी तेजी देखने को मिली है।

चांदी का दाम 6,974 रुपए बढ़कर 2,22,721 रुपए प्रति किलो हो गया है, जो कि पहले 2,15,474 रुपए प्रति किलो था।

इस हफ्ते चांदी में उच्चतम दाम 22 जुलाई को सुबह के सत्र में 2,26,238 रुपए प्रति किलो देखा गया। वहीं, न्यूनतम दाम 24 जुलाई को सुबह के सत्र में 2,19,556 रुपए प्रति किलो देखा गया।

आईबीजेए की ओर से दिन में दो बार सुबह और शाम के सत्र में सोने और चांदी की कीमतों को जारी किया जाता है।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सोने का दाम 4,055 डॉलर प्रति औंस और चांदी का दाम 58 डॉलर प्रति औंस के करीब पहुंच गया है। एक्सपर्ट्स के मुताबिक, सोने और चांदी में तेजी की वजह वैश्विक स्तर अस्थिरता बढ़ना है।

दुनिया भर में ठप हुई चैटजीपीटी की सेवाएं, 1,500 से अधिक यूजर्स ने दर्ज कराई शिकायत

विश्व केसरी

नई दिल्ली। अमेरिका की आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) कंपनी ओपनएआई का चैटजीपीटी शनिवार को वैश्विक तकनीकी बाधा का शिकार हो गया। इस दौरान दुनिया भर में 1,500 से अधिक यूजर्स ने प्लेटफॉर्म पर सेवाएं प्रभावित होने की शिकायत दर्ज कराई।

करीब दोपहर 3 बजे तक डाउनडिटेक्टर पर 1,535 यूजर रिपोर्ट दर्ज की गईं, जिससे स्पष्ट हुआ कि चैटजीपीटी की सेवाएं व्यापक स्तर पर प्रभावित हुई हैं।

आउटेज ट्रैकर के अनुसार, लगभग 80 प्रतिशत यूजर्स ने चैटजीपीटी में दिक्कत की शिकायत की। वहीं, 8 प्रतिशत यूजर्स को मोबाइल ऐप इस्तेमाल करने में परेशानी हुई, जबकि अन्य 8 प्रतिशत यूजर्स ने एपीआई सेवाओं में रुकावट की जानकारी दी।

दुनिया भर के हजारों यूजर्स ने बताया कि उन्हें एआई चैटबॉट तक पहुंचने में परेशानी का सामना करना पड़ा। कई यूजर्स लॉग-इन नहीं कर सके, प्रॉम्प्ट सबमिट नहीं कर पाए या फिर अपनी चैट हिस्ट्री तक पहुंचने में असफल रहे।

डाउनडिटेक्टर पर शिकायतों की संख्या तेजी से बढ़ने से करीब एक घंटे पहले यह समस्या शुरू हुई। अमेरिका, यूरोप, भारत, जापान, ऑस्ट्रेलिया समेत कई देशों के यूजर्स ने सेवाएं प्रभावित होने की जानकारी दी।

ओपनएआई ने अपने स्टेटस पेज पर इस समस्या की पुष्टि करते हुए कहा कि कंपनी मामले की जांच कर रही है।

कंपनी ने कहा, 'फिलहाल हमारी कुछ सेवाओं में समस्या आ रही है। हमने इसे कम करने के लिए आवश्यक कदम उठाए हैं और सेवाओं की बहाली पर लगातार नजर रखी जा रही है।'

यूजर्स ने चैटजीपीटी की वेबसाइट और मोबाइल ऐप दोनों पर कनेक्टिविटी से जुड़ी कई तरह की समस्याओं की शिकायत की। यह समस्या फ्री और पेड, दोनों तरह के सब्सक्राइबर्स को प्रभावित करती दिखी।

सबसे आम शिकायतों में लॉग-इन फेल होना, ऑथेंटिकेशन एरर, चैट हिस्ट्री का लोड न होना, अचानक साइन-आउट हो जाना, प्रॉम्प्ट सबमिट करते समय 'सर्विस अनअवेलेबल' का मैसेज आना और चैट का लोड न होना शामिल रहा।

अमेरिका के सेक्शन 301 शुल्क में भारत को मिली राहत, कम टैरिफ श्रेणी में रखा गया; जल्द व्यापार समझौते के लिए प्रतिबद्धः सरकार

विश्व केसरी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने शनिवार को कहा कि फोर्स्ड लेबर से जुड़े सेक्शन 301 की जांच के दौरान भारत ने पूरे समय अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि (यूएसटीआर) के साथ लगातार संपर्क बनाए रखा। इसी का परिणाम है कि अंतिम फैसले में भारत को अतिरिक्त टैरिफ की निचली श्रेणी में रखा गया है, जिससे भारतीय निर्यात को कई प्रमुख क्षेत्रों में तुलनात्मक लाभ मिलेगा।

सरकार ने यह भी दोहराया कि वह अमेरिका के साथ भारत-अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) को जल्द अंतिम रूप देने के लिए प्रतिबद्ध है।

यूएसटीआर ने 23 जुलाई को अमेरिकी व्यापार अधिनियम, 1974 के सेक्शन 301 के तहत अंतिम उपायों की घोषणा की थी।

ये उपाय उन 60 अर्थव्यवस्थाओं, जिनमें भारत भी शामिल है, की नीतियों और प्रक्रियाओं की जांच के बाद लागू किए गए हैं। यह जांच फोर्स्ड लेबर से तैयार वस्तुओं के आयात पर प्रतिबंध लगाने और उसे लागू करने से जुड़े मामलों को लेकर की गई थी।

यूएसटीआर ने भारत से होने वाले आयात पर 10 प्रतिशत अतिरिक्त एड वैलोरम ड्यूटी लगाने का फैसला किया है। यह 2 जून 2026 को प्रस्तावित 12.5 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क की तुलना में कम है।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने एक बयान में कहा, 'भारत सरकार ने जांच के दौरान यूएसटीआर के साथ लगातार विस्तृत लिखित प्रस्तुतियां, व्यक्तिगत स्तर पर विचार-विमर्श और सार्वजनिक सुनवाई में भागीदारी के माध्यम से सक्रिय संवाद बनाए रखा। इन निरंतर प्रयासों के परिणामस्वरूप भारत को अंतिम उपायों में अतिरिक्त टैरिफ की निचली श्रेणी में रखा गया है, जिससे प्रमुख क्षेत्रों में भारतीय निर्यात को तुलनात्मक लाभ मिलेगा।'

सरकार ने बताया कि अमेरिका को भारत के निर्यात का बड़ा हिस्सा, जिस पर फिलहाल कोई अतिरिक्त शुल्क नहीं लगता, इस 10 प्रतिशत अतिरिक्त ड्यूटी के दायरे से बाहर रहेगा। इनमें जेनेरिक फार्मास्यूटिकल्स, स्मार्टफोन और कुछ अन्य निर्दिष्ट उत्पाद शामिल हैं।

इसके अलावा, सेक्शन 232 के तहत पहले से शामिल स्टील, एल्युमीनियम और ऑटो पार्ट्स पर भी यह अतिरिक्त 10 प्रतिशत ड्यूटी लागू नहीं होगी।

सरकार ने कहा कि सेक्शन 232 के तहत लगने वाले शुल्क लगभग सभी देशों पर समान रूप से लागू होते हैं।

भारत बन सकता है माइनिंग और कंस्ट्रक्शन उपकरण निर्माण का वैश्विक हब, सीआईआई-बीसीजी रिपोर्ट ने पेश किया रोडमैप

विश्व केसरी

नई दिल्ली । भारत का माइनिंग और कंस्ट्रक्शन इक्विपमेंट उद्योग आने वाले वर्षों में वैश्विक स्तर पर बड़ी ताकत बन सकता है। इसी दिशा में भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) और बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप (बीसीजी) ने संयुक्त रूप से 'प्रेसिंग द थ्रॉटल: हाउ इंडियाज माइनिंग एंड कंस्ट्रक्शन इक्विपमेंट इंडस्ट्री कैन सपोर्ट डोमेस्टिक एम्बिशंस एंड बिकम अ ग्लोबल फोर्स' नाम से एक रिपोर्ट जारी की है।

इस रिपोर्ट में भारत को माइनिंग और कंस्ट्रक्शन उपकरणों के निर्माण और निर्यात का वैश्विक केंद्र बनाने के लिए विस्तृत रणनीति पेश की गई है।

रिपोर्ट में भारत के माइनिंग और कंस्ट्रक्शन इक्विपमेंट सेक्टर का व्यापक आकलन किया गया है। साथ ही घरेलू विनिर्माण को मजबूत करने, नई तकनीकों को तेजी से अपनाने, स्थानीयकरण बढ़ाने, वैश्विक प्रतिस्पर्धा मजबूत करने और भारत को इस क्षेत्र में पसंदीदा मैन्युफैक्चरिंग एवं एक्सपोर्ट हब बनाने के लिए स्पष्ट रोडमैप दिया गया है।

रिपोर्ट में बताया गया है कि देश के दीर्घकालिक विकास लक्ष्यों को हासिल करने में माइनिंग और कंस्ट्रक्शन इक्विपमेंट सेक्टर की महत्वपूर्ण भूमिका होगी।

सीआईआई के महानिदेशक चंद्रजीत बनर्जी ने कहा कि माइनिंग और कंस्ट्रक्शन इक्विपमेंट सेक्टर भारत की आधारभूत संरचना और औद्योगिक विकास की महत्वाकांक्षाओं का अहम हिस्सा है। इस क्षेत्र की अगली विकास यात्रा के लिए उद्योग और सरकार के बीच मजबूत सहयोग, अधिक निवेश, नवाचार, कौशल विकास और ईज ऑफ डूइंग बिजनेस पर विशेष ध्यान देना होगा। यह रिपोर्ट भविष्य के लिए मजबूत, प्रतिस्पर्धी और तकनीक आधारित माइनिंग और कंस्ट्रक्शन इक्विपमेंट सेक्टर तैयार करने की दिशा में महत्वपूर्ण सुझाव देती है।

रिपोर्ट के अनुसार, भारत का माइनिंग और कंस्ट्रक्शन इक्विपमेंट उद्योग दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते बाजारों में शामिल हो चुका है। वर्तमान में इस उद्योग का अनुमानित आकार 17 अरब अमेरिकी डॉलर है और इसमें हर साल 10 से 12 प्रतिशत की वृद्धि होने का अनुमान है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि सड़क, रेलवे, बंदरगाह, हवाई अड्डे, शहरी बुनियादी ढांचे, खनन और नवीकरणीय ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में लगातार बढ़ रहे निवेश के कारण माइनिंग और कंस्ट्रक्शन इक्विपमेंट से जुड़े क्षेत्रों में पूंजीगत व्यय 2025 में लगभग 5.5 लाख करोड़ रुपए से बढ़कर 2030 तक 9 से 10 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच सकता है।

रिपोर्ट यह भी बताती है कि भारत में मशीनीकरण का स्तर अभी भी वैश्विक औसत से काफी कम है। इसका मतलब है कि भविष्य में आधुनिक उपकरणों की मांग, उत्पादकता और नई तकनीकों को अपनाने की अपार संभावनाएं मौजूद हैं। सीआईआई माइनिंग एंड कंस्ट्रक्शन इक्विपमेंट डिवीजन के चेयरमैन विवेक भाटिया ने कहा कि 'विकसित भारत' का सपना विश्वस्तरीय आधारभूत संरचना, मजबूत विनिर्माण और आधुनिक खनन क्षेत्र के दम पर ही साकार होगा।

भारत की पहली हाइड्रोजन ट्रेन ने तय किया 1,200 किलोमीटर का सफर; 3,200 लीटर डीजल की बचत

विश्व केसरी

नई दिल्ली। भारत की पहली स्वदेशी हाइड्रोजन ट्रेन, जो 10-कोच मॉडल है और संचालन के दौरान केवल जलवाष्प उत्सर्जित करती है, ने सफलतापूर्वक 1,200 किलोमीटर से अधिक का सफर तय किया है। इस दौरान 3,200 लीटर से अधिक डीजल की बचत हुई। यह जानकारी रेलवे मंत्रालय ने शनिवार को जारी एक आधिकारिक बयान में दी।

रेलवे मंत्रालय के अनुसार, हाइड्रोजन ट्रेन में हाइड्रोजन और ऑक्सीजन के बीच होने वाली रासायनिक प्रक्रिया से ट्रेन के भीतर ही बिजली पैदा होती है। इस प्रक्रिया में उप-उत्पाद के रूप में केवल जलवाष्प निकलती है।

मंत्रालय ने बताया कि यह पूरी प्रक्रिया धुएं से मुक्त है और इसमें टेलपाइप कार्बन उत्सर्जन शून्य होता है। यही वजह है कि इसे वर्तमान समय की सबसे स्वच्छ रेल प्रोपल्शन तकनीक माना जा रहा है।

इस ट्रेन में दो हाइड्रोजन ड्राइविंग पावर कार हैं, जो कुल 2,400 किलोवाट की शक्ति प्रदान करती हैं। इन्हें लिथियम आयरन फॉस्फेट बैटरियों और हाइड्रोजन सिलेंडरों का भी समर्थन प्राप्त है।

ट्रेन के लिए ग्रीन हाइड्रोजन को 500 बार तक के दबाव पर संग्रहित किया गया है, जबकि 350 बार के दबाव पर इसकी आपूर्ति की जाती है।

कुल मिलाकर इसमें लगभग 3,000 किलोग्राम हाइड्रोजन संग्रहित करने की क्षमता है।

रेलवे मंत्रालय ने बताया कि ट्रेन में कई स्वतंत्र सुरक्षा प्रणालियां लगाई गई हैं, जो गैस रिसाव, अत्यधिक गर्मी, आग और धुएं का तुरंत पता लगा सकती हैं। इनके साथ ऑटोमैटिक शट-ऑफ सिस्टम, लगातार वेंटिलेशन, अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा मानकों का पालन और सभी आवश्यक तकनीकी परीक्षण भी सुनिश्चित किए गए हैं।

बयान के अनुसार, जींद और सोनीपत के बीच सफल संचालन के बाद अब जल्द ही इस ट्रेन का दिल्ली रूट पर भी ट्रायल शुरू किया जाएगा।

मंत्रालय ने कहा कि भारत की हाइड्रोजन फ्यूल सेल ट्रेन ने देश में स्वदेशी हाइड्रोजन रेल इकोसिस्टम की नींव रखी है और यह टिकाऊ, शून्य-उत्सर्जन रेल परिवहन के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। इससे भविष्य में इस तकनीक के विस्तार और स्वच्छ परिवहन के क्षेत्र में वैश्विक नेतृत्व का रास्ता भी खुलेगा।

एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक का वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही में मुनाफा तिमाही आधार पर 4 प्रतिशत घटा

विश्व केसरी

नई दिल्ली। एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक ने वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) के नतीजे जारी किए हैं। बैंक का शुद्ध लाभ (नेट प्रॉफिट) तिमाही आधार पर 4.3 प्रतिशत घटा है। हालांकि, सालाना आधार पर बैंक के मुनाफे में 37 प्रतिशत की मजबूत बढ़ोतरी दर्ज की गई, जिसे नेट इंटरेस्ट इनकम (एनआईआई) में हुई शानदार वृद्धि का समर्थन मिला।

बैंक ने एक्सचेंज फाइलिंग में बताया कि अप्रैल-जून तिमाही में उसका शुद्ध लाभ 795.95 करोड़ रुपए रहा, जबकि जनवरी-मार्च तिमाही में यह 831.87 करोड़ रुपए था।

वहीं, पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में बैंक का शुद्ध लाभ 581 करोड़ रुपए था। इस तरह सालाना आधार पर बैंक के मुनाफे में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई।

बैंक की नेट इंटरेस्ट इनकम (एनआईआई) यानी ब्याज से होने वाली आय और ब्याज पर होने वाले खर्च के बीच का अंतर, सालाना आधार पर 31.9 प्रतिशत बढ़कर 2,696 करोड़ रुपए हो गया, जो पिछले वर्ष की समान तिमाही में 2,044 करोड़ रुपए था।

समीक्षाधीन तिमाही में बैंक का ऑपरेटिंग प्रॉफिट भी सालाना आधार पर 9.4 प्रतिशत बढ़कर 1,435 करोड़ रुपए पहुंच गया, जो पिछले वित्त वर्ष की पहली तिमाही में 1,312 करोड़ रुपए था।

इस दौरान बैंक के प्रावधान (प्रोविजन्स) में भी कमी आई, और यह सालाना आधार पर 30.4 प्रतिशत घटकर 371 करोड़ रुपए रह गया, जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में यह 533 करोड़ रुपए था। इससे संकेत मिलता है कि बैंक की क्रेडिट कॉस्ट में कमी आई है।

एसेट क्वालिटी की बात करें तो 30 जून तक बैंक का सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्ति (जीएनपीए) अनुपात बढ़कर 2.10 प्रतिशत हो गया, जो मार्च तिमाही के अंत में 2.03 प्रतिशत था।

इसी तरह, शुद्ध गैर-निष्पादित परिसंपत्ति (एनएनपीए) अनुपात भी तिमाही आधार पर 0.74 प्रतिशत से बढ़कर 0.76 प्रतिशत हो गया। शुक्रवार को नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक का शेयर 1,002.25 रुपए पर बंद हुआ। पिछले 52 सप्ताह में शेयर ने 1,090.40 रुपए का उच्चतम स्तर और 682.50 रुपए का न्यूनतम स्तर छुआ है।

हाल के सप्ताहों में बैंक का शेयर व्यापक बाजार की तुलना में कमजोर प्रदर्शन करता नजर आया है।

पिछले एक सप्ताह में बैंकिंग शेयर 2.68 प्रतिशत, दो सप्ताह में 6.54 प्रतिशत, एक महीने में 6.11 प्रतिशत और तीन महीनों में 5.95 प्रतिशत तक गिर चुका है।

जबकि, इसी अवधि में बीएसई सेंसेक्स पिछले दो सप्ताह में 1.95 प्रतिशत और एक महीने में 1.21 प्रतिशत गिरा है। इससे स्पष्ट है कि इन अवधियों में एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक का शेयर अपने बेंचमार्क इंडेक्स की तुलना में कमजोर प्रदर्शन कर रहा है।

क्या रील्स की लत बना रही है दिमाग को सुस्त? ब्रेन रॉट के संकेत, डॉक्टर ने दी ये चेतावनी

अपने आप में शॉर्ट वीडियो नुकसानदायक नहीं होते हैं, अगर उन्हें सीमित मात्रा में देखा जाए, तो वे मनोरंजक, उपयोगी और जानकारीपूर्ण हो सकते हैं. असली समस्या तब शुरू होती है जब लगातार स्क्रॉल करना एक आदत बन जाती है और अच्छे कामों की जगह ले लेती है. एक्सपर्ट से यहां जानिए इससे कब समस्या बनने लगती है.

आजकल सोशल मीडिया साइट्स पर लोग शॉर्ट वीडियो देखने में काफी समय बिताते हैं. शॉर्ट वीडियो ऐसे होते हैं जो कुछ ही सेकंड में ध्यान खींच लेते हैं. इनमें आमतौर पर चमकीली तस्वीरें, तेजी से बदलते ट्रांजीशन , अच्छा संगीत और इनफिनिट स्क्रॉलिंग, होता है. हर नए स्वाइप के साथ नया डोज मिलता है. ऐसे में एक बार में कई शॉर्ट वीडियो देखने से दिमाग हर कुछ सेकंड में अपडेट पाने का आदी हो जाता है. इसका असर फोकस करने की क्षमता पर पड़ता है. इसलिए, ऐसे कामों पर ध्यान लगाना मुश्किल हो जाता है जिनमें सोचने और ध्यान देने की जरूरत होती है. ब्रेन रॉट शब्द का इस्तेमाल अक्सर ऐसी ही स्थिति के लिए किया जाता है.

गुरुग्राम स्थित अर्टेमिस हॉस्पिटल में न्यूरोसर्जरी और साइबरनाइफ के डायरेक्टर, डॉ. आदित्य गुप्ता बताते हैं कि जब लगातार शॉर्ट वीडियो देखने की वजह से दिमाग थक जाता है और फोकस नहीं कर पाता तो ये ब्रेन रॉट की स्थिति होती है. लेकिन ब्रेन रॉट कोई साइंटिफिक शब्द नहीं है, पर यह साफ है कि स्क्रीन के सामने ज्यादा समय बिताना और तेजी से डिजिटल जानकारी लेना नुकसानदायक है. स्टूडेंट्स या प्रोफेशनल लोग देख सकते हैं कि पढ़ते या काम करते समय कितनी आसानी से ध्यान भटकने लगता है और बार-बार अपना फोन चेक करते रहते है.

रील्स का असर दिमाग पर

एक्सपर्ट बताते हैं कि दिमाग को मिले डेटा को प्रोसेस करने और स्टोर करने के लिए समय चाहिए होता है. हालांकि, लगातार स्क्रॉल करते रहने से इस प्रक्रिया के लिए बहुत कम समय मिल पाता है. एक के बाद एक वीडियो आते रहते हैं, इसलिए लॉन्ग-टर्म मेमोरी में बहुत कम जानकारी स्टोर हो पाती है. ऐसे में आप महसूस कर सकते हैं कि उन्होंने एक घंटा वीडियो देखने में बिता दिया, लेकिन उन्हें देखी गई एक भी चीज याद नहीं रहती.

मेंटल इलनेस का कारण बन रहे शॉर्ट वीडियो

रिसर्च से पता चलता है कि शॉर्ट वीडियो का बहुत ज्यादा इस्तेमाल तनाव, एंग्जायटी , नींद की समस्याओं और काम करने की क्षमता में कमी का कारण बनता है. इसके अलावा, बहुत ज्यादा बदले हुए (फिल्टर किए गए) जीवनशैली और अनरियलिस्टिक कंटेंट को देखने से तुलना करने की भावना बढ़ सकती है, जिससे असुरक्षा और कम आत्म-सम्मान जैसी समस्याएं पैदा होती हैं. देर रात तक स्क्रॉल करना खास तौर पर नुकसानदायक हो सकता है क्योंकि स्क्रीन से निकलने वाली नीली रोशनी और लगातार मानसिक गतिविधि नींद में बाधा डालती है, जो दिमाग के काम करने और मूड को स्थिर रखने के लिए जरूरी है.

कैसे करें बचाव

अच्छी बात यह है कि स्वस्थ ऑनलाइन आदतों से इन नकारात्मक प्रभावों को ठीक किया जा सकता है. उदाहरण के लिए, स्क्रीन-टाइम की सीमा तय करना, गैर-जरूरी नोटिफिकेशन बंद करना और खाना खाते समय या सोने से पहले फोन का इस्तेमाल न करने से स्थिति में काफी सुधार हो सकता है. अन्य उपयोगी सुझावों में बार-बार ब्रेक लेना, किताबें पढ़ना, व्यायाम करना, माइंडफुलनेस का अभ्यास करना और घर से बाहर समय बिताना शामिल है।

Image : AI Generated

वेलवेट से बांधनी तक, सावन में ऐसे स्टाइल करें हरी साड़ी, जानें ब्लाउज, ज्वेलरी, मेकअप हैक्स

सावन 2026 में पाना चाहती हैं एकदम परफेक्ट और रॉयल लुक? वेलवेट से लेकर ट्रेडिशनल बांधनी और लहरिया तक, जानें हरी साड़ी को स्टाइल करने के शानदार तरीके. कंट्रास्ट ब्लाउज, ट्रेंडी ऑक्सीडाइज्ड ज्वेलरी, ग्लोइंग मेकअप और गजरा बन हैक्स के साथ इस सावन अपनी खूबसूरती से हर किसी का दिल जीतें!

सावन का पावन महीना आते ही हर तरफ हरियाली की खूबसूरत छटा बिखर जाती है. इस पावन अवसर पर हरे रंग के कपड़े पहनना बेहद शुभ माना जाता है, क्योंकि यह रंग खुशहाली, सौभाग्य और भगवान शिव-पार्वती के आशीर्वाद से जुड़ा है. तीज-त्योहारों से लेकर सावन के सोमवार तक, महिलाएं खुद को पारंपरिक अंदाज में सजाने के लिए हरी साड़ी को सबसे पहली पसंद मानती हैं.

अगर आप इस बार अपनी साधारण साड़ी को एक नया और ग्रेसफुल टच देना चाहती हैं, तो फैब्रिक का चुनाव बहुत सोच-समझकर करें. इन दिनों हैवी और रॉयल लुक के लिए वेलवेट (Velvet) साड़ी काफी ट्रेंड में है. इसके अलावा, अगर आप पूजा-पाठ के लिए हल्का और कंफर्टेबल ऑप्शन चाहती हैं, तो शिफॉन, ऑर्गेनज़ा या कॉटन की लाइट ग्रीन साड़ी आपके लिए सबसे बेस्ट रहेगी.

ट्रेडिशनल और एथनिक वाइब्स पसंद करने वाली महिलाओं के लिए बांधनी (Bandhani) और लहरिया प्रिंट वाली हरी साड़ियां हमेशा एवरग्रीन रहती हैं. सावन के महीने में लहरिया पैटर्न का अपना एक अलग ही धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व है. गोटा-पत्ती या हल्के जरी वर्क वाली बांधनी साड़ी पहनकर आप मिनटों में फेस्टिव-रेडी हो सकती हैं.

साड़ी चाहे कितनी भी सिंपल क्यों न हो, एक परफेक्ट ब्लाउज उसके पूरे लुक को बदल सकता है. इस सावन प्लेन मैचिंग ब्लाउज की जगह कंट्रास्ट शेड्स ट्राई करें. हरी साड़ी के साथ मैरून, रानी पिंक, बोटल ग्रीन या गोल्डन जरी वर्क वाला ब्लाउज बहुत खूबसूरत लगता है. कट-वर्क, स्लीवलेस या कोहनी तक की लंबाई

अब बात करते हैं ज्वेलरी की, जो आपके एथनिक लुक को पूरा करती है।

बच्चों के लिये संडे बन जाएगा फनडे, बनाइए उनका फेवरेट स्पाइसी पास्ता, नोट रेसिपी

स्पाइसी रेड सॉस पास्ता की आसान रेसिपी. यह इटैलियन और इंडियन फ्लेवर का मिश्रण है, जिसे लंच, डिनर या स्नैक्स में बना सकते हैं. ये रेसिपी बच्चों की फेवरेट रेसिपी में से एक है, तो इसे जरूर ट्राई करें.

अगर आपको तीखा और मसालेदार खाना पसंद है, तो स्पाइसी रेड सॉस पास्ता आपके लिए एक बेहतरीन विकल्प है. यह इटैलियन और इंडियन फ्लेवर का शानदार मिश्रण है, जिसमें टमाटर की खटास, लाल मिर्च का तीखापन और सब्जियों का स्वाद भरपूर मिलता है. यह रेसिपी बच्चों और बड़ों दोनों को पसंद आती है और इसे लंच, डिनर या शाम के स्नैक्स के रूप में बनाया जा सकता है.

आवश्यक सामग्री

2 कप पास्त, 4 कप पानी,1 छोटा चम्मच नमक, 1 बड़ा चम्मच तेल

सॉस के लिए, 3 बड़े टमाटर (प्यूरी बने हुए), 1 बड़ा प्याज (बारीक कटा , हुआ),1 शिमला मिर्च (बारीक कटी , हुई),4-5 लहसुन की कलियां (कटी , हुई), 2 हरी मिर्च, 1 बड़ा चम्मच टोमैटो सॉस, 1 छोटा चम्मच लाल मिर्च , पाउडर, 1 छोटा चम्मच कश्मीरी लाल

सबसे पहले एक बड़े बर्तन में पानी उबालें।

इसमें नमक और थोड़ा तेल डालें. अब पास्ता डालकर 8 से 10 मिनट तक पकाएं. जब पास्ता नरम हो जाए, तो उसे छान लें और ऊपर से ठंडा पानी डाल दें ताकि वह चिपके नहीं.

स्पाइसी सॉस बनाने की विधि

एक पैन में ऑलिव ऑयल या मक्खन गर्म करें. इसमें कटा हुआ लहसुन डालें और हल्का सुनहरा होने तक भूनें. अब प्याज और हरी मिर्च डालकर 2-3 मिनट तक पकाएं।

ऋषिकेश की ये 4 जगहें देती हैं विदेश जैसा एहसास, मानसून में दिखती हैं और भी खूबसूरत

अगर आपको लगता है कि विदेश जैसा खूबसूरत नजारा देखने के लिए लाखों रुपये खर्च करने पड़ते हैं, तो एक बार ऋषिकेश की इन जगहों पर जरूर नजर डालिए. यहां गंगा के किनारे बसे शांत ठिकाने, हरियाली से घिरे व्यू पॉइंट्स, लकड़ी और पत्थरों से बने खूबसूरत रिसॉर्ट और आध्यात्मिक माहौल ऐसी फील देते हैं, जैसे आप किसी विदेशी डेस्टिनेशन पर घूम रहे हों.

ऋषिकेश की सबसे खूबसूरत जगहों में गिने जाने वाला ग्लासहाउस ऑन द गंगा पहली नजर में किसी यूरोपियन रिवरसाइड कॉटेज जैसा लगता है. चारों तरफ ऊंचे पेड़, सामने बहती गंगा और लकड़ी-पत्थर से बनी इसकी डिजाइन इसे बेहद खास बनाती है. यहां का शांत माहौल शहर की भागदौड़ से बिल्कुल अलग एहसास देता है. मानसून में जब हल्की बारिश और बादल इस जगह को घेर लेते हैं, तब यहां का नजारा किसी विदेशी पोस्टकार्ड जैसा दिखाई देता है.

अगर आप ऐसी जगह की तलाश में हैं जहां सिर्फ सुकून मिले, तो यह जगह बिल्कुल परफेक्ट है. सुबह गंगा किनारे बैठकर चाय पीना, पक्षियों की आवाज सुनना और ठंडी हवा का आनंद लेना अपने आप में अलग अनुभव है. यहां आने वाले कई लोग कहते हैं कि तस्वीरें देखने के बाद यकीन ही नहीं होता कि यह जगह भारत में है. इसलिए यह ऋषिकेश की सबसे खास लोकेशन में शामिल है.

क्यार्की सनसेट पॉइंट उन लोगों के लिए किसी जन्नत से कम नहीं है जिन्हें पहाड़, बादल और खुला आसमान पसंद है. यहां पहुंचते ही सामने फैली हरी-भरी घाटियां और दूर तक नजर आने वाली पर्वत श्रृंखलाएं मन मोह लेती हैं।

मानसून के मौसम में जब बादल पहाड़ों के बीच उतर आते हैं, तब पूरा नजारा किसी स्विट्जरलैंड की वादी जैसा महसूस होता है. यही वजह है कि यह जगह तेजी से पर्यटकों की पसंद बन रही है.

शाम के समय यहां का सनसेट सबसे ज्यादा आकर्षित करता है. डूबते सूरज की सुनहरी रोशनी जब पहाड़ों पर पड़ती है तो पूरा माहौल जादुई हो जाता है. फोटो और वीडियो बनाने के लिए भी यह शानदार लोकेशन मानी जाती है. अगर आप भीड़ से दूर कुछ समय प्रकृति के बीच बिताना चाहते हैं, तो क्यार्की सनसेट पॉइंट आपकी ट्रैवल लिस्ट में जरूर होना चाहिए.

ऋषिकेश का नीम बीच अपनी साफ फिरोजी गंगा, बड़े-बड़े सफेद पत्थरों और शांत माहौल के लिए जाना जाता है।

10 मिनट में बनाएं स्वाद और सेहत से भरपूर अलसी की चटनी, चावल-दाल का बढ़ा देगी स्वाद

स्वाद और सेहत का परफेक्ट कॉम्बिनेशन है बिहार की मशहूर अलसी (तिसी) की चटनी. इसे आसानी से घर पर तैयार किया जा सकता है. दाल-चावल या पराठों के साथ सर्व की जाने वाली यह चटनी दिल और पाचन को भी दुरुस्त रखती है. पढ़ें पूरी सामग्री और स्टेप-बाय-स्टेप विधि.

बिहार के खान-पान का जब भी ज़िक्र होता है, तो सबसे पहले लिट्टी-चोखा का नाम दिमाग में आता है. लेकिन बिहारी रसोई की एक और बेहद ख़ास और पारंपरिक पहचान है तिसी (अलसी) की चटनी. भुनी हुई तीसी, लहसुन, सूखी लाल मिर्च और कच्चे सरसों तेल के झार से तैयार यह चटनी स्वाद में जितनी चटपटी और तीखी होती है, सेहत के लिहाज़ से उतनी ही गुणकारी. इसे दाल-चावल, रोटी या पराठे के साथ परोसा जाए, तो यह साधारण भोजन के जायके को भी दोगुना कर देती है. आइए जानते हैं ओमेगा-3 से भरपूर बिहार की इस मशहूर चटनी की बेहद आसान और पारंपरिक रेसिपी.

आवश्यक सामग्री (Ingredients)-

तीसी (अलसी): 1 कप, सूखी लाल मिर्च: 2 से 3 (स्वादानुसार)

लहसुन की कलियां: 8 से 10, नींबू का रस: 1 से 2 चम्मच

नमक: स्वादानुसार, कच्चा सरसों का तेल: 1 बड़ा चम्मच

पानी: आवश्यकतानुसार, तीसी और मिर्च को भूनें:

सबसे पहले एक लोहे की कड़ाही या पैन को मध्यम आंच पर गरम करें. इसमें तीसी के दानों को डालें और लगातार चलाते हुए भूनें. जब तीसी चटकने लगे और उसमें से सोंधी सी खुशबू आने लगे।

रोज 1-2 पीस डार्क चॉकलेट खाने से क्या होता है? जानिए 70% कोकोआ वाली चॉकलेट के 7 वैज्ञानिक फायदे

क्या रोज 1-2 पीस डार्क चॉकलेट खाना सेहत के लिए फायदेमंद है? जानिए 70% या उससे अधिक कोकोआ वाली डार्क चॉकलेट के 7 वैज्ञानिक फायदे, सही मात्रा और किन लोगों को इसे खाते समय सावधानी बरतनी चाहिए.

अगर आप चॉकलेट के शौकीन हैं, तो आपके लिए अच्छी खबर है. अगर आप सही मात्रा में और सही तरह की डार्क चॉकलेट को अपने लाइफ में शामिल करें तो आपकी सेहत को कई तरह से इससे फायदा मिल सकता है. खासकर 70% या उससे अधिक कोकोआ वाली डार्क चॉकलेट. बता दें कि इसमें फ्लेवोनॉयड्स, पॉलीफेनॉल्स और कई जरूरी मिनरल्स पाए जाते हैं, जो शरीर को कई तरह से फायदा पहुंचा सकते हैं. हालांकि, यह तभी फायदेमंद है जब इसे सीमित मात्रा में खाया जाए. विशेषज्ञ आमतौर पर रोजाना 20 से 30 ग्राम (करीब 1-2 छोटे पीस) डार्क चॉकलेट पर्याप्त मानते हैं. आइए जानते हैं कि रिसर्च के अनुसार डार्क चॉकलेट के 7 बड़े फायदे क्या हैं.

1. दिल को रख सकती है स्वस्थ

हेल्?थलाइन के मुताबिक, डार्क चॉकलेट में मौजूद फ्लेवोनॉयड्स रक्त वाहिकाओं को रिलैक्स करने में मदद कर सकते हैं. इससे ब्लड फ्लो बेहतर होता है और लंबे समय में हृदय रोग का खतरा कम हो सकता है. कुछ अध्ययनों में नियमित और सीमित मात्रा में डार्क चॉकलेट खाने को बेहतर कार्डियोवैस्कुलर हेल्थ से जोड़ा गया है.

2. एंटीऑक्सीडेंट्स का बेहतरीन स्रोत

70% या उससे ज्यादा कोकोआ वाली डार्क चॉकलेट में भरपूर एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं. ये शरीर में बनने वाले फ्री रेडिकल्स से लड़ने में मदद करते हैं, जिससे कोशिकाओं को नुकसान कम पहुंच सकता है और कई बीमारियों का जोखिम घट सकता है.

3. ब्लड प्रेशर पर सकारात्मक असर

कुछ रिसर्च बताती हैं कि डार्क चॉकलेट में मौजूद फ्लेवोनॉयड्स शरीर में नाइट्रिक ऑक्साइड के उत्पादन को बढ़ावा देते हैं. इससे रक्त वाहिकाएं फैलती हैं और ब्लड प्रेशर को नियंत्रित रखने में मदद मिल सकती है. हालांकि यह असर हर व्यक्ति में समान नहीं होता.

4. ब्रेन फंक्शन को सपोर्ट कर सकती है

डार्क चॉकलेट खाने से मस्तिष्क में रक्त संचार बेहतर हो सकता है. कुछ अध्ययनों के अनुसार इससे फोकस, याददाश्त और सीखने की क्षमता पर सकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है. इसमें मौजूद थोड़ी मात्रा में कैफीन और थियोब्रोमीन भी दिमाग को अलर्ट रखने में मदद करते हैं.

5. त्वचा को मिल सकता है फायदा

रिसर्च के अनुसार कोकोआ में मौजूद फ्लेवोनॉल्स त्वचा को यूवी किरणों से होने वाले नुकसान से कुछ हद तक बचाने, त्वचा की नमी बनाए रखने और ब्लड फ्लो सुधारने में मदद कर सकते हैं।

स्मृति ईरानी की सादगी की कायल रावी गुप्ता

बोलीं- 'इतनी बड़ी हस्ती होकर भी सेट पर नहीं दिखातीं अपना रुतबा'

मुंबई। टीवी अभिनेत्री रावी गुप्ता इन दिनों अपने चर्चित शो 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' के दूसरे सीजन को लेकर चर्चा में हैं। सालों बाद इस लोकप्रिय शो में वापसी करने वाली रावी ने अपने को-स्टार और शो की मुख्य अभिनेत्री स्मृति ईरानी के साथ काम करने का अनुभव साझा किया है।

उन्होंने कहा है कि इतनी बड़ी पहचान और लंबा अनुभव होने के बावजूद स्मृति सेट पर कभी भी अपने स्टारडम का दिखावा नहीं करतीं।

रावी गुप्ता ने आईएएनएस से बात करते हुए कहा, ''स्मृति ईरानी बेहद शानदार अभिनेत्री होने के साथ-साथ एक अच्छी इंसान भी हैं। उनके पास बड़ी पहचान है, लेकिन वह इसे कभी अपने व्यवहार में नहीं आने देतीं। वह सेट पर सभी को बराबर महत्व देती हैं और हर कलाकार के काम को बेहतर बनाने में मदद करती हैं। उनसे हर दिन कुछ नया सीखने को मिलता है और उनके साथ काम करना हमेशा एक अच्छा अनुभव रहता है।''

रावी ने कहा, ''जब भी स्मृति कोई सुझाव देती हैं तो मैं उसे बहुत ध्यान से सुनती हूं, क्योंकि उनके सुझाव हमेशा पूरे सीन और कलाकार के प्रदर्शन को बेहतर बनाने के लिए होते हैं। मैं पहले सीजन में भी इस शो का हिस्सा रह चुकी हूं और इतने सालों बाद उसी दुनिया में लौटना मेरे लिए पुराने दिनों में वापस जाने जैसा है।''

उन्होंने बताया, ''जब मैंने पहली बार दामिनी का किरदार निभाया था, तब यह किरदार काफी गुस्से वाला था। जिंदगी में मिले संघर्षों और परेशानियों की वजह से उसके अंदर काफी नाराजगी थी। लेकिन समय के साथ मेरा किरदार काफी बदल गया है। अब दामिनी एक समझदार महिला है और एक बड़े बेटे की मां भी है। जिंदगी के अनुभवों ने उसे काफी समझदार बना दिया है। मैं खुद भी इस किरदार से जुड़ाव महसूस कर रही हूं, क्योंकि मेरी अपनी जिंदगी में भी समय के साथ काफी बदलाव आए हैं।''

रावी ने कहा, ''इतने लंबे अंतराल के बाद उसी किरदार में वापसी करना आसान नहीं था। मुझे डर था कि दर्शक मेरे किरदार को दोबारा स्वीकार करेंगे या नहीं। बीच के समय में यह किरदार किसी और कलाकार ने भी निभाया था, इसलिए तुलना होना स्वाभाविक है। हालांकि, मुझे अपनी अभिनय क्षमता पर भरोसा है, लेकिन मन में ये सवाल जरूर आते थे।''

रावी गुप्ता ने शो में दोबारा मौका देने के लिए निर्माता एकता कपूर का धन्यवाद भी किया। उन्होंने कहा कि वह इस अवसर के लिए बेहद आभारी हैं और जिस तरह दर्शकों ने उन्हें दोबारा स्वीकार किया है, उससे वह खुश हैं।

माता-पिता को खोने का दर्द बयां कर भावुक हुए सोनू सूद, फैंस से की खास अपील

विश्व केसरी ■

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता सोनू सूद अपनी दरियादिली और परोपरकार के लिए लाखों दिलों पर राज करते हैं। शनिवार को अभिनेता ने सोशल मीडिया के माध्यम से माता-पिता को याद करते हुए खास पोस्ट शेयर किया।

अभिनेता ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर माता-पिता की याद में एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वे कहते हैं, 'मैं उन लोगों में से हूं, जिन्होंने बहुत कम उम्र में अपने माता-पिता को खो दिया था। आज मैं आपसे जो कहने जा रहा हूं, वह किसी किताब की लाइन नहीं है, बल्कि जिंदगी के सबसे कठिन समय के अनुभवों से निकली है। एक दिन जब आपके माता-पिता दुनिया से छोड़कर चले जाते हैं, तब आपके भले उनका नंबर होगा, लेकिन कॉल उठाने वाले कोई नहीं होंगे। हो सकता है उस समय आपके पास बहुत पैसा हो। आप उनके लिए बहुत कुछ खरीदना चाहेंगे, लेकिन आप कुछ नहीं कर पाएंगे, क्योंकि आपके माता-पिता आपके साथ नहीं होंगे।

अभिनेता सोनू सूद ने आगे माता-पिता के जाने के बाद वाले अफसोस को बयां करते हुए कहा, 'जब माता-पिता नहीं होंगे, तब आप उनके पुराने मैसेज पढ़ेंगे, घंटों तस्वीरें देखते रहेंगे और सोचेंगे कि काश मैं उन्हें एक बार गले लगा पाता, लेकिन तब वे आपके पास नहीं होंगे। उस दिन आपको एहसास होगा कि दुनिया की हर चीज वापस पाई जा सकती है, लेकिन माता-पिता के साथ बिताया हुआ समय कभी वापस नहीं आता।

उन्होंने माता-पिता की वैल्यू समझाते हुए कहा, 'इसलिए आज का समय बहुत कीमती है। अगर आपके माता-पिता आपके साथ हैं तो अभी जाकर उन्हें बताइए कि आप उनसे कितना प्यार करते हैं। उन्हें गले लगाइए और बताइए कि वे आपके लिए कितने खास हैं, क्योंकि आज वे आपके साथ हैं, लेकिन कल का कोई भरोसा नहीं।

अभिनेता ने वीडियो शेयर करते हुए लिखा, 'मम्मी-पापा आपको बहुत याद कर रहे हैं।' सोनू सूद की बात करें तो अभिनेता जनवरी 2025 में एक्शन-थ्रिलर फिल्म 'फतेह' में नजर आए थे। इस फिल्म का निर्देशन उन्होंने खुद ही किया था। साइबर अपराध के गंभीर खतरे पर आधारित इस फिल्म में सोनू सूद, जैकलीन फर्नांडिस और नसीरुद्दीन शाह मुख्य भूमिका में थे।

बाढ़ प्रभावित असम को मदद की जरूरत, भूमि पेडनेकर की लोगों से अपील, ज्यादा से ज्यादा करें दान

मुंबई। असम में पिछले कुछ समय से बाढ़ के कारण हालात बेहद गंभीर बने हुए हैं। इस बड़ी आपदा को देखते हुए अभिनेत्री भूमि पेडनेकर ने शनिवार को सोशल मीडिया के जरिए लोगों से मदद की अपील की।

भूमि पेडनेकर ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर वीएक डियो जारी किया, जिसमें वह असम के बाढ़ पीड़ितों की सहायता के लिए आगे आने की अपील करती नजर आ रही हैं। जारी किए गए वीडियो में अभिनेत्री कहती हैं, 'नमस्ते, देश में इस समय जो कुछ भी हो रहा है, उसके बारे में हम सभी जानते हैं। मैं लोगों के जोश और एकजुटता को सलाम भी करती हूं, लेकिन देश का एक हिस्सा ऐसा भी हैं, जिसे इस समय हमारी सबसे ज्यादा जरूरत है और वह असम।

उन्होंने असम के हालातों के बारे में बताते हुए कहा, 'असम इस समय भयंकर बाढ़ का सामना कर रहा है। वहां के हालात इतने खराब है कि 7.5 लाख से अधिक लोगों को सुरक्षित जगहों पर ले जाना पड़ा है। अब तक 40 से ज्यादा लोगों की जान जा चुकी है और यह संख्या लगातार बढ़ रही है। पूरे के पूरे गांव बाढ़ में बह गए हैं। पशु भी बह गए हैं। लोगों ने अपनी मेहनत की सारी कमाई और घर-बार खो दिया है।

अभिनेत्री ने जोर देते हुए कहा कि इस मुद्दे पर ज्यादातर लोग बात ही नहीं कर रहे हैं। उन्होंने उम्मीद जताते हुए कहा कि जैसे पिछले साल पूरा देश पंजाब, जम्मू, बिहार और महाराष्ट्र के लोगों की मदद के लिए आगे आया था। ठीक उसी तरह सभी लोग असम के साथ खड़े हों।

छात्रों के समर्थन में उतरीं सौंदर्या रजनीकांत, कहा- 'उनकी आवाज सम्मान के साथ सुनी जानी चाहिए'

विश्व केसरी ■

मुंबई। फिल्म निर्माता और सुपरस्टार रजनीकांत की छोटी बेटी सौंदर्या रजनीकांत इन दिनों छात्रों के समर्थन में दिए गए अपने बयान को लेकर चर्चा में हैं। सौंदर्या ने दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर रहे छात्रों के प्रति अपनी एकजुटता जाहिर की है। उन्होंने कहा कि छात्र देश का भविष्य हैं और उनकी बातों को सुना जाना चाहिए।

सौंदर्या रजनीकांत ने शुक्रवार को इंस्टाग्राम के जरिए छात्रों के समर्थन में एक पोस्ट किया। उन्होंने लिखा, ''मैं भारत के छात्रों के साथ एकजुटता से खड़ी हूं। छात्रों की आवाज को सम्मान, गरिमा और संवेदनशीलता के साथ सुना जाना चाहिए, क्योंकि यही युवा देश का भविष्य हैं।''

उन्होंने अपनी पोस्ट में आगे लिखा, ''हर छात्र को ऐसी शिक्षा व्यवस्था मिलनी चाहिए, जो उसके अंदर आत्मविश्वास पैदा करे और उसे आगे बढ़ने की उम्मीद दे। एक बेहतर शिक्षा प्रणाली के लिए लगातार प्रयास करते रहना जरूरी है, ताकि छात्रों को निष्पक्ष और भरोसेमंद माहौल मिल सके।''

सौंदर्या के अलावा मलयालम फिल्मों की लोकप्रिय अभिनेत्री मंजू वारियर ने भी छात्रों के प्रदर्शन को लेकर अपनी राय रखी है। उन्होंने कहा कि किसी भी मुद्दे पर राजनीति से पहले इंसानियत को महत्व दिया जाना चाहिए। युवाओं को सवाल पूछने, अपनी परेशानियां सामने रखने और सरकार से जवाब मांगने का अधिकार है।

मंजू वारियर ने कहा, ''देश की परीक्षा प्रणाली में लोगों का भरोसा बनाए रखना बहुत जरूरी है। शिक्षा व्यवस्था में विश्वास तभी मजबूत हो सकता है, जब उसमें पारदर्शिता, जवाबदेही और निष्पक्षता हो। छात्रों को डर का माहौल नहीं बल्कि उम्मीद और बेहतर भविष्य मिलना चाहिए।''

दरअसल, दिल्ली के जंतर-मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के सदस्य परीक्षा व्यवस्था में कथित गड़बड़ियों के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं। प्रदर्शनकारी लगातार सामने आ रही परीक्षा संबंधी समस्याओं, जिसमें नीट-यूजी पेपर लीक जैसे मामले भी शामिल हैं, को लेकर अपनी नाराजगी जाहिर कर रहे हैं ।

जिम में वर्कआउट करते हुए दिखे सलमान खान, शेयर किया दमदार कैप्शन

मुंबई। अभिनेता सलमान खान ने शनिवार को सोशल मीडिया पर अपनी नई तस्वीरें शेयर करते हुए एक संदेश लिखा, जिसके बाद उनकी पोस्ट चर्चा का विषय बन गई।

सलमान खान ने इंस्टाग्राम पर जिम में खिंचवाई गई अपनी शर्टलेस तस्वीरें साझा कीं, जिनमें वह अपनी फिटनेस और एब्स दिखाते नजर आ रहे हैं। तस्वीरों के साथ उन्होंने लिखा, 'सलमान खान डर गया.... हम्मम, जो डर गया, समझो वो मर गया।

पोस्ट के बाद सोशल मीडिया पर कई यूजर्स ने उनके कैप्शन को लेकर अलग-अलग प्रतिक्रियाएं दीं। कुछ यूजर्स ने इसे हाल के दिनों में हुई ट्रोलिंग से जोड़कर देखा।

हाल ही में सलमान खान मुंबई में आयोजित एक एसआरए कार्यक्रम में शामिल हुए थे। इस दौरान उनके लुक को लेकर सोशल मीडिया पर विभिन्न तरह की टिप्पणियां की गई थीं। कुछ प्रशंसकों ने उनकी सेहत को लेकर चिंता जताई, जबकि कुछ ने उनकी तुलना दिवंगत अभिनेता धर्मेंद्र से की।

इससे पहले सलमान खान दिल्ली और मुंबई में चल रहे विरोध-प्रदर्शनों पर अपनी प्रतिक्रिया को लेकर भी चर्चा में रहे थे।

पेशेवर जीवन की बात करें तो सलमान खान जल्द ही फिल्म 'मातृभूमि: मे वॉर रेस्ट इन पीस' में नजर आएंगे। अपूर्व लाखिया के निर्देशन में बन रही इस फिल्म का निर्माण सलमान खान कर रहे हैं। फिल्म में उनके साथ अभिनेत्री चित्रांगदा सिंह भी प्रमुख भूमिका में हैं। फिल्म की कहानी भारत-चीन सीमा पर वर्ष 2020 में हुए गलवान घाटी संघर्ष से प्रेरित बताई जा रही है।

मिस ब्रिगेंजा का किरदार मेरी जीत और कमी दोनों है : अर्चना पूरन सिंह

विश्व केसरी ■

मुंबई। 1998 की ब्लॉकबस्टर फिल्म 'कुछ कुछ होता है' में मिस ब्रिगेंजा का किरदार निभाने वाली अभिनेत्री अर्चना पूरन सिंह को आज भी दर्शक उसी नाम से याद करते हैं। अभिनेत्री अर्चना पूरन सिंह ने आईएएनएस के साथ बातचीत में बताया कि उन्होंने अपने वेब सीरीज 'आदर्श बाल विद्यालय' के जरिए इसी दिशा में एक कदम बढ़ाया है। इस प्रोजेक्ट में उन्होंने जानबूझकर मिस ब्रिगेंजा वाली अपनी छवि से अलग किरदार निभाने की कोशिश की है।

उन्होंने कहा, ''आदर्श बाल विद्यालय' में मैंने जो किरदार निभाया है, वह मिस ब्रिगेंजा से बिल्कुल अलग है। मुझे उम्मीद है कि यह किरदार भी लोगों के दिलों में अपनी जगह बनाएगा। किसी फिल्म को सफल बनाने में उससे जुड़े हर व्यक्ति का योगदान होता है। मैं मिस ब्रिगेंजा के किरदार से काफी आगे बढ़ चुकी हूं और उम्मीद करती हूं कि दर्शक भी मुझे उस पुराने किरदार से आगे एक नए रूप में देखेंगे।

हालांकि, अभिनेत्री ने इस बात पर भी जोर दिया कि दर्शकों के अब उनके मिस ब्रिगेंजा के किरदार से आगे बढ़ जाना चाहिए। अर्चना पूरन सिंह का मानना है कि इस किरदार ने उनकी अभिनय सफर में एक उपलब्धि और चुनौती स्थापित की है। उन्होंने कहा, 'मिस ब्रिगेंजा एक तरफ मेरी जीत हैं, लेकिन इसे मेरी कमी भी कहा जा सकता है कि मैं अब तक ऐसा कोई दूसरा किरदार नहीं कर पाई, जो मिस ब्रिगेंजा को

पीछे छोड़ सके। इसका मतलब है कि जो कुछ अच्छा करना था, वह मैंने 20-25 साल पहले कर दिया। अब तक वैसा कुछ नया नहीं कर पाई।

अर्चना ने आगे कहा, 'लेकिन अगर मैं इसे सकारात्मक नजरिए से देखूं, तो यह धर्मा और करण जौहर द्वारा बनाया गया एक शानदार किरदार था।

अगर मैंने इसे अच्छे से निभाया, तो यह लोगों के दिलों और यादों में हमेशा के लिए बस गया।

उन्होंने यह भी कहा कि हर अभिनेता की इच्छा होती है कि वह खुद को नए-नए किरदारों के जरिए फिर से साबित करे।

बता दें कि हिंदी कॉमेडी-ड्रामा सीरीज 'आदर्श बाल विद्यालय' में अर्चना पूरन सिंह ने उर्मिला नाम का किरदार निभाया है, जो राजनीतिक रसूख रखने वाली महिला है। वह निजी जीवन की पुरानी दुश्मनी का बदला लेने के लिए हमेशा तैयार रहती हैं।

फ्रांस-स्पेन में जंगल की आग बेकाबू, लाखों बेघर

विश्व केसरी

पेरिस। फ्रांस और स्पेन में लगी जंगल की आग विकराल रूप ले चुकी है। फ्रांस के दक्षिण-पश्चिमी हिस्से में स्थिति गंभीर होने के बाद प्रशासन ने शनिवार को बॉरदॉ शहर के आसपास के इलाकों से हजारों लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया। वहीं, स्पेनिश पीएम पेड्रो सांचेज ने 'राष्ट्रीय वाइल्डफायर इमरजेंसी' घोषित करत दी है।

फ्रांस के ला नोवेल-अकितेन और गिरोंद क्षेत्र की स्थानीय प्रशासन प्रमुख सोफी ब्रोका ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी दी कि ले हायालन, आइजिन और मेरिग्नाक इलाकों को खाली कराया जा रहा है। फ्रांसीसी प्रधानमंत्री सेबेस्टियन लेकोर्नू ने बताया कि बॉरदॉ के पास स्थित गिरोंद और लांद क्षेत्रों से अब तक 1.41 लाख से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थानों पर भेजा जा चुका है। इन्हीं इलाकों में इस सप्ताह की शुरुआत में जंगल की आग भड़की थी। प्रधानमंत्री लेकोर्नू ने एक्स पर लिखा, ' देश में लगी ये आग अब तक के सबसे गंभीर स्तर पर पहुंच चुकी है। आग पर नियंत्रण पाने के लिए फ्रांसीसी सेना को भी अभियान में लगाया गया है। फ्रांस सरकार ने दक्षिण-पश्चिमी हिस्से में फैली आग से निपटने के लिए अतिरिक्त सैन्य बल तैनात किए हैं। साथ ही धुएं से बचाव के लिए गिरोंद क्षेत्र में लोगों और बचावकर्मियों के लिए 15 लाख मास्क भेजे गए हैं। गिरोंद प्रशासन ने बॉरदॉ के पश्चिमी उपनगरों के कुछ हिस्सों को खाली कराने का आदेश दिया है। इनमें शहर का हवाई अड्डा क्षेत्र भी शामिल है। इसके अलावा शहर के पश्चिम में स्थित कई अन्य कस्बों और गांवों को भी खाली कराया जा रहा है।

प्रधानमंत्री लेकोर्नू के अनुसार, अब तक 500 से अधिक सैन्यकर्मी अग्निशमन दलों की मदद के लिए तैनात किए जा चुके हैं और जरूरत के अनुसार और जवान भेजे जाएंगे। उन्होंने कहा कि मास्क का वितरण जमीन पर काम कर रहे कर्मचारियों और धुएं के संपर्क में आने वाले लोगों की सुरक्षा के लिए किया जा रहा है। वहीं, स्पेन में भी मैड्रिड के आसपास जंगल की आग की स्थिति को गंभीर बताया गया है। स्पेन के प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज ने प्रभावित इलाकों का दौरा करते हुए कहा कि हालात अभी भी 'जटिल' बने हुए हैं।

एल पाइस मीडिया आउटलेट के अनुसार, उन्होंने कहा कि तापमान में गिरावट के बावजूद हवा का रुख स्थिति को प्रभावित कर सकता है। सांचेज ने एक बार फिर जलवायु आपातकाल से निपटने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर समझौते की जरूरत पर जोर दिया। हालात के मद्देनजर उन्होंने राष्ट्रीय वाइल्डफायर इमरजेंसी की घोषणा कर दी। सांचेज ने कहा कि लोगों को यह समझना होगा कि जलवायु परिवर्तन के कारण जंगलों में लगने वाली आग पहले से अधिक तीव्र और विनाशकारी होती जा रही है।

ट्रंप के सामने प्रेस की स्वतंत्रता पर डब्ल्यूएचसीए का जोर, कहा- लोकतंत्र की बुनियाद है आजाद मीडिया

विश्व केसरी

वाशिंगटन। व्हाइट हाउस कॉरेस्पोंडेंट्स एसोसिएशन (डब्लयूएचसीए) ने शुक्रवार (स्थानीय समय) को अपने सालाना डिनर में फर्स्ट अमेंडमेंट और फ्री प्रेस की भूमिका का जोरदार बचाव किया। उन्होंने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से कहा कि पत्रकारों की आलोचना तो जायज है, लेकिन प्रेस की आजादी को कमजोर करने की कोशिशें अमेरिकी लोकतंत्र की नींव के लिए खतरा हैं।

ट्रंप का परिचय देने से पहले, रीशेड्यूल किए गए व्हाइट हाउस कॉरेस्पोंडेंट्स डिनर में डब्लयूएचसीए की निवर्तमान अध्यक्ष वेइजिया जियांग ने कहा कि राष्ट्रपति और प्रेस के बीच संबंध अक्सर झगड़े वाला होता था, लेकिन आखिर में यह अमेरिकी जनता की सेवा करने वाले संवैधानिक सुरक्षा पर आधारित होता है। जियांग ने कहा, 'हालांकि, प्रेस की आलोचना करने और उसे कमजोर करने की कोशिश करने में एक फर्क है, एक अस्तित्व का फर्क है। एक हम सभी को बेहतर बनाता है। दूसरा ठीक वही है जिसे फाउंडर रोकना चाहते थे।'

जियांग ने सीधे राष्ट्रपति ट्रंप को संबोधित करते हुए कहा कि राष्ट्रपति और पत्रकारों के बीच सवाल-जवाब लोकतांत्रिक प्रक्रिया का अहम हिस्सा है। उन्होंने कहा, 'जब हम सवाल पूछते हैं, तो आप जवाब में अपनी बात रखते हैं। आप हमें जवाब देते हैं और फिर हम आपसे दोबारा सवाल करते हैं।' जियांग ने ट्रंप के कारोबारी अनुभव का जिक्र करते हुए कहा, 'आप हमेशा से सौदे करने वाले व्यक्ति रहे हैं। उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा, 'तो यही हमारा सौदा है। फर्स्ट अमेंडमेंट कोई बातचीत का विषय नहीं, बल्कि तय व्यवस्था है। तीन महीने पहले व्हाइट हाउस कॉरेस्पोंडेंट्स डिनर के मूल कार्यक्रम के दौरान हुई गोलीबारी के कारण समारोह को स्थगित करना पड़ा था। जियांग ने इसका जिक्र करते हुए कहा कि उस हमले ने पत्रकारों के हौसले को कमजोर करने के बजाय उनके संकल्प को और मजबूत किया।

संक्षिप्त खबर

ट्रंप के नॉमिनी ने एआई एक्सपोर्ट पर सख्त कंट्रोल का वादा किया

विश्व केसरी

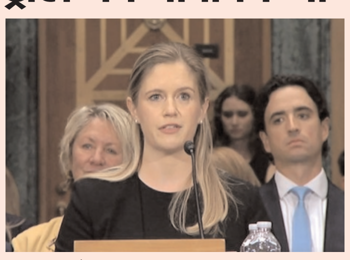

वॉशिंगटन। अमेरिकी निर्यात नियंत्रण विभाग के शीर्ष पद के लिए नामांकित प्रत्याशी ने इस सप्ताह एक बड़ा संकल्प लेते हुए कहा है कि वह अमेरिका की अत्यंत संवेदनशील और आधुनिक तकनीकों को शत्रु देशों के सैन्य मंसूबों तक नहीं पहुंचने देंगे। चीन के साथ बढ़ते वैश्विक मुकाबले के बीच, उन्होंने निर्यात नियंत्रण व्यवस्था को अधिक प्रभावी और सुदृढ़ बनाने के लिए अमेरिकी कांग्रेस और सहयोगी देशों के साथ मिलकर काम करने का भरोसा दिया है। कॉमर्स डिपार्टमेंट के ब्यूरो ऑफ इंडस्ट्री एंड सिक्योरिटी (बीआईएस) में एक्सपोर्ट एडमिनिस्ट्रेशन के असिस्टेंट सेक्रेटरी के तौर पर नॉमिनेट की गईं एबी वॉरेन ने सीनेट बैंकिंग कमेटी के सामने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और एडवांस्ड सेमीकंडक्टर की ग्लोबल होड़ के बीच, एक्सपोर्ट कंट्रोल वॉशिंगटन के सबसे अहम नेशनल सिक्योरिटी टूल्स में से एक हैं। वॉरेन ने सांसदों से कहा, 'ब्यूरो ऑफ इंडस्ट्री एंड सिक्योरिटी, अमेरिका की नेशनल सिक्योरिटी, इकोनॉमिक सिक्योरिटी और बेजोड़ टेक्नोलॉजिकल अचीवमेंट और साइंटिफिक इनोवेशन की सुरक्षा में अहम भूमिका निभाता है। उन्होंने आगे कहा, 'एक्सपोर्ट कंट्रोल उन सबसे अहम टूल्स में से हैं, जिनसे यह पक्का किया जा सकता है ।

अमेरिका में एच-1बी वीजा पर लग सकती है तीन साल की रोक, नए बिल में सख्त नियमों का प्रस्ताव

विश्व केसरी

वाशिंगटन। रिपब्लिकन सीनेटर टिम शीही ने एक नया विधेयक पेश किया है, जिसमें तीन साल तक नए एच-1बी वीजा जारी करने पर रोक लगाने का प्रस्ताव रखा गया है। इसके साथ ही वीजा नियमों को पहले से कहीं अधिक सख्त बनाने और विदेशी कर्मचारियों व छात्रों से जुड़े कई प्रावधानों में बड़े बदलाव की बात कही गई है। सीनेटर टिम शीही ने 'एंड एच-1बी वीजा एब्यूज एक्ट-2026' पेश करते हुए कहा कि इस कानून का उद्देश्य 'अमेरिकी मेहनतकश लोगों को प्राथमिकता देना' है। टिम शीही ने कहा, 'एच-1बी कार्यक्रम की शुरुआत उन विशेष और कठिन पदों पर कर्मचारियों की कमी को पूरा करने के लिए की गई थी, जहां योग्य लोग नहीं मिलते थे। इसका उद्देश्य योग्य और मेहनती अमेरिकी कर्मचारियों की जगह सस्ते विदेशी श्रमिकों को लाना कभी नहीं था। हमारे देश में प्रतिभा मौजूद है, इसलिए ऐसे वर्क परमिट जारी नहीं किए जाने चाहिए जो अमेरिकी कर्मचारियों के हितों को नुकसान पहुंचाएं। उन्होंने कहा कि उनका विधेयक एच-1बी कार्यक्रम को उसके मूल उद्देश्य के अनुरूप वापस लाएगा। इसके लिए कानून में मौजूद कमियों को दूर किया जाएगा, दुरुपयोग रोकने के लिए कड़े सुरक्षा प्रावधान लागू किए जाएंगे और राष्ट्रीय सुरक्षा को प्राथमिकता दी जाएगी। सीनेटर के कार्यालय के अनुसार, यदि यह विधेयक कानून बनता है ।

व्हाइट हाउस ने सऊदी अरब परमाणु डील को इजरायल समझौते से जोड़ा, दोनों देशों के बीच संबंध सामान्य होने की उम्मीद जताई

विश्व केसरी

वाशिंगटन। व्हाइट हाउस ने शुक्रवार (स्थानीय समय) को फिर से कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को उम्मीद है कि सऊदी अरब, इजरायल के साथ संबंध सामान्य करेगा। इसके साथ ही व्हाइट हाउस ने उम्मीद जताई कि सऊदी अरब प्रस्तावित नागरिक परमाणु समझौता को लेकर बड़ी समझ के हिस्से के तौर पर अब्राहम अकॉर्ड्स में शामिल होगा। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि अमेरिकी सरकार इस मुद्दे को अपनी मध्य-पूर्व रणनीति का केंद्र मानता है।

व्हाइट हाउस के डिप्टी चीफ ऑफ स्टाफ स्टीफन मिलर ने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सऊदी अरब से साफ कर दिया है कि इजरायल के साथ संबंधों को सामान्य बनाना और अब्राहम समझौते में शामिल होना उनकी प्रमुख अपेक्षाओं में शामिल है। मिलर ने कहा, 'राष्ट्रपति ने सऊदी अरब के सामने न सिर्फ इस कार्यकाल में, बल्कि पहले से ही यह स्पष्ट कर दिया है कि इजरायल के साथ संबंध सामान्य करने और अब्राहम समझौते में शामिल होने को लेकर उनकी क्या अपेक्षाएं, समय-सीमा और प्रतिबद्धताएं हैं। उनकी यह टिप्पणी उस सवाल के जवाब में आई कि ऊर्जा मंत्री क्रिस राइट की घोषणा से अलग सऊदी अरब के साथ परमाणु समझौते को इजरायल से संबंध सामान्य करने की शर्त से क्यों जोड़ा गया।

हालांकि मिलर ने इस प्रक्रिया के क्रम (सीक्वेंसिंग) पर सीधे जवाब नहीं दिया, लेकिन उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप के पास सऊदी नेतृत्व और उसकी दीर्घकालिक रणनीतिक सोच की गहरी समझ है। उन्होंने कहा, 'राष्ट्रपति ट्रंप से बेहतर आज कोई भी अमेरिकी सऊदी अरब की सोच, वहां के प्रमुख नेताओं और दोनों देशों के रिश्तों की प्रकृति को नहीं समझता। मिलर ने कहा कि ट्रंप का रियाद के साथ जुड़ाव 2017 में सऊदी अरब की राजधानी में दिए गए उनके ऐतिहासिक भाषण से शुरू हुआ था और उन्होंने क्षेत्र में सऊदी अरब की भूमिका को मजबूत करने में अहम योगदान दिया। उन्होंने कहा, 'अगर आप देखें कि आज सऊदी अरब किस स्थिति में है, तो 2017 के रियाद भाषण से लेकर क्षेत्र में हिंसक आतंकवाद के खिलाफ उसे मजबूत सहयोगी बनाने तक राष्ट्रपति ट्रंप ने सऊदी अरब को क्षेत्रीय स्थिरता के सबसे महत्वपूर्ण स्तंभों में से एक बनाने में मदद की है।

सऊदी अरब-यमन संघर्ष पर अराघची बोले, 'संघर्ष का समाधान संवाद से सैन्य हमले से नहीं'

विश्व केसरी

तेहरान। सऊदी अरब और यमन के बीच बढ़ते संघर्ष को ईरान ने ठीक नहीं माना है। विदेश मंत्री अब्बास अराघची के अनुसार, संघर्ष का कोई सैन्य समाधान नहीं हो सकता है। उन्होंने सऊदी अरब और हूती विद्रोहियों के बीच बढ़ते तनाव को देखते हुए सभी पक्षों से बातचीत के रास्ते पर लौटने की अपील की। यह टिप्पणी दोनों पक्षों की ओर से एक-दूसरे पर हमले किए जाने के बाद आया।

ईरानी दैनिक ईरान डेली को दिए एक इंटरव्यू में अराघची ने कहा, 'हम मानते हैं कि यमन, बाब अल-मंदेब और क्षेत्र से जुड़े अन्य मुद्दों का कोई सैन्य समाधान नहीं है।' उन्होंने इन समस्याओं के समाधान के लिए संवाद को जरूरी बताया। अराघची ने कहा कि यमन की स्थिति के लिए ईरान को जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता। उन्होंने बाब अल-मंदेब जलडमरूमध्य क्षेत्र में हो रही घटनाओं को यमन, सऊदी अरब और क्षेत्र के अन्य देशों के बीच पुराने विवादों और मुद्दों से जुड़ा बताया। खाड़ी क्षेत्र में जारी तनाव के बीच ईरान ने बताया कि शनिवार तड़के तक रात के दौरान कोई नया अमेरिकी हमला नहीं हुआ। यह लगभग दो सप्ताह तक लगातार चल रहे अमेरिकी हमलों के बाद पहली शांत रात बताई गई।

ईरान के स्वास्थ्य मंत्रालय के प्रवक्ता हुसैन करमानपुर ने कहा कि 'ईरान ने एक शांत रात बिताई।' इससे पहले की 13 रातों के विपरीत, अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) की ओर से किसी नए हमले की घोषणा नहीं की गई। ईरानी स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, जारी संघर्ष में अब तक ईरान में 3,400 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है।

महिलाओं और बच्चों के लापता होने पर बलूच संगठनों ने उठाई आवाज

विश्व केसरी

क्वेटा। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में जबरन लोगों को अगवा करने के बढ़ते मामलों को लेकर बलूच संगठनों ने गंभीर चिंता जताई है। बलूच महिला फोरम (बीडब्ल्यूएफ) ने आरोप लगाया है कि प्रांत में आम नागरिकों, महिलाओं और बच्चों के लापता होने की घटनाएं गंभीर मानवाधिकार संकट बनती जा रही हैं।

बीडब्ल्यूएफ का यह बयान 21 जुलाई को बलूचिस्तान के मस्तुंग जिले के किल्ली कोंगरह इलाके में हुई एक घटना के बाद आया, जहां संगठन के अनुसार सुरक्षा बलों ने एक घर पर छापा मारकर एक परिवार के छह सदस्यों को अपने साथ ले लिया। संगठन ने बताया कि कथित रूप से लापता लोगों में 33 वर्षीय बीबी राफिया, उनके तीन छोटे बच्चे 3 महीने, 4 साल और 6 साल के, उनके 40 वर्षीय भाई मुहम्मद आरिफ और 18 वर्षीय भतीजी बीबी निदा शामिल हैं। बलूच महिला फोरम ने कहा कि मस्तुंग की यह घटना केवल एक परिवार की त्रासदी नहीं है, बल्कि बलूचिस्तान में कथित जबरन गुमशुदगियों की लंबी श्रृंखला की एक कड़ी है। संगठन के अनुसार, स्थानीय मानवाधिकार कार्यकर्ता, प्रभावित परिवार और कई संस्थाएं लंबे समय से इस मुद्दे को उठाती रही हैं। बीडब्ल्यूएफ ने कहा कि कई परिवार वर्षों से अपने लापता परिजनों की वापसी का इंतजार कर रहे हैं। संगठन का आरोप है कि कई पीड़ितों की मौत अपने प्रियजनों का इंतजार करते-करते हो चुकी है, लेकिन कथित दमन की यह नीति अब भी जारी है। संगठन ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय कानून महिलाओं और बच्चों को विशेष सुरक्षा का अधिकार देता है। उसने कहा कि किसी मां का लापता होना केवल एक व्यक्ति के गायब होने तक सीमित नहीं रहता, बल्कि इससे पूरा परिवार, खासकर छोटे बच्चे, गंभीर मानसिक, आर्थिक और सामाजिक संकट में पहुंच जाते हैं। बीडब्ल्यूएफ ने बलूचिस्तान में कथित मानवाधिकार उल्लंघनों का जिक्र करते हुए कहा कि कई लोगों को वर्षों तक अज्ञात स्थानों पर हिरासत में रखा जाता है। संगठन ने आरोप लगाया कि कुछ मामलों में शव बरामद होते हैं, कुछ लोगों को अज्ञात कब्रों में दफन पाए जाने की खबरें आती हैं।

ईयू के नए प्रतिबंध पर ईरान को ऐतराज, बोला- ये दोहरा मापदंड

विश्व केसरी

ब्रसेल्स/तेहरान। यूरोपीय संघ (ईयू) की ओर से ईरान पर नए प्रतिबंध लगाए गए हैं। ईरानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बाघेई ने इसे ईयू का दोहरा मापदंड करार दिया है।

इस्माइल बाघेई ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि ईयू एक ओर ईरान में मानवाधिकारों को लेकर चिंता जताता है, जबकि दूसरी ओर देश पर होने वाले सैन्य हमलों का समर्थन करता है। बाघेई ने यह टिप्पणी यूरोपीय संघ की विदेश नीति प्रमुख काजा कालास के उस बयान के जवाब में की, जिसमें उन्होंने ईरान में मानवाधिकारों की स्थिति पर चिंता व्यक्त की थी। ईरानी प्रवक्ता ने कहा, 'यूरोपीय संघ मानवाधिकारों को लेकर कोई विश्वसनीय दावा नहीं कर सकता, जबकि वह ईरान के खिलाफ होने वाले ऐसे सैन्य हमलों को, जिनमें आम नागरिकों और महत्वपूर्ण राष्ट्रीय बुनियादी ढांचे को निशाना बनाया जाता है, कथित रूप से तकनीकी और लॉजिस्टिक समर्थन देता है। उन्होंने आरोप लगाया कि यूरोपीय संघ कथित युद्ध अपराधों की निंदा करने से बचता है और अमेरिकी तथा इजरायली बमबारी और मिसाइल हमलों में मारे गए ईरानी बच्चों के प्रति भी कोई सहानुभूति नहीं दिखाता। बाघेई ने यूरोपीय संघ के इस रुख को 'दोहरे मापदंड' का उदाहरण बताया। शुक्रवार को कालास ने एक्स पोस्ट पर ईयू के फैसले से रूबरू कराया। उन्होंने लिखा, 'मध्य पूर्व में जारी युद्ध के बीच ईरान में अपने ही नागरिकों के खिलाफ हो रही कार्रवाई और मानवाधिकार स्थिति को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। यूरोपीय संघ ने ईरान के उन न्यायाधीशों पर नए प्रतिबंध लगाए हैं, जिन पर गंभीर मानवाधिकार उल्लंघनों में शामिल होने का आरोप है। इनमें राजनीतिक असंतुष्टों और धार्मिक अल्पसंख्यकों के खिलाफ कार्रवाई से जुड़े अधिकारी शामिल हैं।

सऊदी के दो शहरों जाजान और यानबू पर मंडराया खतरा, सिविल डिफेंस ने तीन बार जारी किया अलर्ट

विश्व केसरी

रियाद। सऊदी के दो शहरों जाजान और यानबू पर खतरा मंडरा रहा है। सिविल डिफेंस ने इसे लेकर अलर्ट जारी किया। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर शुक्रवार रात से ही पोस्ट्स अपडेट की जा रही हैं। शनिवार सुबह तीन पोस्ट्स के जरिए पहले खतरे को लेकर सतर्क किया गया, फिर सब कुछ सामान्य होने की सूचना दी गई। हालिया पोस्ट में यानबू को लेकर सचेत किया गया है। यह बंदरगाह शहर व्यावसायिक दृष्टि से काफी अहम है।

यानबू पश्चिमी सऊदी अरब के मदीना प्रांत में लाल सागर तट पर स्थित एक औद्योगिक शहर है। लाल सागर पर जिद्दा के बाद यह दूसरा सबसे बड़ा बंदरगाह है। बेहद खूबसूरत द्वीप पर्यटन का मुख्य केंद्र है। स्कूबा डाइविंग, कोरल रीफ्स और समुद्री गतिविधियों के लिए काफी पसंद किया जाता है, यही कारण है कि यमन से बढ़ती तल्खी के बीच इस क्षेत्र को लेकर सऊदी काफी फिक्रमंद है। बिगड़ते हालात के मद्देनजर चेतावनी जारी की गई। दोनों ओर से मिसाइल और ड्रोन हमले जारी हैं। यमन ने जिजान औद्योगिक शहर के एक अहम केंद्र और अरामको से जुड़ी तेल प्रतिष्ठान को भी निशाना बनाया। हमलों के बाद कई इलाकों में बिजली गुल हो गई। सऊदी अरब के नेतृत्व वाले गठबंधन ने यमन के हुदैदाह में हूती विद्रोहियों के सैन्य ठिकानों पर हवाई हमले किए। दरअसल, इससे पहले लाल सागर में सऊदी से जुड़े जहाजों को हूती विद्रोहियों ने निशाना बनाया था।

यूनेस्को ने वेस्ट बैंक और लेबनान के ऐतिहासिक स्थल विश्व धरोहर सूची में शामिल, इजरायल की आपत्ति दरकिनार

विश्व केसरी

सोल। यूनेस्को (संयुक्त राष्ट्र की शिक्षा, विज्ञान और सांस्कृतिक संगठन) ने इजरायल की आपत्तियों को दरकिनार करते हुए वेस्ट बैंक के एक प्रमुख पुरातात्विक स्थल और दक्षिणी लेबनान के पांच ऐतिहासिक किलों को विश्व धरोहर सूची में शामिल कर लिया है।

इनमें लेबनान का ब्यूफोर्ट कैसल (किला) भी है जिस पर हाल ही में इजरायल ने कब्जा किया था। क्रूसेडर काल का यह ऐतिहासिक किला कलाअत अल-शकीफ के नाम से भी जाना जाता है। इसे मई में लेबनान में हिजबुल्लाह के खिलाफ अभियान के दौरान इजरायली सेना ने अपने कब्जे में लिया था। विश्व धरोहर सूची में डालने का निर्णय शुक्रवार को दक्षिण कोरिया के बुसान में आयोजित यूनेस्को की बैठक में लिया गया। इससे कुछ दिन पहले इजरायल के विदेश मंत्रालय ने समिति से इन प्रस्तावों को अस्वीकार करने की अपील की थी। हालांकि, समिति ने मध्य पूर्व में जारी संघर्षों का हवाला देते हुए आपातकालीन आधार पर नामांकनों की समीक्षा की और वेस्ट बैंक के सेबास्तिया नगर और लेबनान के माउंट अमेल क्षेत्र के पांच किलों को विश्व धरोहर सूची के साथ-साथ संकटग्रस्त विश्व धरोहर सूची में भी शामिल करने का फैसला किया। यूनेस्को के अनुसार, कब्जे वाले वेस्ट बैंक के नाबलुस के पास स्थित सेबास्तिया पुरातात्विक स्थल में विभिन्न सभ्यताओं के क्रमिक शासन और बसावट के प्रमाण सुरक्षित हैं, जिनका इतिहास ईसा पूर्व 9वीं शताब्दी तक जाता है।

वहीं, लेबनान के माउंट अमेल क्षेत्र के ये पांच किले मध्यकाल से लेकर 19वीं शताब्दी के बीच के हैं। यूनेस्को ने कहा कि ये किले क्रूसेडर, अय्यूबी, ममलूक, उस्मानी (ऑटोमन) शासन तथा स्थानीय सामंती शासकों के अलग-अलग दौर और उनके अनुसार हुए निर्माण व बदलाव को दर्शाते हैं। दक्षिणी लेबनान के जबल अमेल क्षेत्र में स्थित ये पांचों किले यूनेस्को द्वारा सामूहिक रूप से विश्व धरोहर सूची में शामिल किए गए हैं। यह पर्वतीय इलाका युद्ध के दौरान इजरायली हवाई हमलों का बार-बार निशाना बना है।

यूनेस्को ने कहा कि इन ऐतिहासिक किलों को संघर्ष के दौरान नुकसान पहुंचा है और उन पर अब भी खतरा बना हुआ है। संगठन के अनुसार, स्थिति इतनी गंभीर है कि इन स्थलों को आपातकालीन प्रक्रिया के तहत विश्व धरोहर सूची और संकटग्रस्त विश्व धरोहर सूची में शामिल करना आवश्यक हो गया।

कारगिल विजय दिवस समारोह में शामिल होने श्रीनगर पहुंचे राजनाथ सिंह

विश्व केसरी

श्रीनगर। 27वें कारगिल विजय दिवस समारोह में शामिल होने के लिए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह शनिवार को श्रीनगर पहुंचे। खराब मौसम के कारण हेलीकॉप्टर से उड़ान संभव नहीं हो सकी, जिसके बाद उन्होंने सड़क मार्ग से द्रास जाने का फैसला किया।

श्रीनगर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर रक्षा मंत्री का स्वागत जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने वरिष्ठ प्रशासनिक और सुरक्षा अधिकारियों के साथ किया। पहले उनका कार्यक्रम हेलीकॉप्टर से द्रास पहुंचने का था, लेकिन प्रतिकूल मौसम और खराब उड़ान परिस्थितियों के कारण हेलीकॉप्टर उड़ान रद्द करनी पड़ी। इसके बाद राजनाथ सिंह सड़क मार्ग से द्रास के लिए रवाना हुए। द्रास स्थित कारगिल युद्ध स्मारक में शनिवार से दो दिवसीय कारगिल विजय दिवस कार्यक्रम की शुरुआत हो गई। इस अवसर पर देश 1999 के कारगिल युद्ध में सर्वोच्च बलिदान देने वाले भारतीय सशस्त्र बलों के वीर जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित करेगा। हर वर्ष आयोजित होने वाले इस समारोह में सेना के वरिष्ठ अधिकारी, युद्ध के पूर्व सैनिक, शहीदों के परिजन, नागरिक गणमान्य व्यक्ति और सरकार के प्रतिनिधि शामिल होते हैं। यह आयोजन कारगिल युद्ध में भारत की ऐतिहासिक जीत को याद करने के साथ-साथ सैनिकों के साहस, शौर्य और बलिदान को नमन करने का अवसर भी है।

कारगिल विजय दिवस हर साल 26 जुलाई को पूरे देश में मनाया जाता है। यह दिन भारतीय इतिहास में विशेष महत्व रखता है, क्योंकि इसी दिन 1999 में भारतीय सेना ने पाकिस्तान समर्थित घुसपैठियों और पाकिस्तानी सैनिकों को लद्दाख के उत्तरी कारगिल जिले की ऊंची पहाड़ियों पर कब्जाई गई चौकियों से खदेड़कर ऐतिहासिक विजय हासिल की थी। इस वर्ष कारगिल विजय दिवस की 27वीं वर्षगांठ मनाई जा रही है।

कारगिल युद्ध के दौरान शुरुआत में पाकिस्तान ने अपनी सेना की भागीदारी से इनकार करते हुए दावा किया था कि लड़ाई कश्मीरी उग्रवादियों द्वारा लड़ी जा रही है। हालांकि, युद्ध में मारे गए लोगों के पास मिले दस्तावेज, युद्धबंदियों की गवाही और बाद में पाकिस्तान के तत्कालीन प्रधानमंत्री नवाज शरीफ तथा तत्कालीन सेना प्रमुख परवेज मुशर्रफ के बयानों से यह स्पष्ट हुआ।

सीजेपी प्रोटेस्ट में घायल युवती की हालत में सुधार, आरएमएल अस्पताल में जारी किया हेल्थ बुलेटिन

विश्व केसरी

नई दिल्ली। दिल्ली के जंतर-मंतर पर हो रहे विरोध प्रदर्शन के दौरान घायल 21 वर्षीय युवती की डॉ. राम मनोहर लोहिया हॉस्पिटल की ओर से शनिवार को हेल्थ-बुलेटिन जारी किया गया।

हेल्थ बुलेटिन के अनुसार, विरोध-प्रदर्शन से जुड़ी घटना के बाद युवती को गंभीर हालत में डॉ. राम मनोहर लोहिया हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था, उसकी हालत में सुधार दिख रहा है। लगभग 72 घंटे पहले उसे वेंटिलेटर सपोर्ट से हटा दिया गया था। वह ठीक से सांस ले रही है। मरीज होश में है, अलर्ट है, और कमांड पर ठीक से रेस्पॉन्ड कर रही है। हेल्थ बुलेटिन में बताया गया, 'पिछले 24 घंटों से उसे ओरल ड्रग्स भी दिए जा रहे हैं, जिन्हें वह अच्छी तरह से सहन कर रही है। उसकी क्लिनिकल हालत अभी स्टेबल है, हालांकि वह अभी भी कड़ी निगरानी में हैं और उनकी लगातार रिकवरी सुनिश्चित करने के लिए स्पेशलिस्ट की एक मल्टी-डिसिप्लिनरी टीम की देखरेख में उन्हें पूरी देखभाल मिल रही है।'

बता दें कि सोशल मीडिया पर महिला प्रदर्शनकारी की मौत की खबर तेजी से वायरल होने लगी थी। इसके बाद दिल्ली पुलिस ने फैक्ट चेक जारी कर इसे पूरी तरह फर्जी और भ्रामक बताया था। दिल्ली पुलिस ने अपने आधिकारिक 'एक्स' पोस्ट में कहा था कि सोशल मीडिया पर प्रसारित हो रही यह खबर कि जंतर-मंतर पर प्रदर्शन के दौरान एक महिला प्रदर्शनकारी की मौत हो गई है, पूरी तरह गलत है। पुलिस ने स्पष्ट किया कि संबंधित महिला जीवित हैं और उनका इलाज डॉ. राम मनोहर लोहिया (आरएमएल) अस्पताल में चल रहा है।

पुलिस ने बताया था कि अस्पताल के डॉक्टरों ने पुष्टि की है कि युवती की स्थिति स्थिर है और वह खतरे से बाहर है। दिल्ली पुलिस ने लोगों से अपील की है।

संक्षिप्त खबर

विनीत जोशी का ट्रांसफर कर देने से तय नहीं हो जाती जवाबदेही, तबादला कोई सजा नहीं : विजेता दहिया

विश्व केसरी

नई दिल्ली। नीट पेपर लीक विवाद को लेकर जारी विरोध प्रदर्शन के बीच कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के पूर्व प्रवक्ता विजेता दहिया ने कहा है कि छात्रों पर पड़ा मानसिक दबाव बेहद गंभीर है और कई लोग इसे केवल आत्महत्या नहीं, बल्कि व्यवस्था की विफलता से जुड़ी मौतें मान रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि पेपर लीक जैसी घटनाएं बार-बार हो रही हैं, लेकिन इन्हें रोकने के लिए प्रभावी कदम नहीं उठाए जा रहे हैं। विजेता दहिया ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बात करते हुए कहा कि नीट जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले छात्रों पर पहले से ही बहुत अधिक दबाव होता है। छात्र महीनों और कई बार वर्षों तक दिन-रात मेहनत करते हैं। जब परीक्षा परिणाम आता है और उन्हें लगता है कि उन्होंने सफलता हासिल कर ली है, तो उनके लिए वह क्षण बेहद खुशी और राहत का होता है। लेकिन अगर उसी समय उन्हें यह बताया जाए कि पेपर लीक के कारण परीक्षा प्रक्रिया पर सवाल उठ गए हैं और उन्हें दोबारा परीक्षा देनी होगी, तो उनकी मानसिक स्थिति पर गहरा असर पड़ता है। उन्होंने कहा कि छात्रों के नजरिए से देखा जाए तो यह स्थिति बहुत तनावपूर्ण है। महीनों की मेहनत के बाद मिली राहत अचानक चिंता और अनिश्चितता में बदल जाती है। इसी वजह से कई लोग उन छात्रों की मौतों को केवल व्यक्तिगत कदम नहीं मानते, बल्कि परीक्षा व्यवस्था की गंभीर खामियों से जोड़कर देखते हैं।

पुणे पुलिस की बड़ी सफलता : 88 करोड़ की ठगी का मास्टरमाइंड यूएई से भारत लाया गया

विश्व केसरी

पुणे। अधिक मुनाफे का लालच देकर निवेशकों से करोड़ों रुपये की कथित ठगी करने वाले एपीएस वेल्थ वेंचर्स एलएलपी के मुख्य आरोपी अविनाश अर्जुन राठौड़ को पुणे पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने अंतरराष्ट्रीय कानूनी प्रक्रिया के बाद संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) से भारत प्रत्यर्पित कर गिरफ्तार कर लिया है। करीब 88 करोड़ रुपये की निवेश ठगी के इस हाई-प्रोफाइल मामले में आरोपी लंबे समय से फरार था और उसके खिलाफ रेड कॉर्नर नोटिस जारी किया गया था। भारत लाए जाने के बाद उसे मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से गिरफ्तार कर पुणे लाया गया, जहां अदालत ने उसे 10 दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया है। पुलिस के अनुसार, इस मामले में चतुःश्रृंगी पुलिस स्टेशन में वर्ष 2023 में मामला दर्ज किया गया था। शिकायत 20 अप्रैल 2023 को दर्ज कराई गई थी, जिसके बाद जांच आर्थिक अपराध शाखा, पुणे शहर को सौंपी गई। जांच में सामने आया कि बाणेर स्थित एपीएस वेल्थ वेंचर्स एलएलपी के संचालक अविनाश अर्जुन राठौड़ और उनकी पत्नी विशाखा अविनाश राठौड़ ने निवेशकों को कम समय में अधिक और आकर्षक रिटर्न देने का वादा किया। लोगों से विधिवत निवेश समझौते किए गए, लेकिन बाद में उन समझौतों का पालन नहीं किया गया।

अलीगंज अग्निकांड: 15 लोगों की जान लेने वाली इमारत पर चला बुलडोजर, एलडीए ने शुरू कराया ध्वस्तीकरण

विश्व केसरी

लखनऊ। यूपी की राजधानी लखनऊ के अलीगंज क्षेत्र में पिछले महीने भीषण अग्निकांड में 15 लोगों की मौत का कारण बनी चार मंजिला इमारत का शनिवार को ध्वस्तीकरण शुरू कर दिया गया। लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) ने भारी पुलिस बल और मशीनरी की मौजूदगी में कार्रवाई शुरू की।

इस दौरान भवन स्वामी की ओर से कार्रवाई को नियमों के विरुद्ध बताते हुए इसका विरोध किया गया। एलडीए की टीम शनिवार को बुलडोजर और हाइड्रोलिक मशीन और अधिकारियों-कर्मचारियों के दल के साथ मौके पर पहुंची। ध्वस्तीकरण अभियान शुरू करने से पहले पूरे क्षेत्र को घेराबंदी कर दी गई और आसपास की सड़कों पर बैरिकेडिंग लगाकर यातायात रोक दिया गया। सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी तैनात किए गए। एलडीए अधिकारियों के अनुसार, संबंधित भवन को अवैध निर्माण और अग्नि सुरक्षा मानकों के उल्लंघन के मामलों में ध्वस्त किए जाने का आदेश दिया गया था। प्राधिकरण का कहना है कि भवन स्वामी को निर्माण हटाने के लिए पर्याप्त समय दिया गया था। निर्धारित अवधि में कार्रवाई पूरी नहीं होने पर एलडीए ने स्वयं ध्वस्तीकरण शुरू कराया। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि यदि प्राधिकरण को पूरी कार्रवाई करनी पड़ी तो इसका खर्च भी भवन स्वामी से वसूला जाएगा। ध्वस्तीकरण के दौरान भवन स्वामी वीरेंद्र शुक्ला की ओर से अधिवक्ता राजेंद्र शुक्ला मौके पर पहुंचे और कार्रवाई पर आपत्ति जताई। उनका कहना था कि भवन स्वामी को 25 जुलाई तक का समय दिया गया था, ऐसे में उसी दिन सुबह ध्वस्तीकरण शुरू करना उचित नहीं है। उन्होंने यह भी दावा किया कि उन्हें ध्वस्तीकरण का अलग आदेश उपलब्ध नहीं कराया गया और केवल नोटिस के आधार पर कार्रवाई की जा रही है।

बच्चे देश का भविष्य, इनके सामने झुकना पड़े तो झुक जाना चाहिए : कीर्ति आजाद

विश्व केसरी

नई दिल्ली। नीट पेपर लीक और छात्रों के मुद्दे को लेकर तृणमूल कांग्रेस के सांसद कीर्ति आजाद ने केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार छात्रों की पीड़ा को गंभीरता से नहीं ले रही है।

कीर्ति आजाद ने आईएएनएस से कहा, 'ये इस देश के बच्चे हैं। ये विदेश से नहीं आए हैं और न ही कोई घुसपैठिए हैं। जिनके बच्चे विदेश में पढ़े हैं, उन्हें दूसरे लोगों के बच्चों पर तंज नहीं कसना चाहिए। उन्होंने कहा, 'आपके बच्चों ने विदेश में पढ़ाई की, यह अच्छी बात है और किसी को इससे कोई आपत्ति नहीं है। लेकिन लोग यह नहीं जानना चाहते कि आपने विदेशी मुद्रा कहां से लाई या पढ़ाई के लिए पैसे कैसे जुटाए। आप में से कई लोग ऐसे थे, जो कभी मेरे घर के बाहर आकर बैठते थे, जब उनके पास 10 रुपए तक नहीं होते थे। आज वही लोग दूसरे लोगों के बच्चों पर उंगली उठा रहे हैं। अगर आपके बच्चों ने विदेश में पढ़ाई की और वहीं नौकरी भी हासिल कर ली, तो इसमें कोई समस्या नहीं है, लेकिन ये बच्चे इस देश के हैं। उन्होंने कहा कि गरीब परिवारों ने अपने बच्चों की पढ़ाई के लिए गहने तक गिरवी रख दिए, जमीनें बेच दीं और बड़ी मुश्किल से उन्हें पढ़ाया है। ऐसे परिवारों की परेशानियों का मजाक नहीं बनाया जाना चाहिए। टीएमसी सांसद ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान पर भी निशाना साधते हुए कहा कि इस मामले में उनकी नैतिक जिम्मेदारी बनती है। उन्होंने सीजेपी के प्रदर्शन के दौरान दिल्ली पुलिस की भूमिका पर भी गंभीर सवाल उठाए और कहा कि पूरे मामले की निष्पक्ष समीक्षा होनी चाहिए।

टीएमसी सांसद ने कहा, 'ये बच्चे देश का भविष्य हैं। अगर इनके सामने झुकना पड़े, तो झुक जाना चाहिए। उनकी बात सुननी चाहिए और उनके भविष्य की रक्षा करना सरकार की जिम्मेदारी है।

69,000 शिक्षक भर्ती के अभ्यर्थियों का प्रदर्शन, मायावती से हस्तक्षेप की मांग

विश्व केसरी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की 69,000 शिक्षक भर्ती में नियुक्ति की मांग को लेकर आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों ने शनिवार को बसपा प्रमुख मायावती के आवास के बाहर प्रदर्शन किया। 'बहन जी बाहर निकलो' के नारे लगाते हुए प्रदर्शनकारियों ने मामले में हस्तक्षेप की मांग की।

पुलिस ने उन्हें आवास के बाहर धरना देने से रोकते हुए हिरासत में लिया और बसों से इको गार्डन भेज दिया। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि 21 जुलाई को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान बेसिक शिक्षा विभाग की ओर से दाखिल हलफनामे में दिए गए आंकड़ों से वे संतुष्ट नहीं हैं। अभ्यर्थियों के अनुसार, हलफनामे में कुल 8,270 रिक्त पदों का उल्लेख किया गया है, जिनमें 3,324 पद अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के ऐसे बताए गए हैं, जिन पर पहले ही नियुक्ति हो जानी चाहिए थी। आंदोलन का नेतृत्व कर रहे धनंजय गुप्ता ने आरोप लगाया कि विभाग ने 4,946 ऐसे पद भी दर्शाए हैं, जिन पर चयनित अभ्यर्थियों के नियुक्ति के लिए नहीं आने की बात कही गई है। उनका कहना है कि यदि इन पदों पर किसी ने कार्यभार ग्रहण नहीं किया, तो उन्हें रिक्त मानते हुए मेरिट सूची में नीचे के अभ्यर्थियों को नियुक्ति का अवसर दिया जाना चाहिए। अभ्यर्थियों के मुताबिक, विभाग के हलफनामे में सामान्य वर्ग के 1,144, ओबीसी के 2,524, अनुसूचित जाति (एससी) के 1,244 और अनुसूचित जनजाति (एसटी) के 34 पद रिक्त बताए गए हैं।

उनका आरोप है कि इससे पहले भी सरकार ने करीब 6,800 रिक्त पदों का उल्लेख किया था, लेकिन अब तक उन पर नियुक्ति की प्रक्रिया पूरी नहीं की गई। प्रदर्शन के दौरान कुछ महिला अभ्यर्थी भी मायावती के आवास के बाहर पहुंचीं और धरने पर बैठ गईं। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर सभी प्रदर्शनकारियों को हटाया और बसों से इको गार्डन भेज दिया।

बाढ़ प्रभावित 170 लोगों का रेस्क्यू, इंडियन कोस्ट गार्ड ने फंसे हुए लोगों को एयरलिफ्ट किया

विश्व केसरी

नई दिल्ली। भारी बारिश की वजह से दमन, दादरा-नगर हवेली और दक्षिण गुजरात में स्थिति काफी गंभीर हो गई है। इंडियन कोस्ट गार्ड की ओर से सर्च एवं रेस्क्यू ऑपरेशन के जरिए 170 लोगों को बचाया गया।

रक्षा मंत्री की ओर से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर लिखा गया, 'लगातार बारिश, बढ़ते बाढ़ के पानी और खतरनाक हालात के बीच, इंडियन कोस्ट गार्ड ने 22-24 जुलाई 2026 के बीच दमन, दादरा और नगर हवेली और दक्षिण गुजरात में 11 ह्यूमैनिटेरियन असिस्टेंस एंड डिजास्टर रिलीफ (एचएडीआर) और सर्च एंड रेस्क्यू (एसएआर) ऑपरेशन के माध्यम से 170 फंसे हुए लोगों को बचाया। रक्षा मंत्रालय के सोशल मीडिया पोस्ट में आगे लिखा गया, 'सिविल एडमिनिस्ट्रेशन के साथ मिलकर काम करते हुए, इंडियन कोस्ट गार्ड डिजास्टर रिलीफ टीमों और हेलीकॉप्टरों ने चौबीसों घंटे रेस्क्यू मिशन चलाए, जिससे जान बचाने और देश की सेवा करने के लिए सर्विस के पक्के इरादे की पुष्टि हुई। 'इंडियन कोस्ट गार्ड की ओर से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा गया, 'लगातार बारिश और तेज बाढ़ के पानी का सामना करते हुए, इंडियन कोस्ट गार्ड डिजास्टर रिलीफ टीम दमन ने बिना रुके, चौबीसों घंटे बचाव का काम किया, पानी में डूबे इलाकों से गुजरते हुए, फंसे हुए लोगों को एयरलिफ्ट करते हुए, और सिविल एडमिनिस्ट्रेशन के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम किया।

इंडियन कोस्ट गार्ड ने आगे लिखा, 'बाढ़ वाले नदी के किनारों से लेकर डूबे इंडस्ट्रियल इलाकों तक, फंसी हुई बस से लेकर कटे हुए गांवों तक, डीआरटी वहां पहुंची जहां कोई और नहीं पहुंच सका, कमजोर, बीमार और उम्मीद कर रहे लोगों को, समय या इलाके की परवाह किए बिना, बाहर निकाला।' इंडियन कोस्ट गार्ड ने 23 जुलाई को भी बाढ़ से पीड़ितों के लिए बचाव अभियान चलाया था।

पेपर लीक पर दोषियों की संपत्ति होगी जब्त, संसद में आएगा सख्त कानून : सीएम योगी

विश्व केसरी

फतेहपुर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को कहा कि छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ करने वाले किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने कहा कि नीट परीक्षा में कथित गड़बड़ी के आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की गई है और भविष्य में पेपर लीक जैसे अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए केंद्र सरकार संसद में सख्त कानून लाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि दोषियों को जेल भेजने के साथ उनकी अवैध संपत्तियां भी जब्त की जाएंगी। फतेहपुर के मदारीपुर कला मैदान में 489 करोड़ रुपये से अधिक लागत की 125 विकास परियोजनाओं के लोकार्पण और शिलान्यास कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार छात्रों के हितों की रक्षा के लिए लगातार कदम उठा रही है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) से जुड़े मामलों में भी कार्रवाई की गई है और नई शिक्षा नीति युवाओं को वैश्विक स्तर पर नई पहचान दिला रही है। मुख्यमंत्री ने कानून-व्यवस्था का जिक्र करते हुए कहा कि प्रदेश में माफिया और अपराधियों के लिए अब कोई स्थान नहीं है। उन्होंने कहा कि ऐसे लोगों के लिए केवल दो ही जगह हैं- जेल या जहन्नुम। उन्होंने दावा किया कि प्रदेश में अपराध और भू-माफिया पर प्रभावी कार्रवाई की गई है तथा सरकारी जमीनों पर अवैध कब्जे हटाए जा रहे हैं। योगी आदित्यनाथ ने समाजवादी पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा कि वर्ष 2017 से

सात दिन बाद वैष्णो देवी यात्रा फिर से शुरू, कटरा में रुके हजारों श्रद्धालुओं ने जताई खुशी

विश्व केसरी

नई दिल्ली। श्री माता वैष्णो देवी के पवित्र तीर्थस्थल की सालाना यात्रा लगातार सात दिनों तक बंद रहने के बाद शनिवार को फिर से शुरू हो गई। इससे कटरा में यात्रा के दोबारा शुरू होने का इंतजार कर रहे हजारों श्रद्धालुओं को राहत और खुशी मिली।

तीर्थयात्रा फिर से शुरू होने पर बड़ी संख्या में तीर्थयात्री पहुंचे। पवित्र मंदिर की यात्रा शुरू करने से पहले जरूरी आरएफआईडी कार्ड लेने के लिए 10,000 से ज्यादा श्रद्धालु काउंटर नंबर 2 पर जमा हुए। सुबह से ही लंबी लाइनें लगी थीं और श्रद्धालु सब्र के साथ अपनी बारी का इंतजार कर रहे थे। भारी भीड़ के बावजूद, जम्मू-कश्मीर पुलिस और सेंट्रल रिजर्व पुलिस फोर्स (सीआरपीएफ) के जवानों ने भीड़ को संभाला और यह पक्का किया कि रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया और तीर्थयात्रियों की आवाजाही सुचारू और व्यवस्थित ढंग से होती रहे। कटरा में पूरे दिन हल्की बारिश होती रही, जिससे मौसम सुहावना बना रहा। बारिश के बावजूद सुरक्षाकर्मी तैनात रहे और वे श्रद्धालुओं की मदद करते रहे और कानून-व्यवस्था बनाए रखी, जबकि पूरे शहर में 'जय माता दी' के जयकारे गूंजते रहे। कई श्रद्धालुओं ने कई दिनों की अनिश्चितता के बाद आखिरकार पवित्र यात्रा करने का मौका मिलने पर खुशी जाहिर की। हरियाणा के एक श्रद्धालु ने कहा, 'हम हरियाणा के रोहतक से आए हैं। हमने यहां 15 दिनों तक इंतजार किया और आज आखिरकार हमें माता रानी के दर्शन का मौका मिला। हम बहुत खुश हैं।' एक और श्रद्धालु ने इस अनुभव को अविस्मरणीय बताते हुए कहा, 'यह मेरी जिंदगी की सबसे यादगार यात्रा होगी। मैं पहले भी 15 बार माता रानी के दरबार जा चुका हूं, लेकिन यह यात्रा सबसे यादगार रहेगी। मेरी खुशी को बयां करने के लिए शब्द नहीं हैं।

स्टार्ट-अप विलेज एंटरप्रेन्योरशिप प्रोग्राम से 4.32 लाख ग्रामीण उद्यमों को मिला सहारा, 86 प्रतिशत उद्यमी वंचित वर्गों से: सरकार

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने शनिवार को बताया कि स्टार्ट-अप विलेज एंटरप्रेन्योरशिप प्रोग्राम (एसवीईपी) के तहत जून 2026 के अंत तक 4.32 लाख ग्रामीण उद्यमों को सहायता प्रदान की गई है। इस योजना से उद्यमियों की आय और मुनाफे में उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई है, साथ ही समाज के वंचित वर्गों के लोगों को उद्यमिता से जोड़ने में भी सफलता मिली है।

सरकार के अनुसार, एसवीईपी के तहत लाभान्वित होने वाले करीब 86 प्रतिशत उद्यमी अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी), अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) और अल्पसंख्यक समुदायों से आते हैं।

असम, बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल और मध्य प्रदेश ऐसे राज्य हैं, जहां इस योजना के तहत सबसे अधिक ग्रामीण उद्यमों को सहायता मिली है।

यह कार्यक्रम स्टेट रूरल लाइवलीहुड मिशन (एसआरएलएम) के माध्यम से संचालित किया जाता है, जिसके तहत गैर-कृषि आधारित ग्रामीण उद्यमों को प्रशिक्षण, वित्तीय सहायता, मेंटरिंग और समुदाय-आधारित संस्थागत सहयोग उपलब्ध कराया जाता है।

सरकार ने बताया कि स्वयं सहायता समूह (एसएचजी), कम्युनिटी रिसोर्स पर्सन-एंटरप्राइज प्रमोशन (सीआरपी-ईपी), बैंक लिंकेज और प्रधानमंत्री मुद्रा योजना जैसी योजनाओं के साथ समन्वय के जरिए एसवीईपी का दायरा लगातार बढ़ाया गया है। यह योजना गरीबी उन्मूलन, स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजन और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने का प्रभावी मॉडल बनकर उभरी है।

योजना के विस्तार के लिए केंद्र सरकार ने फरवरी 2026 तक कुल 942.09 करोड़ रुपए की केंद्रीय हिस्सेदारी जारी की है। यह राशि वर्ष 2016 में योजना की शुरुआत से लेकर जनवरी 2018 तक जारी किए गए 112.39 करोड़ रुपए की तुलना में लगभग 738 प्रतिशत अधिक है।

एसवीईपी को स्टेट रूरल लाइवलीहुड मिशन के माध्यम से लागू किया जाता है। इसके तहत प्रत्येक ब्लॉक के लिए 6.50 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है, जबकि प्रति उद्यम औसत निवेश 27,083 रुपए है।

सरकार के मुताबिक, इस योजना ने साबित किया है कि यदि मजबूत सामुदायिक संस्थाओं का सहयोग मिले तो ग्रामीण उद्यमिता समावेशी आर्थिक विकास का सशक्त माध्यम बन सकती है। महिलाओं, अनुसूचित जाति-जनजाति समुदायों और पहली पीढ़ी के उद्यमियों को सशक्त बनाकर इस योजना ने स्थानीय आकांक्षाओं को टिकाऊ व्यवसायों में बदलने का काम किया है, जिससे आय, बचत और परिवारों के जीवन स्तर में भी सुधार हुआ है।

योजना के तहत कम्युनिटी रिसोर्स पर्सन-एंटरप्राइज प्रमोशन (सीआरपी-ईपी) का चयन स्टेट रूरल लाइवलीहुड मिशन और प्रोजेक्ट इम्प्लीमेंटिंग एजेंसियों द्वारा परीक्षण, प्रशिक्षण और प्रमाणन के बाद संयुक्त रूप से किया जाता है। इसमें स्थानीय निवासियों को प्राथमिकता दी जाती है, जिनके पास व्यवसाय और गणित का बुनियादी ज्ञान हो।

69,725 करोड़ रुपए के पैकेज से मिलेगी देश के जहाज निर्माण उद्योग को मजबूती, समुद्री वित्तपोषण और कौशल विकास पर भी जोर

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने देश के जहाज निर्माण (शिपबिल्डिंग) उद्योग को नई गति देने के लिए 69,725 करोड़ रुपए के व्यापक पैकेज को मंजूरी दी है। इस पैकेज का उद्देश्य घरेलू जहाज निर्माण क्षमता बढ़ाना, समुद्री क्षेत्र के लिए दीर्घकालिक वित्तपोषण उपलब्ध कराना और कौशल विकास को बढ़ावा देना है।

लोकसभा में पत्तन, पोत परिवहन एवं जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने बताया कि इस पैकेज के तहत भारतीय शिपयार्ड की लागत को वैश्विक शिपयार्ड के मुकाबले प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए 24,736 करोड़ रुपए की शिपबिल्डिंग फाइनेंशियल असिस्टेंस स्कीम को मंजूरी दी गई है।

पैकेज का एक प्रमुख हिस्सा 25,000 करोड़ रुपए का मैरीटाइम डेवलपमेंट फंड है, जिसके जरिए जहाज निर्माण और समुद्री क्षेत्र को दीर्घकालिक वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई जाएगी, जिसमें 20,000 करोड़ रुपए का मैरीटाइम इन्वेस्टमेंट फंड और 5,000 करोड़ रुपए का इंटरेस्ट इंसेंटिवाइजेशन फंड शामिल है।

सरकार ने 19,989 करोड़ रुपए की शिपबिल्डिंग डेवलपमेंट स्कीम (एसबीडीएस) को भी मंजूरी दी है। इस योजना के तहत ग्रीनफील्ड क्लस्टर विकसित करने और मौजूदा इकाइयों के ब्राउनफील्ड विस्तार के माध्यम से देश की जहाज निर्माण क्षमता बढ़ाकर प्रतिवर्ष 45 लाख ग्रॉस टनेज करने का लक्ष्य रखा गया है।

पत्तन, पोत परिवहन एवं जलमार्ग मंत्रालय के अनुसार, ये लक्ष्य मैरीटाइम इंडिया विजन 2030 और मैरीटाइम अमृतकाल विजन 2047 के अनुरूप भारत को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी जहाज निर्माण केंद्र बनाने के उद्देश्य से तय किए गए हैं।

सरकार ने जहाज निर्माण उद्योग को बढ़ावा देने के लिए कई नीतिगत सुधार भी किए हैं। इनमें बड़े जहाजों को इन्फ्रास्ट्रक्चर का दर्जा देना और जहाजों की मांग को एकीकृत करने जैसी पहल शामिल हैं।

सरकार ने 19 सितंबर 2025 को 10,000 ग्रॉस टनेज (जीटी) या उससे अधिक क्षमता वाले भारतीय ध्वज वाले वाणिज्यिक जहाजों को इन्फ्रास्ट्रक्चर का दर्जा दिया था।

इसके अलावा, भारत में निर्मित 1,500 जीटी या उससे अधिक क्षमता वाले जहाजों को भी यह दर्जा प्रदान किया गया है।

मांग को एकीकृत करने की रणनीति के तहत 400 से अधिक जहाजों के अधिग्रहण की योजना तैयार की गई है, जिससे भारतीय शिपयार्ड को लंबे समय तक ऑर्डर मिलने की स्पष्टता मिलेगी।

तनावमुक्त जीवन और बेहतर एकाग्रता के लिए करें उत्थित पार्श्वकोणासन योगासन

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। आज की व्यस्त जीवनशैली में शारीरिक संतुलन और आंतरिक ऊर्जा को बनाए रखना एक चुनौती बन गया है। ऐसी स्थिति में उत्थित पार्श्वकोणासन एक ऐसा योगासन है, जो शरीर को ताजगी प्रदान करता है।

उत्थित का अर्थ है, खिंचाव, पार्श्व का अर्थ बगल और कोण का अर्थ एंगल हैं। यह एक ऐसा आसन है जिसमें शरीर के पार्श्व (साइड) भाग में एक संपूर्ण और सुंदर पार्श्व-कोण बनता है। यह न केवल हमारी शारीरिक शक्ति और लचीलेपन को बढ़ाता है, बल्कि मन में स्थिरता और एकाग्रता भी लाता है।

आयुष मंत्रालय के अनुसार, उत्थित पार्श्वकोणासन (विस्तारित पार्श्व कोण मुद्रा) खड़े होकर किए जाने वाले योगासनों में से एक सबसे महत्वपूर्ण और व्यापक आसन

है, जो पेट के अंगों की मालिश करता है, पाचन में सुधार लाता है, और पैरों व रीढ़ को मजबूत करता है। इसके अलावा, शरीर में लचीलापन भी बढ़ता है और रीढ़ की हड्डी पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। साथ ही, यह छाती के विकास और साइटिका के दर्द में राहत दिलाता है। हालांकि, अगर कोई व्यक्ति साइटिका से ज्यादा परेशान है, तो वे सबसे पहले डॉक्टर से सलाह करें।

इसको करना बेहद आसान है। इसके लिए सबसे पहले योगा मैट पर दोनों पैरों को एक दूसरे से दूर फैला लें। अब दाहिने पैर के पंजे को बाहर की तरफ घुटने से धीरे-धीरे मोड़ें और उसी मुद्रा में नीचे की ओर बैठें। फिर अपने दाएं हाथ को दाएं पैर के पास जमीन पर रखें और बाएं हाथ को ऊपर की ओर सीधा 90 डिग्री के एंगल में रखने की कोशिश करें। कुछ देर इसी मुद्रा में रहने की कोशिश करें, फिर धीरे-धीरे सामान्य हो जाएं। हालांकि, शुरुआती अभ्यासकर्ताओं को इसको करने में थोड़ी दिक्कत हो सकती है, लेकिन धीरे-धीरे आदत हो जाएगी और शरीर खुलने लगेगा। इसी प्रक्रिया को दूसरी तरफ (बाएं पैर को मोड़कर) दोहराएं।

गंभीर पीठ या गर्दन की चोट, उच्च/निम्न रक्तचाप, और माइग्रेन की स्थिति में इस आसन का अभ्यास करने से बचें।

बरसात के मौसम में हल्का भोजन करना फायदेमंद, तला-भुना, मसालेदार खाने से बचें

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। आयुर्वेद में ऋतु का विशेष महत्व बताया गया है। छह ऋतुओं के दौरान शरीर में वात, पित्त और कफ दोष, पाचन अग्नि तथा शारीरिक बल में परिवर्तन होते हैं। इसलिए स्वस्थ रहने के लिए मौसम के अनुसार आहार में बदलाव करने की सलाह दी जाती है।

आयुष मंत्रालय के अनुसार, वर्षा ऋतु में पाचन अग्नि स्वाभाविक रूप से कमजोर हो जाती है। इससे भोजन का पाचन धीमा पड़ सकता है और पाचन संबंधी समस्याएं बढ़ सकती हैं। ऐसे में ताजा, हल्का और गर्म भोजन करना सबसे उपयुक्त माना जाता है।

बरसात के मौसम में अधिक आर्द्रता, ठंडी हवाओं और बादलों के कारण पाचन शक्ति प्रभावित होती है। गर्मी के मौसम में शरीर में इकट्ठा हुआ पित्त भी इस दौरान असंतुलित हो सकता है। ऐसे में तला-भुना, तैलीय और अधिक मसालेदार भोजन पचाने में कठिनाई होती है, जिससे अपच, गैस, पेट फूलना (ब्लोटिंग), एसिडिटी, पेट दर्द और जलन जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इसके विपरीत, हल्का भोजन आसानी से पच जाता है और पेट पर अतिरिक्त बोझ नहीं डालता।

हल्का भोजन शरीर को आवश्यक पोषण देने के साथ-साथ सुस्ती और भारीपन से भी बचाता है। मौसम में बदलाव के दौरान या रात के समय हल्का भोजन करने से नींद बेहतर आती है और वजन नियंत्रित रखने में भी मदद मिलती है। आधुनिक विज्ञान के अनुसार भी कमजोर पाचन की स्थिति में हल्का भोजन मेटाबॉलिज्म के लिए भी बेहतर होता है।

हल्के भोजन के रूप में मूंग की दाल, मूंग-चावल की खिचड़ी, गेहूं या जौ का दलिया तथा पुराने चावल का सेवन लाभकारी माना जाता है। वर्षा ऋतु या उपवास के दौरान जौ (यव), सत्तू और साबूदाने का सेवन भी किया जा सकता है। रोटी और विशेष रूप से पराठों का सीमित मात्रा में सेवन करने की सलाह दी जाती है। इसके अलावा, उबली या हल्की पकी सब्जियां जैसे लौकी, तुरई, परवल, टिंडा, पालक, मेथी और भिंडी लाभदायक होती हैं। मूंग दाल, छिलके वाली मसूर दाल तथा छाछ या सीमित मात्रा में दही का सेवन भी किया जा सकता है।

विशेषज्ञों के अनुसार, भोजन हमेशा ताजा, गर्म और कम मात्रा में करना चाहिए। जरूरत से अधिक भोजन करने से पाचन संबंधी परेशानियां बढ़ सकती हैं।

घुटनों के दर्द और जकड़न से हैं परेशान? आयुष मंत्रालय ने बताई आसान 'नी मूवमेंट'

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। अगर आपको सीढ़ियां चढ़ने-उतरने में घुटनों में दर्द होता है, लंबे समय तक बैठने के बाद उठने में परेशानी होती है या घुटनों में जकड़न महसूस होती है, तो आपको ज्यादा परेशान होने की जरूरत नहीं है। आयुष मंत्रालय ने एक आसान 'नी मूवमेंट' साझा किया है, जिसे नियमित रूप से करने से घुटनों की सेहत बेहतर बनाने में मदद मिल सकती है।

आयुष मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए बताया कि घुटनों से जुड़ी परेशानियों से राहत पाने के लिए 'नी मूवमेंट' एक बेहतरीन आसान है। इसे करते समय सही तरीके से सांस लेते हुए तथा शरीर का सही अलाइनमेंट बनाए रखकर करना चाहिए। इससे शरीर के निचले हिस्से को मजबूती मिलती है और रोजमर्रा के काम जैसे चलना, बैठना और उठना आसान हो सकता है।

इस आसन को करने के लिए सबसे पहले सीधे खड़े हो जाएं और शरीर को सामान्य स्थिति

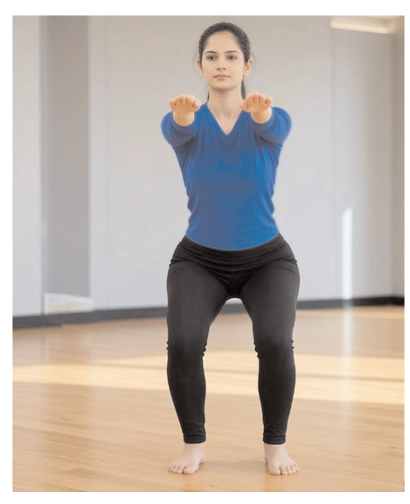

में रखें। अब गहरी सांस लेते हुए दोनों हाथों को सामने की ओर कंधों की ऊंचाई तक उठाएं। इस दौरान हथेलियां नीचे की ओर रहें। अब धीरे-धीरे सांस छोड़ते हुए घुटनों को मोड़ें और शरीर को आधी कुर्सी जैसी यानी सेमी-स्क्वाट की स्थिति में ले जाएं। ध्यान रखें कि अंतिम स्थिति में आपकी जांघें और दोनों हाथ जमीन के समानांतर हों। कुछ क्षण इस स्थिति में रहें और फिर सांस लेते हुए धीरे-धीरे वापस सीधे खड़े हो जाएं। इसे एक राउंड माना जाएगा। इसी तरह कुल तीन राउंड पूरे करें। अभ्यास समाप्त होने के बाद कुछ देर सामान्य अवस्था में खड़े होकर शरीर को आराम दें।

आयुष मंत्रालय के मुताबिक इस योगाभ्यास को नियमित करने से घुटनों के जोड़ों की मूवमेंट बेहतर होती है। घुटनों के आसपास की मांसपेशियां मजबूत होती हैं, जिससे जोड़ों पर दबाव कम पड़ता है। इसके अलावा शरीर का संतुलन बेहतर होता है, लचीलापन बढ़ता है और पैरों में ताकत आती है। यह अभ्यास उन लोगों के लिए भी फायदेमंद हो सकता है, जो लंबे समय तक बैठकर काम करते हैं और जिनके पैरों में अकड़न या कमजोरी महसूस होती है।

योग करते समय जल्दबाजी बिल्कुल न करें।

सिर्फ मीठी चीजों में ही नहीं, इन पैक्ड फूड्स में भी छिपी होती है चीनी

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। जब भी चीनी (शुगर) की बात होती है, तो सबसे पहले मिठाई, केक, चॉकलेट, आइसक्रीम या कोल्ड ड्रिंक का ख्याल आता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि चीनी सिर्फ मीठी चीजों में ही नहीं होती? कई ऐसे पैक्ड और रोजमर्रा के खाद्य पदार्थ हैं, जिनका स्वाद मीठा भी नहीं लगता, फिर भी उनमें अच्छी-खासी मात्रा में ऐडेड शुगर होता है।

दरअसल, हर चीनी एक जैसी नहीं होती। फलों, दूध और दही जैसी प्राकृतिक चीजों में जो चीनी होती है, उसे नेचुरल शुगर कहा जाता है। यह शरीर के लिए नुकसानदायक नहीं मानी जाती, क्योंकि इन खाद्य पदार्थों में फाइबर, विटामिन, मिनरल और दूसरे जरूरी पोषक तत्व भी मौजूद होते हैं। दूसरी ओर, प्रोसेस्ड या पैक्ड फूड में जो चीनी अलग से मिलाई जाती है, उसे ऐडेड शुगर कहा जाता है। यही चीनी जरूरत से ज्यादा खाने पर मोटापा, डायबिटीज, हृदय रोग और कई दूसरी स्वास्थ्य समस्याओं का खतरा बढ़ा सकती है।

चीनी का इस्तेमाल सिर्फ स्वाद बढ़ाने के लिए ही नहीं, बल्कि कई और कारणों से भी किया जाता है। इससे खाने की बनावट बेहतर होती है, रंग और स्वाद अच्छा बनते हैं और कई बार यह प्रिजर्वेटिव की तरह काम करके खाद्य पदार्थ की शेल्फ लाइफ भी बढ़ा देती है। यही वजह है कि पास्ता सॉस, केचप या सलाद ड्रेसिंग जैसी नमकीन चीजों में भी चीनी मिलाई जाती है।

खाने में ऐडेड शुगर की मात्रा जानने के लिए सबसे आसान तरीका है न्यूट्रिशन लेबल पढ़ना। आजकल ज्यादातर पैक्ड फूड पर 'टोटल शुगर' और 'ऐडेड शुगर' दोनों की जानकारी दी जाती है।

मान लीजिए किसी पैकेट पर लिखा है कि उसमें 20 ग्राम टोटल शुगर है और 15 ग्राम ऐडेड शुगर। इसका मतलब है कि सिर्फ 5 ग्राम चीनी प्राकृतिक रूप से मौजूद है, जबकि बाकी 15 ग्राम अलग से मिलाई गई है।

सिर्फ इतना ही नहीं, पैकेट पर दिए गए इंग्रीडिएंट्स भी ध्यान से पढ़ें। अगर सूची की शुरुआत में ही चीनी या उससे जुड़े नाम लिखे हों, तो समझिए उस उत्पाद में चीनी की मात्रा ज्यादा हो सकती है।

चीनी हमेशा 'शुगर' नाम से नहीं लिखी होती। कई लोग यही सोचकर धोखा खा जाते हैं कि अगर पैकेट पर 'शुगर' नहीं लिखा है तो उसमें चीनी नहीं होगी। जबकि कंपनियां चीनी के लिए कई अलग-अलग नाम इस्तेमाल करती हैं।

बाहरी दुनिया के शोर से पाएं मुक्ति, अपनाएं कर्णपीड़ासन और बढ़ाएं मानसिक एकाग्रता

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। आज की भागदौड़ भरी और तनावपूर्ण जीवनशैली में शारीरिक स्वास्थ्य के साथ मानसिक शांति बनाए रखना भी एक बड़ी चुनौती बन गया है। ऐसे में कर्णपीड़ासन को एक महत्वपूर्ण योगासन माना जाता है। यह शरीर के लचीलेपन को बढ़ाने में सहायक माना जाता है और नियमित अभ्यास से तंत्रिका तंत्र को शांत रखने तथा मानसिक एकाग्रता बढ़ाने में मदद मिल सकती है।

संस्कृत में यह शब्द तीन भागों से मिलकर बना है- 'कर्ण', जिसका अर्थ कान है; 'पीड़ा', यानी दबाव या खिंचाव; और 'आसन', अर्थात मुद्रा। इस योग मुद्रा में घुटनों द्वारा कानों पर हल्का दबाव डाला जाता है। योग परंपरा के अनुसार, यह आसन बाहरी व्यवधानों से ध्यान हटाकर व्यक्ति को अपने भीतर की चेतना और एकाग्रता पर केंद्रित करने में सहायक माना जाता है।

आयुर्वेद और योग परंपरा में कर्णपीड़ासन को हलासन का एक उन्नत रूप बताया गया है। नियमित अभ्यास से यह रीढ़ की हड्डी के लचीलेपन, पाचन क्रिया और मानसिक शांति में सहायक माना जाता है। यह आसन सामान्यत: हलासन और सर्वांगासन के बाद किया जाता है। इसमें पेट और कमर की मांसपेशियां शरीर के संतुलन को बनाए रखने में सक्रिय रहती हैं।

इसे करने के लिए सबसे पहले पीठ के बल सीधे लेट जाएं और हथेलियों को जमीन की ओर रखें। फिर सांस लेते हुए पैरों को ऊपर उठाएं और उन्हें सिर के पीछे ले जाकर हलासन की मुद्रा बनाएं। इसके बाद धीरे-धीरे घुटनों को मोड़ते हुए कानों के दोनों ओर जमीन पर टिकाने का प्रयास करें। हाथों को पीठ के सहारे रखें या जमीन पर सीधा रखें। सामान्य गति से सांस लेते हुए 30 से 60 सेकंड तक इस स्थिति में रहें।

नियमित अभ्यास से यह आसन तनाव कम करने तथा मानसिक एकाग्रता और स्थिरता बढ़ाने में सहायक माना जाता है।

एफआईएच हॉकी वर्ल्ड कप कपः 15 अगस्त से अभियान की शुरुआत, चमक बिखरने को तैयार भारतीय खिलाड़ी

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। भारतीय पुरुष हॉकी टीम बेल्जियम और नीदरलैंड में होने वाले एफआईएच हॉकी वर्ल्ड कप 2026 की तैयारी में जुटी है। भारत की 20 सदस्यीय टीम में अनुभवी खिलाड़ियों और उभरती हुई प्रतिभाओं का मेल देखने को मिल रहा है। युवा खिलाड़ियों में गोलकीपर मोहित एचएस, डिफेंडर यशदीप सिवाच के साथ मिडफील्डर राजिंदर सिंह और आदित्य अर्जुन लालागे शामिल हैं, जिन्होंने शानदार प्रदर्शन के साथ टीम में जगह बनाई है।

23 वर्षीय अटैकिंग मिडफील्डर लालागे अपने करियर के सबसे बड़े टूर्नामेंट की तैयारी कर रहे हैं और इस मौके का पूरा फायदा उठाने के लिए समर्पित हैं।

भारत टूर्नामेंट के 'पूल-डी' में है। वह 15 अगस्त को वेल्स के खिलाफ मुकाबले के साथ अपने अभियान की शुरुआत करेगा। इसके बाद 17 अगस्त को इंग्लैंड और 19 अगस्त को पाकिस्तान के खिलाफ मैच खेलेगा।

23 वर्षीय राजिंदर सिंह ने भारत के मिडफील्ड में कौशल और ताकत का मिश्रण पेश किया है और अपनी ऊर्जावान मौजूदगी से तेजी से अपनी पहचान बनाई है। राजिंदर ने टीम के आपसी तालमेल की तारीफ करते हुए कहा, 'इस टीम को जो चीज खास बनाती है, वह है हमारा आपसी जुड़ाव। हम मैदान पर लगातार बातचीत करते हैं, लेकिन मैदान के बाहर भी हमारा रिश्ता उतना ही मजबूत है। हर कोई एक-दूसरे के लिए कोशिश करता है, और अगर कोई गलती करता है, तो उसका साथ देने के लिए हमेशा कोई न कोई साथी खिलाड़ी तैयार रहता है। यही एकता हमारी सबसे बड़ी ताकतों में से एक है।

अर्जुन लालागे ने कहा, 'वर्ल्ड कप में खेलना मेरा बचपन का सपना रहा है और टीम का हिस्सा होना बहुत खास एहसास है। अभी मेरा ध्यान हर ट्रेनिंग सेशन और हर मैच में अपना शत प्रतिशत देकर इस मौके का पूरा फायदा उठाने पर है।

मैं टीम की जरूरत के हिसाब से हर तरह से योगदान देना चाहता हूं। सीनियर खिलाड़ियों और कोचों ने हमेशा मेरा मार्गदर्शन किया है कि मैं क्या सुधार कर सकता हूं, इससे मुझे बहुत आत्मविश्वास मिला है। कैंप में हर कोई रोजाना कड़ी मेहनत कर रहा है। हम सभी की सोच एक ही है—भारत के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ देना।'

वहीं, 25 वर्षीय डिफेंडर यशदीप सिवाच ने अपनी कड़ी ट्रेनिंग पर ध्यान केंद्रित करते हुए कहा, वल्ड कप की तैयारी बहुत जोरदार रही है। हमने अपने खेल के हर पहलू पर कड़ी मेहनत की है—फिटनेस और ताकत से लेकर खेल की छोटी-छोटी तकनीकी और रणनीतिक बारीकियों तक। हर कैंप ने हमें अपने स्टैंडर्ड्स को बेहतर बनाने और एक-दूसरे से बेस्ट निकलवाने के लिए प्रेरित किया है। 'सिवाच ने सीनियर टीम के सदस्यों - जैसे कप्तान हरमनप्रीत सिंह, जरमनप्रीत सिंह और अमित रोहिदास - से मिलने वाले मार्गदर्शन पर कहा, 'मेरे आस-पास अनुभवी खिलाड़ियों के होने से बहुत फर्क पड़ा है। वे हमेशा अपने अनुभव शेयर करने और खेल की बारीकियों के बारे में बताने के लिए तैयार रहते हैं, जिससे मेरा आत्मविश्वास बढ़ा है।

दूसरा टी20 : गेंदबाजी में चमके अभिषेक शर्मा, भारत ने जिम्बाब्वे को 90 रन से हराया

विश्व केसरी ■

हरारे । भारतीय क्रिकेट टीम ने जिम्बाब्वे को दूसरे टी20 मुकाबले में 90 रन से हरा दिया है। इस जीत के साथ ही भारतीय टीम ने सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त बना ली है। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए जिम्बाब्वे को 220 रन का लक्ष्य दिया था। जिम्बाब्वे 17.5 ओवर में 129 रन पर सिमट गई।

हरारे स्पोर्टस क्लब में हुए मुकाबले में 220 रन के बड़े लक्ष्य को हासिल करने उतरी जिम्बाब्वे को ब्रायन बेनेट ने 19 गेंदों पर 32 रन बनाकर तेज शुरुआत दी, लेकिन उनके आउट होने के बाद टीम ने लगातार विकेट गंवाए। पूरी टीम 17.5 ओवर में 129 रन पर सिमट गई। रियान बर्ल ने 20, विकेटकीपर तदिवानाशे मारुमानी ने 24, और ब्रैड इंवास ने 19 रन बनाए। डियन मायर्स ने 12 रन की पारी खेली। इसके अलावा, कोई भी बल्लेबाज दो अंकों में नहीं पहुंच सका।

भारत की तरफ से बल्लेबाजी में फ्लॉप रहे अभिषेक शर्मा ने गेंदबाजी में अपना जौहर दिखाया और 2.5 ओवर में मात्र 17 रन देकर 3 विकेट लिए। अपना डेब्यू कर रहे यश ठाकुर ने 4 ओवर में 30 रन देकर 2 और प्रिंस यादव ने 1.2 ओवर में 10 रन देकर 2 विकेट लिए। रवि बिश्नोई, शिवम दुबे और तिलक वर्मा को 1-1 विकेट मिला।

इससे पहले भारतीय क्रिकेट टीम ने टॉस गंवाकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 5 विकेट के नुकसान पर 219 रन बनाए थे। भारत की तरफ से विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन ने सर्वाधिक 81 रन की पारी खेली थी। 44 गेंदों की अपनी पारी में किशन ने 9 चौके और 2 छक्के लगाए थे। इसके अलावा, तिलक वर्मा ने 29 गेंदों पर 3 छक्कों और 5 चौकों की मदद से नाबाद 60 रन बनाए थे। तीन मैचों की सीरीज के शुरुआती 2 मैच जीतकर भारत ने सीरीज में अजेय बढ़त बना ली है। बतौर भारतीय टी20 कप्तान श्रेयस अय्यर की ये पहली सीरीज जीत है। अय्यर को आयरलैंड और इंग्लैंड टी20 सीरीज में एक भी मैच नहीं जीत पाने की वजह से आलोचना का सामना करना पड़ा था।

पैरा पावरलिफ्टिंग इवेंट में ब्रॉन्ज जीतने पर पीएम मोदी ने दी झंडू को बधाई, बोले-आपने अनगिनत भारतीयों को प्रेरित किया

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में झंडू कुमार ने भारत को पहला मेडल दिलाया। पैरा पावरलिफ्टर ने पुरुषों के हैवीवेट पैरा पावरलिफ्टिंग इवेंट में ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया। झंडू को देश के लिए पहला मेडल जीतने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बधाई दी है।

पीएम मोदी ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'झंडू कुमार का शानदार प्रदर्शन। उन्होंने पुरुषों के हैवीवेट पैरा पावरलिफ्टिंग इवेंट में ब्रॉन्ज मेडल जीतकर कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में भारत के लिए मेडल का खाता खोला है। झंडू को बधाई। उनकी यह उपलब्धि उनकी जबरदस्त ताकत, अटूट संकल्प और बरसों की अनुशासित मेहनत का बेहतरीन उदाहरण है। हर चुनौती का सामना करते हुए और इंटरनेशनल मंच पर शानदार प्रदर्शन करके उन्होंने पूरे देश का मान बढ़ाया है और अनगिनत भारतीयों को प्रेरित किया है।

खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने भी झंडू को ब्रॉन्ज मेडल जीतने पर बधाई दी। उन्होंने 'एक्स' पर लिखा, 'भारत के लिए ब्रॉन्ज। झंडू कुमार ने पुरुषों के हेवीवेट पैरा पावरलिफ्टिंग में 190 किलोग्राम का जबरदस्त लिफ्ट करके भारत के लिए कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में पहला मेडल जीता। पूरे देश को उन पर गर्व है।

हालांकि, झंडू का ब्रॉन्ज मेडल जीतने तक का सफर बिल्कुल भी आसान नहीं रहा। उनकी घर की आर्थिक स्थिति काफी खराब थी। एक समय पर उन्हें ई-रिक्शा चलाकर और सब्जी बेचकर घर का गुजारा करना पड़ा था।

झंडू ने 'आईएएनएस' के साथ खास बातचीत में बताया, 'मैंने अपना गुजारा करने के लिए ई-रिक्शा चलाया, सब्जियां बेचीं और बहुत संघर्ष किया। हालांकि मैंने अपने सपने को कभी नहीं छोड़ा। मुझे हमेशा विश्वास था कि एक दिन मैं अपने देश के लिए जरूर मेडल जीतूंगा।

झंडू ने कहा कि यह मेडल सिर्फ उनका नहीं है, बल्कि उन सभी लोगों का भी है ।

सीडब्ल्यूजी 2026: जादुमनी का दमदार आगाज, 5-0 से जीत दर्ज कर बनाई राउंड ऑफ 16 में जगह

विश्व केसरी ■

ग्लासगो । भारत के बॉक्सर जादुमनी सिंह मंडेन्गबाम ने कॉमनवेल्थ गेम्स (सीडब्ल्यूजी) 2026 का आगाज दमदार प्रदर्शन के साथ किया है। जादुमनी ने पुरुषों के 55 किलोग्राम वर्ग के राउंड ऑफ 32 मुकाबले में स्कॉटलैंड के एरन कलन को 5-0 से हराकर अगले दौर में जगह बना ली है।

ग्लासगो के एसईसी हॉल में खेले गए इस मुकाबले में जादुमनी शुरू से आखिर तक विपक्षी बॉक्सर पर पूरी तरह हावी रहे। उन्होंने तेज पंच, सटीक निशाने और मजबूत डिफेंस के दम पर अपने प्रतिद्वंद्वी को पूरे मैच में वापसी करने का कोई मौका नहीं दिया। सभी पांच जजों ने हर राउंड में जादुमनी को विजेता माना और उन्हें 30-27 का एक जैसा स्कोर दिया। घरेलू दर्शकों के समर्थन के बावजूद स्कॉटलैंड के एरन कलन भारतीय खिलाड़ी की गति और रणनीति के आगे बेबस नजर आए। भारतीय बॉक्सर के एक के बाद एक पंचों का एरन कलन के

पास कोई जवाब नहीं था।

इस जीत के साथ जादुमनी राउंड ऑफ 16 में पहुंच गए हैं। अब 26 जुलाई को उनका मुकाबला पाकिस्तान के रहमान से होगा। जादुमनी अगर पाकिस्तानी बॉक्सर के खिलाफ जीत दर्ज करने में सफल रहते हैं, तो वह क्वार्टर फाइनल का टिकट हासिल कर लेंगे। जादुमनी को भारत की ओर से पदक का बड़ा उम्मीदवार माना जा रहा है।

जादुमनी की इस जीत से भारतीय बॉक्सिंग टीम ने प्रतियोगिता में मजबूत शुरुआत की है। भारतीय दल इस बार ज्यादा से ज्यादा पदक जीतने के लक्ष्य के साथ मैदान में उतरा है। हालांकि, ग्लासगो में हो रहे कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में इस बार बैडमिंटन, रेसलिंग, हॉकी, क्रिकेट और शूटिंग को शामिल नहीं किया गया है। इन खेलों में पिछले बार भारत ने कई पदक अपने नाम किए थे।

इससे पहले, ओलंपिक कांस्य पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन ने बिना रिंग में उतरे ही बॉक्सिंग में भारत के लिए पहला पदक पक्का कर लिया था, क्योंकि उन्हें पहले राउंड में 'बाय' मिला और वह सीधे सेमीफाइनल में पहुंच गईं। नियमों के अनुसार, कॉमनवेल्थ गेम्स के सेमीफाइनल में हार के बावजूद खिलाड़ी को कांस्य पदक दिया जाता है। लवलीना 31 जुलाई को पहली बार रिंग में नजर आएंगी और उनका मुकाबला टाफाकी से होगा। लवलीना अगर टाफाकी के खिलाफ जीत दर्ज करने में कामयाब रहती हैं, तो उनका कम से कम रजत पदक पक्का हो जाएगा।

मेरा लक्ष्य बुमराह की तरह विकेट लेना और भारत को मैच जिताना है : यश ठाकुर

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। युवा तेज गेंदबाज यश ठाकुर ने कहा है कि डेथ गेंदबाजी में महारत हासिल करना उनके करियर का मुख्य लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि वे जसप्रीत बुमराह को अपना आदर्श मानते हैं और सभी फॉर्मेट में उनकी तरह प्रदर्शन करते हुए भारत को जीत दिलाना चाहते हैं।

यश ठाकुर ने जियोस्टार पर कहा, 'मैंने जब से विदर्भ के लिए व्हाइट-बॉल क्रिकेट खेलना शुरू किया, उसी समय से डेथ ओवरों का विशेषज्ञ गेंदबाज बनना मेरा लक्ष्य रहा है। मैच आखिरी ओवरों में ही जीते या हारे जाते हैं। मैं अपनी टीम के लिए उन्हीं ओवरों में अहम भूमिका निभाना चाहता था।'

दाएं हाथ के तेज गेंदबाज ने कहा कि घरेलू क्रिकेट से इंडिया ए और अब सीनियर नेशनल टीम तक के सफर में उनकी यह सोच नहीं बदली है।

उन्होंने कहा, 'मैंने अपने पूरे करियर में इसी सोच को बनाए रखा है। चाहे मैं विदर्भ, इंडिया ए या आईपीएल के लिए खेल रहा होऊं, मैं डेथ गेंदबाजी को क्रिकेट की सबसे बड़ी चुनौती मानता हूं और इसमें महारत हासिल करना चाहता हूं। अगर मैं दबाव वाले हालात में अच्छा प्रदर्शन कर पाता हूं, तभी मैं असल में टीम पर असर डाल सकता हूं।

ठाकुर ने अपनी सोच पर जसप्रीत बुमराह के प्रभाव का जिक्र किया और उनकी जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा, 'मैं जसप्रीत बुमराह का बहुत सम्मान करता हूं क्योंकि वे हर फॉर्मेट और खेल के हर चरण में शानदार गेंदबाजी करते हैं। वे हालात को समझते हैं और उसी के हिसाब से खुद को ढाल लेते हैं।

तेज गेंदबाज ने कहा, 'मैं उनके तरीके को अपनाने की कोशिश करता हूं, ताकि मैं ऐसा गेंदबाज बन सकूं जिस पर कप्तान खेल के किसी भी चरण में भरोसा कर सके—चाहे वह पावरप्ले हो, मिडिल ओवर हो या डेथ ओवर। मेरा लक्ष्य ऐसा खिलाड़ी बनना है जो विकेट ले सके और मैच जिता सके, ठीक वैसे ही जैसे बुमराह भारत के लिए करते हैं।

वर्ल्ड जूनियर स्क्वैश चैंपियनशिपः इतिहास रचने से एक कदम दूर अनाहत, 21 साल का सूखा खत्म कर बनाई फाइनल में जगह

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। भारत की अनाहत सिंह इतिहास रचने से बस एक जीत दूर हैं। मिस्र की बारब सामेह को चार गेम में हराकर वह पिछले 21 साल में वर्ल्ड स्क्वैश जूनियर चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी बन गई हैं।

अपना पहला वर्ल्ड जूनियर खिताब जीतने की कोशिश में जुटीं शीर्ष वरीयता प्राप्त अनाहत 2005 में जोशना चिनप्पा के बाद फाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी बनी हैं। उन्होंने सेमीफाइनल मुकाबले में 3/4 सीड खिलाड़ी बारब को 11-3, 8-11, 11-4, 11-6 से हराया।

अनाहत ने मजबूत शुरुआत की और पहला गेम 11-3 से जीता। इसके बाद सामेह ने वापसी की और दूसरा गेम 11-8 से जीतकर मैच

बराबरी पर ला दिया। हालांकि भारतीय खिलाड़ी ने जबरदस्त वापसी की और आखिरी दो गेम 11-4 और 11-6 से जीतकर मैच को अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ ही उन्होंने टूर्नामेंट के फाइनल का टिकट हासिल किया, जहां उनके पास इतिहास रचने का सुनहरा मौका होगा।

जीत के बाद अनाहत ने कहा, 'मैं सच में बहुत खुश हूं। मैंने कुछ महीने पहले ब्रिटिश जूनियर ओपन में बारब के साथ खेला था और वह भी ऐसा ही कड़ा मुकाबला था, इसलिए मुझे पता था कि मुझे बहुत अच्छा खेलना होगा। कल मैं अपना बेस्ट नहीं खेल पाई थी और मुझे पता था कि इस मुकाबले में मुझे कोर्ट पर उतरकर दिखाना होगा कि मैं क्या कर सकती हूं। मैंने चार वर्ल्ड जूनियर टूर्नामेंट खेले हैं और क्वार्टर-फाइनल और सेमीफाइनल में हार गई थी, इसलिए फाइनल में पहुंचने से मेरे माता-पिता और कोच बहुत खुश हैं, लेकिन टूर्नामेंट अभी खत्म नहीं हुआ है।'

अनाहत और ऐतिहासिक जीत के बीच अब मिस्र की दूसरी सीड खिलाड़ी रुकैया सलेम खड़ी हैं। उन्होंने फाइनल में पहुंचने के लिए अपनी ही देश की खिलाड़ी और 3/4 सीड मलिका एलकाराक्सी को हराया।

पिछले साल की चैंपियनशिप के लिए क्वालीफाई करने में नाकाम रहीं सलेम ने शुरुआच से ही मैच पर पकड़ बनाई। उन्होंने पहले दो गेम 11-5 और 11-9 से जीते। इसके बाद सिर्फ 15 साल की एलकाराक्सी ने वापसी की और तीसरा गेम जीता, लेकिन सलेम ने अपना संयम बनाए रखा।

यूथ हॉकी5एस एशियन चैंपियनशिपः भारतीय पुरुष टीम ने ओमान और पाकिस्तान को रौंदा, महिला टीम को मिली हार

विश्व केसरी ■

मस्कट (ओमान)। मस्कट में चल रही एफआईएच यूथ हॉकी5एस एशियन चैंपियनशिप 2026 में भारतीय सब-जूनियर पुरुष टीम का शानदार प्रदर्शन जारी है। टीम ने मेजबान ओमान को 10-1 से रौंदने के बाद अपने चिर-प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को 7-3 से हराया। हालांकि, महिला टीम को हार का सामना करना पड़ा।

पाकिस्तान के खिलाफ भारतीय टीम का शुरुआत से ही दबदबा देखने को मिला। टीम ने हाफ टाइम तक 3-0 की अजेय बढ़त हासिल की। भारतीय टीम के लिए पहले हाफ में रोमित पाल (8वें मिनट), करण गौतम (10वें मिनट), और कप्तान केतन कुशवाहा (10वें मिनट) ने गोल किए।

दूसरे हाफ में भी भारत ने अपना आक्रामक खेल जारी रखा और प्रहलाद राजभर ने बढ़त को 4-0 कर दिया। हालांकि, पाकिस्तान ने मोहम्मद उस्मान के दो गोल और कप्तान अदील (17') के शानदार गोल के बूते वापसी की कोशिश की, लेकिन शाहरुख अली, राहुल यादव और कुशवाहा के गोलों ने भारत की आसान जीत पक्की कर दी।

इससे पहले, भारत का प्रदर्शन ओमान के खिलाफ भी लाजवाब रहा। भारत ने हाफ-टाइम तक 6-0 की बढ़त बना ली थी। पहले हाफ में भारतीय टीम की ओर से शाहरुख अली और केतन कुशवाहा ने दो-दो गोल दागे। वहीं, करण गौतम और प्रहलाद राजभर ने एक-एक गोल किया। ओमान की तरफ से एकमात्र गोल खजराज सुबैत सुबैत अल-मशराफी ने मैच के 20वें मिनट में किया।

हालांकि, भारतीय सब-जूनियर महिला टीम कड़ा मुकाबला करने के बावजूद चीन से 3-6 से हार गई। भारत के लिए मैच का पहला गोल संदीप कुमार ने दागा और शुरुआत में बढ़त दिलाई। इसके बाद किरण एक्का ने लगातार दो गोल दागे। मगर चीन ने मैच में शानदार वापसी की और गुओ जियाक्सिन, गे चेन और लू टोंगटोंग द्वारा किए गए गोल के बूते स्कोर को हाफ टाइम तक 3-3 से बराबर कर दिया।

स्वात्वधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा साई प्रीटिंग प्रेस, डी-85, सेक्टर 6 नोएडा,गौतम बुध्द नगर पिन कोड -201301 उ.प्र. से मुद्रित और मकान संख्या एन-58 जगतराम पार्क के सामने, लक्ष्मी नगर पूर्व दिल्ली-110053 से प्रकाशित
समाचार संपादक : चन्द्रमणी साव (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र दिल्ली होगा) मोबाइल 9340573892 ई-मेल: vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. DLHIN/2015/61415